

रोज़गार और निर्माण

प्रदेश के लिये ग्यारह और सोलह अक्टूबर
होगा ऐतिहासिक दिन : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने ग्वालियर में एयरपोर्ट शिलान्यास कार्यक्रम की तैयारियों का लिया जायजा

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि प्रदेश के लिए 11 और 16 अक्टूबर ऐतिहासिक दिन बनने जा रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी 11 अक्टूबर को पवित्र नगरी उज्जैन में 'श्री महाकाल लोक' का लोकार्पण करेंगे जबकि गृह मंत्री श्री अमित शाह द्वारा 16 अक्टूबर को ग्वालियर में अत्याधुनिक एयरपोर्ट का शिलान्यास किया जायेगा। उन्होंने कहा कि ग्वालियर के विकास में नए अध्याय के रूप में जुड़ने जा रहे लगभग 500 करोड़ रुपये लागत के अत्याधुनिक एयर टर्मिनल के निर्माण से ग्वालियर और चंबल अंचल की प्रगति एवं विकास को नई गति मिलेगी।

भोपाल, मुख्यमंत्री ने ग्वालियर में 16 अक्टूबर को प्रस्तावित ग्वालियर एयरपोर्ट के शिलान्यास कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लिया। समीक्षा बैठक में जिले के प्रभारी एवं जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, सहकारिता मंत्री श्री अरविंद भदौरिया, राज्य एवं परिवहन मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत, ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, उद्योगिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री भारत सिंह कुशवाहा, नगरीय विकास एवं आवास राज्य मंत्री श्री ओ.पी.एस. भदौरिया, लोक निर्माण राज्य मंत्री श्री सुरेश धाकड़, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी राज्य मंत्री श्री बुजेंद्र सिंह यादव और सांसद श्री विवेक नारायण शंजवलकर उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि संस्कृति पुनरुत्थान कार्यक्रम में केदारनाथ, काशी और अयोध्या नगरी की तर्ज पर पवित्र नगरी उज्जैन में 'श्री महाकाल लोक' का निर्माण किया गया है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र



मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान केन्द्रीय मंत्री द्वय श्री तोमर, श्री सिंधिया, राज्य सरकार के मंत्रीगण के साथ बैठक करते हुए।

प्रदेश में मेडिकल की पढ़ाई हिंदी में

मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश देश का ऐसा पहला राज्य बनने जा रहा है जहाँ हिन्दी में मेडिकल की पढ़ाई होगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी की सोच है कि मातृ-भाषा में इंजीनियरिंग और मेडिकल की पढ़ाई हो। उन्हीं की मंशा को मूर्त रूप देने के लिये मध्यप्रदेश में मेडिकल की पढ़ाई हिन्दी में शुरू की जा रही है।

मोदी 11 अक्टूबर को 'श्री महाकाल लोक' को महाकाल के चरणों में समर्पित करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में देश तेजी के साथ प्रगति पथ पर आगे बढ़ रहा है। ग्वालियर-चंबल अंचल का भी चोतरफा विकास हो रहा है। उन्होंने एलीवेटेड रोड, वेस्टर्न बाईपास, राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण और सिंचाई परियोजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि इसी कड़ी में ग्वालियर को नए एवं अत्याधुनिक एयरपोर्ट की सौगात मिलने जा रही है। केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह यह सौगात देने 16 अक्टूबर को ग्वालियर आ रहे हैं।

इस अवसर पर केन्द्रीय मंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि खुशी की बात है कि केन्द्र सरकार के नगर विमानन मंत्रालय का दायित्व ग्वालियर के श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया संचालित रहे हैं। इसका स्वाभाविक फायदा ग्वालियर को मिल रहा है। श्री तोमर ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी की पहल पर अनुदान आधारित उड़ान योजना संचालित है, इससे अब आम आदमी भी बहुत कम खर्च पर हवाई सफर कर सकता है।

केन्द्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी का मानना है कि जिस शहर में

ग्वालियर उत्तरोत्तर प्रगति पर

इस अवसर पर केन्द्रीय कृषि एवं किसान-कल्याण मंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि 16 अक्टूबर को ग्वालियर ऊंची उड़ान भरने जा रहा है।

इस दिन केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ग्वालियर को अत्याधुनिक एयर टर्मिनल की सौगात देंगे। उन्होंने कहा कि ग्वालियर उत्तरोत्तर प्रगति की ओर अग्रसर है।

अत्याधुनिक विमान तल और अच्छी एयर कनेक्टिविटी होती है वहाँ स्वतः ही आर्थिक गतिविधियाँ बढ़ जाती हैं। अत्याधुनिक एयरपोर्ट के निर्माण से ग्वालियर तेजी से देश के नक्शे पर उभरेगा। उन्होंने कहा कि करीबन 500 करोड़ रुपये की लागत से होने जा रहे एयरपोर्ट के विस्तार में जहाँ एक ओर अत्याधुनिक एयर टर्मिनल का निर्माण होगा, वहीं दूसरी ओर ग्वालियर की सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक विरासत की पहचान भी स्थापित होगी। श्री सिंधिया ने बताया कि ग्वालियर से देश के बड़े शहर अब सीधे वायु सेवा से जुड़ गए हैं।

स्वच्छ सर्वेक्षण-2022

स्वच्छता क्षेत्र में इंदौर शहर के साथ मध्यप्रदेश भी देश में अव्वल

भोपाल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने स्वच्छता क्षेत्र में बेस्ट प्रफार्मिंग प्रवेश के रूप में मध्यप्रदेश के चयन को बड़ी उपलब्धि बताया है। मुख्यमंत्री ने देश के स्वच्छतम शहर के रूप में निरंतर छठवीं बार इंदौर के चयन की उपलब्धि को सभी प्रदेशवासियों के लिए गर्व का विषय बताया है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता क्षेत्र की यह उपलब्धियाँ हमारे लिए गर्व की वजह बनी हैं। मुख्यमंत्री ने मध्यप्रदेश को इस क्षेत्र में बेहतरीन कार्य के लिए चयनित होने और प्रदेश के सबसे बड़े नगर और प्रदेश की व्यावसायिक-राजधानी इंदौर को स्वच्छ सर्वेक्षण-2022 में देश के स्वच्छतम शहर के रूप में चुने जाने पर सभी प्रदेशवासियों को बधाई दी है।

श्री चौहान ने स्वच्छ सर्वेक्षण 2022 में 100 से अधिक शहरों वाले राज्यों की श्रेणी में मध्यप्रदेश को सबसे स्वच्छ राज्य बनने का गौरव प्राप्त होने पर प्रदेश के नागरिकों का अभिमान करते हुए बधाई दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का भी आभार मानते हैं जिन्होंने स्वच्छता के संकल्प पर निरंतर मार्गदर्शन प्रदान किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विशेष रूप से इंदौर की जनता बधाई की पात्र है जिसने शहर की मुख्य सड़कों के साथ-साथ गलियों और सभी वाडों में स्वच्छता को प्राथमिकता दी। इंदौर में भिन्न-भिन्न तरह के कचरे के एकत्रीकरण और निपटान की आदर्श व्यवस्था की गई है। ऐसे ही प्रयासों से इंदौर यह गौरवपूर्ण उपलब्धि अर्जित कर पाया है। इसके लिए इंदौर की आम जनता, जन-प्रतिनिधि और टीम मध्यप्रदेश के सभी सदस्य भी बधाई के पात्र हैं।

श्री चौहान ने कहा कि, कहा भी गया है कि, मार्ग स्वच्छता विराजते, ग्रामे सुजनाः विराजते, अर्थात् सड़क पर सफाई की स्थिति देख कर यह ज्ञात होता है कि गांव में स्वच्छ लोग रहते हैं। स्वच्छता हमारा संकल्प भी है और जीवन-शैली भी। मध्यप्रदेश इस क्षेत्र में नए मानक स्थापित कर अन्य राज्यों के लिए उदाहरण बन रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नागरिकों की आधारभूत जरूरतें पूरी करना सरकार का धर्म है। आजादी के अमृत महोत्सव पर हम एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में अपनी भूमिका निभाएँ, इसके लिए संकल्प लेने का यह स्वर्णिम अवसर है।

बाढ़ और अतिवृष्टि से

फसलों के नुकसान पर किसानों को अंतरित किए 202.64 करोड़ रुपये



मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने राहत राशि वितरण की वर्षुअली समीक्षा की।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि इस मानसून में अधिक वर्षा के कारण जहाँ शहरी क्षेत्र में व्यवस्थाएँ प्रभावित हुईं, वहीं ग्रामीण अंचलों में किसान वर्ग को अतिवृष्टि के कारण बहुत कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। संकट की इस घड़ी में राज्य सरकार ने सहायता पहुँचाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। मुख्यमंत्री ने बाढ़ एवं अतिवृष्टि से प्रभावित रहे प्रदेश के 19 जिलों विदिशा, सागर, गुना, रायसेन, दमोह, हरदा, मुरैना, आगर-माला, बालाघाट, भोपाल, अशोकनगर, सीहोर, नर्मदापुरम, श्योपुर, छिंदवाड़ा, भिंड, राजनांद, बैतुल और सिवनी जिले के प्रभावित

किसानों के खातों में 202 करोड़ 64 लाख रुपये की सहायता राशि सिंगल क्लिक से अंतरित की। अतिवृष्टि एवं बाढ़ प्रभावित जिलों का प्रभावित रकबा लगभग 2 लाख 2 हजार 488 हेक्टेयर है। इस दौरान मुख्य सचिव श्री इकबाल सिंह वैस और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। प्रभावित 19 जिलों के कलेक्टर और किसान वर्षुअली इसमें शामिल हुए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में कुछ जिले अतिवृष्टि से प्रभावित रहे। राज्य सरकार ने ऐसी स्थिति में सभी जरूरी व्यवस्थाएँ कर यह सुनिश्चित किया कि अतिवृष्टि से किसी की जान न जाए।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

केन्द्रीय गृह मंत्री करेंगे चिकित्सा शिक्षा के हिन्दी पाठ्यक्रम का शुभारंभ

भोपाल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि चिकित्सा शिक्षा के पाठ्यक्रम का हिन्दी भाषा में शुभारंभ, मातृ भाषा की प्रतिष्ठा को स्थापित करने और सोच बदलने की शुरुआत का कार्यक्रम है। यह इस बात का प्रतीक है कि विशेषज्ञता के विषयों की पढ़ाई केवल अंग्रेजी में ही नहीं मातृ भाषा हिन्दी में भी की जा सकती है। प्रदेश में मेडिकल के साथ ही इंजीनियरिंग, नर्सिंग और पैरामेडिकल की पढ़ाई अब हिन्दी में शुरू की जाएगी। मुख्यमंत्री 16 अक्टूबर को केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह की उपस्थिति में मोतीलाल नेहरू स्टेडियम में चिकित्सा शिक्षा के पाठ्यक्रम के हिन्दी भाषा में शुभारंभ कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा कर रहे थे।

अंदर के पृष्ठों पर

- **पिपला सप्ताह**- देश-विदेश की साप्ताहिक खबरों का संक्षिप्त विवरण
- **सर्चा में**- प्रमुख चर्चित व्यक्तियों और ध्यान आकर्षित करने वाली खबरों की चर्चा
- **खेल चर्चा**- प्रमुख खेल गतिविधियों का विवरण
- **सामयिकी**- देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं



01 अक्टूबर

सेबी ने म्यूचुअल फंड लेन-देन के लिए दो स्तरीय सत्यापन का किया विस्तार

● भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड (सेबी) ने निवेशकों के हितों को सुरक्षित रखने के लिए म्यूचुअल फंड यूनिट में खरीद करने के लिए दो स्तरीय सत्यापन प्रक्रिया लागू करने का फैसला किया है। सेबी ने एक परिपत्र जारी कर बताया कि इस संबंध में नया मौसदा एक अप्रैल 2023 से लागू किया जाएगा। अब यह तय किया गया है कि म्यूचुअल फंड की यूनिट में खरीद के लेन-देन में भी दो प्रकार से सत्यापन का विस्तार किया जाएगा। सेबी के इस फैसले के बाद म्यूचुअल फंड खरीद एवं उन्हें भुनाने के समय दो स्तरीय सत्यापन-ऑनलाइन लेन-देन और हस्ताक्षर पद्धति (ऑफलाइन लेन-देन) का इस्तेमाल किया जाएगा।

● अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में एक शिक्षण संस्थान पर आतंकवादियों ने आत्मघाती बम विस्फोट किया। इस बम धमाके में 19 से अधिक लोगों की मृत्यु हो गई, जबकि कई लोग घायल हुए हैं। काबुल पुलिस के अनुसार यह आतंकी घटना दशरी बरखी इलाके में स्थित एक हायर एजुकेशनल सेंटर में हुई। सेंटर में विध्याविद्यालय प्रवेश परीक्षा की तैयारी के उद्देश्य से आयोजित एक अभ्यास परीक्षा में शामिल होने के लिए करीब 300 विद्यार्थी पहुंचे थे, इसी दौरान एक आत्मघाती हमलावर भी स्वयं को विद्यार्थी बताकर परीक्षा सेंटर में दाखिल हुआ और खुद को विस्फोट से उड़ा दिया, मृतकों में अधिकांश विद्यार्थी थे।

02 अक्टूबर

सीबीएसई की बोर्ड परीक्षाएं 15 फरवरी से होंगी शुरू

● केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की कक्षा दसवीं और बारहवीं की बोर्ड परीक्षाएं अगले वर्ष 15 फरवरी से आयोजित की जाएंगी। सीबीएसई ने बताया कि इन बोर्ड परीक्षाओं के लिए दिसंबर माह में डेट शीट जारी की जाएगी। सीबीएसई के परीक्षा नियंत्रक ने बताया कि डेट शीट परीक्षा से 45 दिन पूर्व जारी की जाएगी ताकि विद्यार्थियों को परीक्षा की तैयारी के लिए पर्याप्त समय मिले। उन्होंने बताया कि कक्षा दसवीं और बारहवीं की परीक्षाएं कोविड से पहले सिलेबस पर आधारित होंगी। परीक्षा का सिलेबस पहले की तरह सौ प्रतिशत होगा।

● उत्तर कोरिया ने आर्थिक प्रतिबंधों के बावजूद अपना मिसाइल कार्यक्रम लगातार जारी रखा है। उत्तर कोरिया ने कम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण किया है। उत्तर कोरिया ने परीक्षण के दौरान पूर्वी सागर में एक अज्ञात मिसाइल दागी। उत्तर कोरिया ने पिछले दिनों में चौथी बार मिसाइल परीक्षण किया है। इस परीक्षण की अमेरिका सहित कई देशों ने निंदा की है।

03 अक्टूबर

राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत बनाना सरकार की पहली प्राथमिकता

● केंद्र सरकार की पहली प्राथमिकता राष्ट्रीय

सुरक्षा को मजबूत बनाना है। सरकार 'मेक इन इंडिया' के जरिये स्वदेशी रक्षा उत्पादों को प्रोत्साहित करने पर जोर दे रही है। यह जानकारी केंद्रीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने रक्षा लेखा विभाग के द्वारा आयोजित एक समारोह में दी। रक्षा मंत्री ने कहा कि वित्तीय वर्ष 2022-23 में रक्षा मंत्रालय को कुल 5.25 लाख करोड़ रुपये का आवंटन सरकार के राष्ट्रीय सुरक्षा मजबूत करने के लिये संकल्प को दर्शाता है। इस दौरान रक्षा मंत्री ने कई डिजिटल सेवाओं को लॉन्च किया, इनमें पेंशन के लिये मोबाइल एप स्पर्श, अग्निवीरों के लिये वेतन प्रणाली, अंतर्राष्ट्रीय हवाई टिकट बुकिंग के लिये डिफेंस ट्रेवल सिस्टम, रक्षा लेखा प्राप्ति और भुगतान प्रणाली, रक्षा नागरिक वेतन प्रणाली और रक्षा लेखा मानव संसाधन प्रबंध प्रणाली शामिल है।

04 अक्टूबर

भारतीय वायु सेना के वेड़े में शामिल हुए हल्के लड़ाकू हेलीकॉप्टर

● भारतीय वायु सेना ने स्वदेशी हल्के लड़ाकू हेलीकॉप्टरों (प्रचंड) के पहले बैच को अपने वेड़े में शामिल कर लिया है। रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह की उपस्थिति में इन हेलीकॉप्टरों को वायु सेना में शामिल किया गया। इन हेलीकॉप्टरों से वायु सेना की ताकत में काफी इजाफा होगा। यह हेलीकॉप्टर कई तरह की मिसाइलें दागने और हथियारों का इस्तेमाल करने में सक्षम हैं। इसके अलावा यह रडार को चक्रमा देते और रात में हमला करने में माहिर हैं। इन हेलीकॉप्टरों में लगे अत्याधुनिक एडिजोनिक्स सिस्टम दुश्मन के टिकानों को ढूंढकर उन्हें नष्ट कर सकता है। यह हेलीकॉप्टर एक बार में सवा तीन घंटे उड़ सकता है।

● सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने ऑनलाइन वेंडिंग विज्ञापनों पर लगाये गये प्रतिबंधों का कड़ाई से पालन करने के लिये डिजिटल

और ओटीटी प्लेटफॉर्म के लिये एक एडवाइजरी जारी की है। मंत्रालय ने कहा कि जून 2022 में वेंडिंग विज्ञापनों पर प्रतिबंध की अधिसूचना जारी होने के बावजूद कुछ डिजिटल और ओटीटी प्लेटफॉर्म पर वेंडिंग विज्ञापन चल रहे हैं। इन विज्ञापनों पर तत्काल रोक लगाना चाहिए। मंत्रालय के अनुसार ऑनलाइन अथवा ऑफलाइन दोनों तरह की वेंडिंग खेलने वालों का अधिक नुकसान हो सकता है, साथ ही सामाजिक मुश्किलों का भी सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में सभी प्लेटफॉर्म से वेंडिंग विज्ञापनों पर रोक लगनी चाहिए।

05 अक्टूबर

ओपेक प्लस ने लिया कच्चे तेल के उत्पादन में कटौती का फैसला

● विश्व में कच्चे तेल के उत्पादक देशों के संगठन ओपेक प्लस ने कच्चे तेल के उत्पादन में 20 लाख बैरल प्रतिदिन कटौती करने का फैसला किया है। ओपेक प्लस के इस कदम को पहले से संघर्ष कर रही वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिये एक झटका माना जा रहा है। ओपेक प्लस ने कहा कि वैश्विक आर्थिक और कच्चे तेल के बाजार परिदृश्य में अनिश्चितता को देखते हुये यह फैसला लिया गया है एवं उत्पादन में कटौती के बावजूद कच्चे तेल के दाम में अधिक अंतर नहीं होगा।

● यूरोपीय देशों में वर्ष 2024 से मोबाइल फोन और टैबलेट के लिये एक ही चार्जर होगा। यूरोपीय यूनियन संसद ने इस संबंध में नया कानून पारित किया है। नये कानून के अनुसार सभी मोबाइल निर्माता कंपनियों को सभी मोबाइल फोन और टैबलेट के लिये एक समान यूरोपीय टाइप-सी चार्जर देना होगा। यूरोपीय यूनियन ने बताया कि ई-कचरे में कमी लाने के उद्देश्य में लाए गए इस कानून के पक्ष में 602 मत पड़े, जबकि इसके विपक्ष में 13 वोट पड़े। इस

कानून से उपभोक्ताओं को अधिक टिकाऊ विकल्प मिलेगा साथ ही पर्यावरण संरक्षण भी होगा।

06 अक्टूबर

भारतीय वायु सेना में अगले वर्ष होगी महिला अग्निवीरों की भर्ती

● भारतीय थल सेना और नौ सेना के बाद भारतीय वायु सेना में भी महिलाएं अग्निवीरों के तौर पर शामिल होंगी। वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल श्री वी.आर. चौधरी ने कहा कि अगले वर्ष से वायु सेना में महिला अग्निवीरों की भर्ती होगी। उन्होंने बताया कि इस वर्ष वायु सेना लगभग 3 हजार अग्निवीरों की भर्ती कर रही है। उन्होंने बताया कि महिला अग्निवीरों की भर्ती से पहले हमें इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करना होगा साथ ही ऐसा माहौल बनाना होगा ताकि महिला अग्निवीरों को दिक्कत न हो। वायु सेना के अनुसार अगले वर्ष जब अग्निवीरों की भर्ती की जायेगी, उनमें से 3 प्रतिशत अग्निवीर महिलाएं होंगी। इसके बाद हर वर्ष महिला अग्निवीरों की संख्या बढ़ाई जायेगी।

● विश्व बैंक के अध्यक्ष डेविड मालपास ने कोरोना महामारी के दौरान भारत में गरीबों और जरूरतमंदों की सहायता के लिये किए गए कार्यों को बेमिसाल बताया है। विश्व बैंक की ओर से मालपास ने एक शोध 'पावर्टी एंड शेयर्ड प्रोस्पेरिटी' रिपोर्ट जारी करते हुए कहा वैश्विक कोरोना महामारी के दौरान भारत का गरीबों और जरूरतमंदों की सहायता करना बेहद अनूठा है। अन्य देशों को भी भारत की तरह व्यापक सख्ती देने की बजाए लक्षित डायरेक्ट केश ट्रांसफर करना चाहिए।

07 अक्टूबर

आरबीआई ने नई निगरानी प्रणाली 'दक्ष' की लॉन्च

● भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने उन्नत पर्यवेक्षण योगी निगरानी प्रणाली 'दक्ष' की शुरुआत की है। दक्ष एक वेब आधारित एंड टू एंड कार्य प्रवाह एप्लिकेशन है, जिसके जरिए आरबीआई बैंक एवं नॉन बैंकिंग

फाइनेंस कंपनियों (एनबीएफसी) जैसी इकाइयों पर अधिक केंद्रित ढंग से निगरानी रख पाएगा। आरबीआई के गवर्नर श्री शक्तिदास दास ने निगरानी प्रणाली दक्ष का लोकार्पण किया। आरबीआई ने कहा कि यह निगरानी प्रणाली ज्यादा सक्षमता और प्रभावी ढंग से कार्य करेगी। यह एप्लिकेशन बैंक और एनबीएफसी के कामकाज पर सुचारु ढंग से निगरानी रख पाएगा। इसमें दक्षता के साथ उन्नत पर्यवेक्षण सिस्टम होने से आर्थिक गलतियां जल्द पकड़ में आ सकेंगी। आरबीआई ने कहा कि उसका फोकस दक्ष के जरिए निगरानी प्रणाली को सुदृढ़ और गलतियों से मुक्त बनाने हुए वित्तीय संस्थाओं के कामकाज में पारदर्शिता लाना है।

● थाईलैंड में एक डे केयर सेंटर में एक पूर्व पुलिसकर्मी ने अंधाधुन गोलोवारी की। इस गोलोवारी में 22 बच्चों सहित 37 लोगों की हो गई। स्थानीय पुलिस ने बताया कि हमलावर ने गोलोवारी के बाद अपनी पत्नी और बच्चों की हत्या भी की और आत्महत्या कर ली। हमलावर है, उसने नॉंग बुआ लाम्फु शहर में स्थित चाइल्ड केयर सेंटर को निशाना बनाया। हमलावर की पहचान पूर्व पुलिस अधिकारी है उसका नाम पन्या खमरव है।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित फोटो : गूगल से साभार)

लेखापाल/अंकेक्षक/सहायक लेखाअधिकाारी

UPSC, PSC, RAS, UP-PCS, UGC-NET, JAO-BSNL

आदि श्रेष्ठ पुस्तकों के लेखक एवं अनुभवी मार्गदर्शक द्वारा

Batches Starting From 9th Oct. 2022

निश्चित सफलता के लिए शीघ्र संपर्क करें :

SHRI BAGHEL CLASSES OF COMMERCE, BHOPAL

● K.J. Tower, Jawahar Chowk, T.T. Nagar, (Mr. Sandeep Sharma - 9826144127)

● G-97/17, Tulsi Nagar (1250), Bhopal

Mob: 7354000351 9826455857

R-47640/2022

PEOPLE'S UNIVERSITY
(Established by M.P. Act No. 18 of 2011 & approved u/s 2 (f) of UGC act 1956)

PEOPLE'S COLLEGE OF PARAMEDICAL SCIENCES & RC
Recognized by the Paramedical Council of Madhya Pradesh,
Director of Medical Education and Higher Education Department

ADMISSION OPEN 2022-23

MASTER OF PHYSIOTHERAPY (Ortho/ Neuro/ Cardio/ Sports)
2 years PG Degree Program, Eligibility : BPT

BACHELOR OF PHYSIOTHERAPY
4th years UG Degree Program, Eligibility : 10+2 With PCB.

BACHELOR MEDICAL LAB. TECHNICIAN
3 years UG Degree Program, Eligibility : 10+2 With PCB.

BACHELOR OF HUMAN NUTRITION
3 years UG Degree Program, Eligibility : 10+2 With PCB.

DIPLOMA IN MEDICAL LAB. TECHNICIAN
2 years Diploma Course, Eligibility : 10+2 With PCB.

DIPLOMA IN DIALYSIS TECHNICIAN
2 years Diploma Course, Eligibility : 10+2 With PCB.

DIPLOMA IN ANESTHESIA
2 years Diploma Course, Eligibility : 10+2 With PCB.

DIPLOMA IN X-RAY RADIOGRAPHER TECHNICIAN
2 years Diploma Course, Eligibility : 10+2 With PCB.

DIPLOMA IN OPTOMETRIC REFRACTION
2 years Diploma Course, Eligibility : 10+2 With PCB.

DIPLOMA IN CATH. LAB. TECHNICIAN
2 years Diploma Course, Eligibility : 10+2 With PCB.

*Eligibility : 12th with Physics, Chemistry & Biology

Attached with People's Teaching Hospital 1500 bedded (ISO 9001:2015) Training facilities such as dissection/demonstration hall, Anatomy Museum/OPD/IPD postings, community/ field visit etc. 1 Separate hostel facility Scholarship facility available. 1 Medical camps, Health & Nutritional awareness Camp, etc. Institutional NSS & NCC Activities. | Educational Visits and Student's Tour.

Ph. 0755-4005295, M. 98262 44676
People's Campus, Bhanpur, Bhopal (M.P.) 462037
E-mail: pcps.pu2017@gmail.com

R-47639/2022

साप्ताहिक रोजगार और निर्माण

में विज्ञापन के लिए दरें

टैरिफ

क्रमिक	ब्लॉक एंड व्हाइट रेट प्रति वर्ग सेंटीमी (sq Per cm)	रंगीन रेट प्रति वर्ग सेंटीमी (sq Per cm)
1. डीएवीपी (DAVP) रेट	13.36	18.70
2. कॉन्टैक्ट रेट	70.00	98.00
3. कमायल रेट	80.00	112.00

फुल पेज का आकार

चौड़ाई	- 25 सेंटीमीटर
लंबाई	- 37 सेंटीमीटर
कुल वर्ग सेंटीमीटर	- 925 वर्ग सेंटीमीटर



संपर्क करें :

40, प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) 462011

फ़ोन नंबर : 0755-2551330, 0755-2760006

ईमेल : madhyam.rojgar@gmail.com Website : www.mpmadhyam.in

नोट : 1. 5% जीएसटी (GST) शुल्क अलग से देया होगा।

2. 4.5x5 सेंटीमी (cm) से कम का विज्ञापन स्वीकार नहीं किया जाएगा।

वर्ष 39, अंक 41

10.10.2022 से 16.10.2022

रोज़गार और निर्माण



www.rojgaraurnirman.in

- प्रबंध संचालक
- सम्पादक
- कार्यकारी सम्पादक
- प्रबंधक
- प्रबंधक
- आकलन
- वेबसाइट
- राधेन्द्र कुमार सिंह
- पुष्पेन्द्र पाल सिंह
- राजीव तिवारी
- वंदना चववी (विज्ञापन एवं प्रसार)
- सुभाष चन्द्र जोशी (मुद्रण)
- आशा रोडम, अरविन्द टोपा, सुशील लोडम
- आनाराम शर्मा

वार्षिक सदस्य बनने के लिये रुपये 500/- (पांच सौ) का डी.डी., मनोआईई अथवा पोस्टल ऑर्डर रोजगार और निर्माण, भोपाल के नाम बनावकर नीचे लिखे पते पर भेजें :

रोज़गार और निर्माण, मध्यप्रदेश माध्यम, 40 प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) पिन-462011

फोन- 2760006, 2551330, 4281330, फैक्स - 4228409, e-mail : madhyam.rojgar@gmail.com

रोज़गार और निर्माण कार्यालय में नगद राशि जमा कर भी इसकी वार्षिक सदस्यता प्राप्त की जा सकती है। रोजगार और निर्माण में प्रकाशित लेखों में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं। जरूरी नहीं कि सम्पादक उससे सहमत हों। किसी भी प्रकार के विवाद के लिये न्यायालयीन अधिकार क्षेत्र भोपाल रहेगा। रोजगार और निर्माण में निजी संस्थाओं के विज्ञापन भी प्रकाशित किये जाते हैं, इन विज्ञापनों में किए गए दावे और तथ्य निजी संस्थाओं के अपने होते हैं। इसका समाचार पत्र के प्रबंधन से कोई संबंध नहीं है।

सम्पादकीय

प्राकृतिक खेती को मिशन मोड में अपनाएं - मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्राकृतिक खेती और डिजिटल कृषि के अभियान को मिशन मोड में लेने के लिए उनका आभार मानते हुए कहा है कि इस पवित्र लक्ष्य से हम आने वाली पीढ़ियों के लिए धरती को सुरक्षित स्वरूप में छोड़ पाएंगे। इन अभियानों से मानव जीवन के साथ जीव-जंतुओं की सुरक्षा की व्यवस्था भी होगी। मध्यप्रदेश में प्राकृतिक खेती की दिशा में 2021 से काम शुरू हुआ और अब तक 59 हजार से अधिक किसान इस अभियान से जुड़ चुके हैं। डिजिटल कृषि में क्रांप सर्वे, रिफ़्रेस रजिस्ट्री, फार्मा रजिस्ट्री और पीएम किसान डाटाबेस का उपयोग कर प्रदेश के किसानों के हित में काम किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह की अध्यक्षता में नई दिल्ली में प्राकृतिक खेती और डिजिटल कृषि पर हुई बैठक में यह बात कही। मुख्यमंत्री बैठक में अपने भोपाल स्थित निवास कार्यालय से वर्चुअली शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में प्राकृतिक खेती अपनाने वाले किसानों को प्रोत्साहन और मार्ग दर्शन उपलब्ध कराने के लिए कृषि विभाग का अमला किसानों से लगातार संपर्क में है। किसान भाई सरलता से प्राकृतिक खेती कर पाएँ, इस उद्देश्य से किसान भाइयों को देसी गाय पालने के लिए प्रोत्साहन स्वरूप प्रतिमाह 900 रुपये उपलब्ध कराए जा रहे हैं। कृषि पाठ्यक्रमों में स्नातक और स्नातकोत्तर कर रहे विद्यार्थियों को प्राकृतिक खेती से जोड़ा जा रहा है। डिजिटल कृषि के क्षेत्र में ई-उपार्जन और फसल बीमा योजना से कृषकों के लिए प्रक्रियाओं को सरल बनाया गया है। किसान को घर और खेत से ही कृषि उपज विक्रय की सुविधा उपलब्ध करायी जा रही है। केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि प्राकृतिक खेती और डिजिटल कृषि के क्षेत्र में विभिन्न राज्यों द्वारा किए जा रहे नवाचार एक दिशा में हों, इस उद्देश्य से यह बैठक आयोजित की गयी है। प्राकृतिक खेती गाय पर आधारित परंपरागत खेती है, जो धरती के सभी तत्वों के संरक्षण पर आधारित है। एक समय ये कहा जाता था कि भारत भूमि में दूध और घी की नदियां बहती थीं। वर्तमान में प्राकृतिक खेती से ही यह स्थिति पुनः निर्मित होगी। केंद्रीय मंत्री श्री शाह ने कृषि विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रम में प्राकृतिक खेती को सम्मिलित करने, कृषि विभाग के विस्तार कर्मचारियों को प्राकृतिक खेती पर किसान का सकारात्मक मानस निर्मित करने सफल प्राकृतिक खेती वाले गांव में किसानों का भ्रमण कराने जैसी गतिविधियों को मिशन मोड में अपनाने और गो-शालाओं को प्राकृतिक खेती से जोड़ने का सुझाव दिया। केंद्रीय मंत्री श्री शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शिता के परिणाम स्वरूप ही भारत में डिजिटल कृषि से संबंधित गतिविधियों का क्रियान्वयन शुरू हो पाया है। कृषि विविधता से परिपूर्ण हमारे देश में कृषि की विभिन्न उपजों का उत्पादन देश की मांग के अनुसार करने में इस अभियान से मदद मिलेगी और देश विभिन्न उत्पादों में आत्मनिर्भर हो सकेगा। अर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर आधारित तकनीकें किसानों के उत्पाद का सही मूल्य दिलाने में मदद करेंगी। साथ ही किसानों की आय दोगुनी करने के प्रयासों को संस्थागत स्वरूप में आगे बढ़ाया जा सकेगा। केंद्रीय कृषि मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि पात्र व्यक्ति का हक उस तक पारदर्शिता के साथ निर्धारण रूप से पहुंचे, यह सुनिश्चित करने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी प्रतिबद्ध हैं। केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं के क्रियान्वयन में डिजिटल कृषि से क्रांतिकारी परिवर्तन आएगा।

संसार का सबसे बड़ा जीवाणु मिला

जीवाणुओं को देखना माइक्रोस्कोप के जरिये ही संभव है, लेकिन वैज्ञानिकों ने अब एक ऐसे जीवाणु को खोज निकाला है, जिसे आंखों से देखना संभव है, इसे देखने के लिए माइक्रोस्कोप की जरूरत नहीं है वैज्ञानिक इसे दुनिया का सबसे बड़ा जीवाणु बता रहे हैं। वैज्ञानिकों को कैरेबिया के जंगलों में एक जीवाणु मिला है। इसका आकार आंख की पलक के बाल जितना है। इसे नंगी आंखों से भी देखा जा सकता है। इस खोज को लेकर वैज्ञानिक उम्मीद कर रहे हैं कि पृथ्वी की सबसे प्राचीन जीवित चीज के बारे में इंसानी समझ को नई दिशा मिल सकती है, वैज्ञानिकों ने बताया कि “थियोमार्गरीटर मैनीफोसा” की विशेष बात सिर्फ इसका आकार नहीं है, बल्कि इसका अंदरूनी ढांचा भी अन्य जीवाणुओं से अलग है आमतौर पर जीवाणुओं में डीएनए कोशिकाओं के अंदर तैर रहा होता है, लेकिन थियो के डीएनए में छोटी-छोटी झिल्लियां हैं। अमेरिकी ऊर्जा विभाग के जीनोम इंस्टीट्यूट और लोबोरेट्री ऑफ रिसर्च इन कॉम्प्लेक्स सिस्टम ने संयुक्त रूप से यह शोध किया है। समुद्र जीव विज्ञानी ज्युआरी वोलांद बताते हैं कि थियो एक आम जीवाणु से पांच हजार गुना बड़ा है। अध्ययन के मुताबिक, यह जीवाणु कैरेबियन सागर में कई स्थानों पर मिला है। सबसे पहले इसे फ्रांसीसी द्वीप ग्वादेल्पे में एक फ्रांसीसी माइक्रोबायोलॉजिस्ट ओलिवर ओस ने देखा था। इस जीवाणु की लंबाई 10 हजार माइक्रोमीटर है। आम जीवाणु 01 से पांच माइक्रोमीटर लंबा होता है।

- देवेश तिवारी

(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी पर लिखते हैं)

विश्व मानक दिवस

14 अक्टूबर

मानकीकरण का आग्रह उपभोग और व्यापार का मूल है



मानक की व्यापकता और उसके प्रभाव को समझना जरूरी है

मानवीय सभ्यता के विकास के साथ ही मनुष्य मात्र का वस्तु और सेवाओं के मानकीकरण का आग्रह एक अहम जरूरत बन गया। यह उपभोक्ता, व्यापारी और आर्थिक संव्यवहार के लिए एक लाभकारी व्यवस्था साबित हुआ और इसकी अनिवार्यता ने एक ऐसी व्यापारिक सृष्टि की रचना की जहां शुद्धता सबसे अहम जरूरत बन गई। सच तो यह है कि मानकीकरण का आग्रह उपभोग और व्यापार का मूल बन गया है। अंतर्राष्ट्रीय मानकों के रूप में प्रकाशित होने वाले स्वीच्छिक तकनीकी समझौतों को विकसित करने वाले दुनिया भर के हजारों विशेषज्ञों के सहयोगात्मक प्रयासों को मान्यता देने के लिए समूचे विश्व में 'विश्व मानक दिवस' हर साल 14 अक्टूबर को मनाया जाता है। मानकों के कुछ समूच (सेट) हैं जो स्थापित किए गए हैं। जिसे कर्मचारियों, संगठन और उद्योग सभी मानते हैं और सहमत हैं। आपसी समझौतों की मदद से इन संगठनों के बीच आईएसओ (अंतर्राष्ट्रीय मानकीकरण संगठन) में उनकी भागीदारी के हिस्से के रूप में इन मानकों को स्थापित किया गया है जो व्यापारिक संव्यवहार की एक अहम कड़ी बन गये हैं। विश्व मानक दिवस पर पूरे विश्व में विशेषज्ञों और वैज्ञानिकों के योगदान को स्वीकार कर उसके महत्व को रेखांकित किया जाता है। मानकीकरण की मुख्य इकाई मानक विकास संगठन सहित स्वीच्छिक रूप से मानकों को विकसित करने वाले अंतर्राष्ट्रीय मानक संगठन - अंतर्राष्ट्रीय इलेक्ट्रोटेक्निकल कमीशन, अमेरिकन सोसाइटी ऑफ मैकेनिकल इंजीनियर्स, इंटरनेशनल टेलीकम्युनिकेशन यूनियन, इंस्टीट्यूट ऑफ इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियर्स और इंटरनेट इंजीनियरिंग टास्क फोर्स आदि शामिल हैं।

विश्व में मानकीकरण पर विमर्श लंदन में आरम्भ हुआ था

1940 के दशक में पहली बार दुनिया को मानकीकरण को प्रचलन में लाने की आवश्यकता महसूस हुई। लगभग पच्चीस देशों के जाने-माने विशेषज्ञ और प्रतिनिधियों ने इसी साल लंदन में एक सामागम किया ताकि सभी देशों के सहयोग से एक उच्चस्तरीय अंतर्राष्ट्रीय संगठन बनाया जा सके जो विशेष रूप से मानकों को प्रचलन में लाने के लिए स्थापित हो। मानकीकरण की अंतर्राष्ट्रीय इकाई का वर्तमान गठन इस सामागम के लगभग बारह महीने बाद प्रभावी हुआ और मानकीकरण के दिशा में प्रयास शुरू हो गए। इस बैठक में विश्व मानकीकरण को बढ़ावा देने पर केंद्रित एक अंतर्राष्ट्रीय संगठन बनाने पर चर्चा की, जिसके परिणामस्वरूप 1947 में अंतर्राष्ट्रीय मानकीकरण संगठन (आईएसओ) का निर्माण हुआ। वर्ष 1970 में पहली बार विश्व मानक दिवस मनाया गया। वर्ष 1970 में आईएसओ के अध्यक्ष ने औपचारिक रूप से वर्ष 1970 में विश्व मानक दिवस की कार्यवाही का उद्घाटन किया। मानकीकरण और नियामकों के पहले चर्चा को शिक्षित और भविष्य के लिए तैयार किया गया और इस प्रकार मानकीकरण प्रक्रिया में अपेक्षित तेजी आई। तकनीकी दस्तावेजीकरण और अनुबंध नीतियों की एक वैज्ञानिक प्रक्रिया के माध्यम से उन्हें कड़ाई से निर्मित, प्रचलित किया जाता है, जिसके बाद उन्हें मान्यता के लिए दुनिया के लिए जारी किया जाता है। मानकीकरण की प्रक्रिया में पर्याप्त सावधानी रखी जाती है और विषय विशेषज्ञ इस समूची प्रक्रिया में इस बात का ध्यान रखते हैं कि मानक की अंतर्राष्ट्रीय स्वीकार्यता हो।

प्राप्त करने के लिए, विभिन्न सार्वजनिक और निजी भागीदारों के सहयोग, अनुरूपता मूल्यांकन और अंतर्राष्ट्रीय मानकों सहित सभी उपलब्ध उपकरणों के उपयोग की आवश्यकता होगी और इसी सिले पर हमें मानकीकरण की सबसे ज्यादा जरूरत होगी।

मानकीकरण के नवाचार औद्योगिक क्रांति के साथ आये

औद्योगिक क्रांति की शुरुआत ने बेहतर कामकाज के लिए पूरी दुनिया में मानकों की आवश्यकता को कार्यान्वयन को आगे बढ़ाया था। मानकीकरण की आवश्यकता वाले एक प्रारम्भिक नवाचार में स्कू-कटिंग खराद शामिल था। इस आविष्कार ने उस समय उद्योग में क्रांति ला दी और इसने पहले मानकीकरणों में से एक को प्रेरित किया जो कि स्कू ग्रेड आकार था। मानकीकरण के माध्यम से इसने दुनिया भर के उपभोक्ताओं की बहुत मदद की। हालांकि, बिजली के दोहन ने मानकीकरण को काफी जटिल बना दिया। दुनिया भर के देशों ने वोल्टेज, मुद्रा और आवृत्ति के लिए अपने स्वयं के मानक विकसित किए। दक्षता की कमी ने इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के लिए अंतर्राष्ट्रीय मानक को प्रेरित किया। लेकिन यह सिर्फ बिजली नहीं थी जिसने पूरे विश्व के मानकीकरण को प्राप्त करने के लिए चुनौतियां पैदा कीं। क्योंकि विभिन्न देशों ने कई अलग-अलग चीजों के लिए कई अलग-अलग प्रणालियों का इस्तेमाल किया, इसलिए उस मामले को देखने के लिए कुछ निकाय बनाना बहुत आवश्यक था। उत्पादों और प्रौद्योगिकियों के लिए तकनीकी मानकों को विकसित करने के चालीस वर्षों के बाद, आईएसओ 1980 के दशक के दौरान प्रक्रिया मानकों में परिवर्तित हो गया, जिनमें से पहला आईएसओ 9000 गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली मानकों के रूप में जाना गया। विश्व में औद्योगिक उत्पादों के मानकीकरण से कई देशों के निर्यात पर भी गहरा असर हुआ। पहले जहां निर्यात होने वाले उत्पाद की गुणवत्ता पर व्यापक तौर पर ध्यान नहीं दिया जाता था, अब तब मानक से कम का माल तत्काल लौटा दिया जाता है। ऐसे इसका सकारात्मक पहलू यह है कि अब अधिकांश देश गुणवत्तापूर्ण उत्पाद ही निर्यात करते हैं।

सतत विकास लक्ष्यों के लिए मानक की भूमिका अहम होगी

संयुक्त राष्ट्र ने सतत विकास के जो लक्ष्य तय किये हैं उनको हासिल करने में भी मानक की भूमिका अहम होगी। गत वर्ष जब विश्व मानक दिवस की थीम एक बेहतर विश्व के लिए साझा दृष्टिकोण - 'सतत विकास लक्ष्यों के लिए मानक' तय किया गया तब यह स्पष्ट था कि यदि हम इस लक्ष्य को पा लेंगे तो मानकों के कार्यान्वयन से राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों तक पहुंच की महत्वपूर्ण सुविधा मिल जायेगी। इस समय विश्व के अधिकांश देशों में स्मार्ट सिटीज की अवधारणा पर काम चल रहा है। भविष्य के इन्हीं स्मार्ट शहरों को आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक विविध प्रौद्योगिकियों के एकीकरण और नवाचारों की अंतः क्रियाशीलता सुनिश्चित करने में भी मानक महत्वपूर्ण भूमिका निभायेंगे। कोविड-19 महामारी को देखते हुए सतत विकास लक्ष्यों की ओर बढ़ने का मार्ग एक परम आवश्यक बन गया है, जिसके लिए प्रासंगिक, तेज और बेहतर मानक आवश्यक होंगे। सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के बाद भी मानकीकरण में परिमार्जन पर विमर्श की सम्भावनाएं कम नहीं होंगी।

राजा दुवे

(लेखक, जनसम्पर्क विभाग से सेवानिवृत्त संयुक्त संचालक हैं)

मानकीकरण से व्यापार और भी सुविधाजनक होता है

समूचे विश्व में व्यापार की सुविधा में, मानकीकरण एक महत्वपूर्ण उपकरण है। यह उन तकनीकी चुनौतियों पर काबू पाने में मदद करता है जिनका सामना लक्ष्यों को प्राप्त करने में करना पड़ सकता है। दुनिया तेजी से हो रहे शहरीकरण, वैश्वीकरण, बढ़ती वैश्विक आवादी आदि का सामना कर रही है, हम भी विश्व के अन्य देशों के साथ जलवायु परिवर्तन के मुद्दे का सामना कर रहे हैं, जिसके लिए तत्काल नए समाधानों की आवश्यकता है। इसलिए, इन सभी चुनौतियों का सामना करने के लिए, मानकीकरण तकनीकी चुनौतियों को हल करने के लिए और समाधानों को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। मानकीकरण के प्रोटोकॉल और तरीके ऊर्जा बचाने में मदद कर सकते हैं, हवा और पानी की गुणवत्ता में सुधार कर सकते हैं जो पर्यावरण पर प्रभाव डाल सकते हैं। केवल व्यापार ही नहीं मानक, औद्योगिक क्रांति को प्राप्त करने में भी मदद करते हैं और यह मोटर वाहन से दूरसंचार तक सभी प्रौद्योगिकियों की उन्नति को प्रेरित करते हैं। मानकीकरण के लिए अंतर्राष्ट्रीय संगठन के अनुसार संयुक्त राष्ट्र द्वारा निर्धारित सतत विकास लक्ष्य, जो सामाजिक असंतुलन को दूर करने, जलवायु परिवर्तन की दर को धीमा करने और एक स्थायी अर्थव्यवस्था विकसित करने की परियोजना है जो अत्यधिक महत्वाकांक्षी हैं। इन लक्ष्यों को

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग संभाग-मंदसौर

Email - eepwdmandsaur@gmail.com, Phone - 07422-255211

निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 15/2022-23/एमएस/

मंदसौर, दिनांक : 29.09.2022

निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदाओं आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेंडर रिफरेंस क्रमांक	जिला	कार्य का प्रकार	कार्य का नाम	आमंत्रण क्रमांक	टेके की अनु. राशि (रु. लाख में)
1.	2022_ PWDRB_ 223040	Mandsaur	Annual Repair	उपसंभाग मंदसौर अंतर्गत मुख्यालय शाखा के शासकीय आवासीय एवं अन्य भवनों में वार्षिक/विशेष मरम्मत/डिपोजिट कार्य।	First	19.95
2.	2022_ PWDRB_ 223041			उपसंभाग मंदसौर अंतर्गत मल्हारगढ़/नारायणगढ़ शाखा के शासकीय आवासीय एवं अन्य भवनों में वार्षिक/विशेष मरम्मत/डिपोजिट कार्य।	First	19.90
3.	2022_ PWDRB_ 223043			उपसंभाग गरोठ अंतर्गत शासकीय विभिन्न भवनों में मरम्मत का कार्य।	Second	19.90
4.	2022_ PWDRB_ 223044		Vehicle	अनुविभागीय अधिकारी लोक निर्माण विभाग उपसंभाग मंदसौर के शासकीय कार्य के उपयोग हेतु बोलैरो वाहन 12 माह में प्रत्येक माह के 15 दिन के लिये किराये पर लगाने का कार्य।	Second	1.25
5.	2022_ PWDRB_ 224667			Renewal	करुं से शिवना पुल पहुँच मार्ग के कि.मी. 11, 12/2-4-6 लंबाई 1.60 कि.मी. और दालोदा डाक बंगला पहुँच मार्ग लंबाई 0.40 कि.मी. कुल लंबाई 2.00 कि.मी. का डामरीकरण का नवीनीकरण कार्य।	First
6.	2022_ PWDRB_ 224670		अंकली दीवान मार्ग का डामरीकरण का नवीनीकरण कार्य लंबाई 1.00 कि.मी.।		First	8.84
7.	2022_ PWDRB_ 224672		Plan	श्रीनगर से नावली, कवला से लालगंज मार्ग का निर्माण कार्य लम्बाई 4.50 कि.मी. जिसमें विद्युत पोल शिफ्टिंग और विद्युत लाइनों की ऊँचाई बढ़ाने का कार्य शामिल है।	Second	367.75
8.	2022_ PWDRB_ 224674			हनुमंतिया (जावरा) से नगरी आक्या (उमाहड़ा) मार्ग का निर्माण कार्य लंबाई 7.20 कि.मी. जिसमें विद्युत पोल शिफ्टिंग और विद्युत लाइनों की ऊँचाई बढ़ाने का काम शामिल है।	Second	489.64
9.	2022_ PWDRB_ 224675			अकोदड़ा से ताजखेड़ी मार्ग का निर्माण कार्य लंबाई 3.20 कि.मी. जिसमें विद्युत पोल शिफ्टिंग और विद्युत लाइनों की ऊँचाई बढ़ाने का कार्य शामिल है।	Second	316.63
10.	2022_ PWDRB_ 224677		Renewal	गरोठ खड़ावदा मार्ग के कि.मी. 1, 2 से 8 और 13 से 15/8 कुल लंबाई 10.80 कि.मी. एवं और डाकबंगला पहुँच मार्ग उपसंभाग गरोठ अंतर्गत का डामरीकरण नवीनीकरण कार्य।	First	106.98
11.	2022_ PWDRB_ 224678			गरोध रेल्वे स्टेशन से बर्डिया अमरा बालौदा मार्ग के कि.मी. 18 से 20/2 (100 मीटर), 20/6 (150 मीटर) और 28/10 (150 मीटर) से 44/4 (100 मीटर) की कुल लंबाई 19.95 कि.मी. में डामरीकरण का नवीनीकरण कार्य।	First	176.38
12.	2022_ PWDRB_ 224681			गारियाखेड़ी से गुर्जरबर्डिया बाया लोच, रठाना और सुरी (सीसी भाग को छोड़कर) मार्ग के कि.मी. 0 से 12 कुल लंबाई 12.00 कि.मी. में डामरीकरण का नवीनीकरण कार्य।	First	93.81
13.	2022_ PWDRB_ 224683			रतलाम नसीरावाद मार्ग (शहर का हिस्सा) मार्ग के कि.मी. 79/2 से 83/6 (100 मीटर) लंबाई 4.30 कि.मी. में डामरीकरण का नवीनीकरण कार्य।	First	187.95
14.	2022_ PWDRB_ 224684			पशुपतिनाथ मंदिर पहुँच मार्ग के कि.मी. 0 से 2/2 (100 मीटर) कुल लंबाई 1.10 कि.मी. में डामरीकरण का नवीनीकरण कार्य।	First	34.97
Total						1,858.99

उपरोक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (mptenders.gov.in) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगी। निविदा प्रपत्र क्रय करने एवं प्रस्तुत करने की अंतिम दिनांक 12.10.2022 सायं 17.30 बजे निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखी जा सकती है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार-पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा। (EMD only RTGS/NEFT)

कार्यपालन यंत्री

जी-17829/47630/2022

लोक निर्माण विभाग संभाग मंदसौर



Dr. B.R. Ambedkar University of Social Sciences

(State University, Government of M.P.)

Dr. Ambedkar Nagar (Mhow) - 453441, Indore (M.P.), India

Phone : (07324) 274377, Fax : (07324) 272350

क्रमांक : ब्राउस/स्था/न.क्र. 703/2022/1126

दिनांक : 29.09.2022

शुद्धि पत्र

विश्वविद्यालय के विज्ञापन क्रमांक - ब्राउस/स्था/न.क्र. 703/2022/386 दिनांक 30.05.2022 के द्वारा विश्वविद्यालय में स्थापित डॉ. अम्बेडकर पीठ (डॉ. अम्बेडकर फाउंडेशन, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली) के अन्तर्गत 05 वर्ष के लिए प्राध्यापक (पूर्णाकालिक) एक पद हेतु, आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि 30.06.2022 की सायं 5.30 बजे तक, नियत की गई थी। आवेदन पर्याप्त संख्या में प्राप्त ना होने के कारण दिनांक 17.10.2022 की सायं 5.30 बजे तक, पुनः आमंत्रित किये जाते हैं। उक्त विज्ञापन के अन्तर्गत पूर्व में जिन अभ्यर्थियों ने समय-सीमा में आवेदन किया है, उन्हें पुनः आवेदन करने की आवश्यकता नहीं है। कुलसचिव, डॉ. बी.आर. अम्बेडकर सामाजिक विज्ञान विश्वविद्यालय, डॉ. अम्बेडकर नगर (महू), जिला-इन्दौर (म.प्र.) 453441 पर रजिस्टर्ड डाक/स्पीड पोस्ट द्वारा आवेदन आमंत्रित किये जाते हैं। विज्ञापित पद से संबंधित विस्तृत जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट <http://www.brauss.mp.gov.in> से प्राप्त की जा सकती है।

आर-47629/2022

कुलसचिव



कार्यालय अध्यक्ष काउंसिलिंग समिति

संचालनालय तकनीकी शिक्षा

सतपुड़ा भवन, चौथी मंजिल, भोपाल-462004 (म.प्र.)

हिन्दी भाषा में इंजीनियरिंग डिग्री एवं डिप्लोमा के अध्ययन की सुविधा

शैक्षणिक सत्र 2022-23 से मध्यप्रदेश राज्य के निम्नलिखित इंजीनियरिंग एवं पॉलीटेक्निक महाविद्यालयों में हिन्दी भाषा में छात्र-छात्राएं इंजीनियरिंग डिग्री एवं डिप्लोमा का अध्ययन कर सकेंगे।

सं. क्र.	महाविद्यालय का नाम	पाठ्यक्रम	ब्रांच जिसे हिन्दी भाषा में पढ़ाया जाना है
1.	इंजीनियरिंग महाविद्यालय जबलपुर	बी.टेक.	सिविल इंजीनियरिंग, मैकेनिकल इंजीनियरिंग
2.	इंजीनियरिंग महाविद्यालय उज्जैन	बी.टेक.	सिविल इंजीनियरिंग, मैकेनिकल इंजीनियरिंग
3.	एसजीएसआईटीएस इन्दौर	बी.टेक.	बायोमेडिकल इंजीनियरिंग
4.	यूआईटी-आरजीपीव्ही भोपाल, एसआईटी शिवपुरी	बी.टेक.	सिविल, मैकेनिकल, इलेक्ट्रीकल, इलेक्ट्रानिक्स एण्ड टेलीकम्यूनिकेशन, कम्प्यूटर साइंस इंजीनियरिंग
5.	इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड साइंस (आईपीएस एकेडमी) इन्दौर	बी.टेक.	कम्प्यूटर साइंस इंजीनियरिंग
6.	स.व. पॉलीटेक्निक महाविद्यालय भोपाल	डिप्लोमा	मैकेनिकल इंजीनियरिंग
7.	शासकीय महिला पॉलीटेक्निक महाविद्यालय भोपाल	डिप्लोमा	आर्किटेक्चर एवं इंटीरियर डिजाइन
8.	शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय बैदण	डिप्लोमा	इलेक्ट्रानिक्स एण्ड टेलीकम्यूनिकेशन
9.	एस.आर. पॉलीटेक्निक महाविद्यालय सागर	डिप्लोमा	इलेक्ट्रानिक्स एण्ड टेलीकम्यूनिकेशन
10.	शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय बैतूल	डिप्लोमा	मैकेनिकल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रीकल इंजीनियरिंग
11.	शासकीय महिला पॉलीटेक्निक महाविद्यालय जबलपुर	डिप्लोमा	कम्प्यूटर साइंस इंजीनियरिंग

- उपरोक्त संस्थाओं में सम्पूर्ण कोर्स अवधि के लिए हिन्दी भाषा में इंजीनियरिंग डिग्री एवं डिप्लोमा पाठ्यक्रम के अध्यापन की व्यवस्था की गई है।
- इन संस्थाओं में नव प्रवेशित विद्यार्थीगत वर्तमान शैक्षणिक सत्र में नियमित अध्यापन प्रारंभ होने के पूर्व तक तालिका में उल्लेखित पाठ्यक्रम को हिन्दी भाषा में पढ़ने का विकल्प संस्था प्राचार्य को दे सकेंगे।

// संचालनालय तकनीकी शिक्षा द्वारा जनहित में जारी //

म.प्र. माध्यम/106679/47634/2022

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(AN AGENCY OF PANCHAYAT & RURAL DEVELOPMENT DEPARTMENT, GOVT. OF M.P.)

5th Floor, Block-II, Paryavas Bhawan, Bhopal (M.P.) 462011

(GST No. 23AAATM9054A32X)

No./14266/22/D-12/MPRRDA/2022

Bhopal, Dated : 07.10.2022

NOTICE INVITING TENDER No. 1019 (PMGSY-III, Batch-III, Year 2021-22)

Online Tenders for Construction of Rural Roads/CDs with 5 years maintenance are invited on the E-Procurement System portal <https://www.pmgstenders.gov.in> as detailed below :-

- **Name of Work** – Construction/Up-gradation of Rural Roads under PMGSY including maintenance for Five year after construction.
- **SSR Applicable** – SSR issued by M.P. Rural Road Development Authority, effective from 05.11.2019 and amended upto issue date of NIT.

S. No.	Name of District	No. of Packages	No. of Road	Total Length (in kms)	Total PAC (In Rs.)
1.	Narsinghpur	1	1	20.20	106563000.00

1. **Availability of Bid Documents and mode of Submission** : The bid document is available online and should be submitted online in www.pmgstenders.gov.in. The bidder would be required to register in the web-site which is free of cost. For submission of the bids, the bidder is required to have a valid Digital Signature Certificate (DSC) from one of the authorized Certifying Authorities.

2. Bid document may be purchase online from **11.10.2022 (17:30 hrs.)** and last date for online bid submission is **27.10.2022 (17:00 hrs.)**.

3. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and SBD for PMGSY Works (June-2020) on the above-mentioned portal and concerned PIU.

M.P. Madhyam/106741/47643/2022

CHIEF GENERAL MANAGER (TENDER)

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(AN AGENCY OF PANCHAYAT & RURAL DEVELOPMENT DEPARTMENT, GOVT. OF M.P.)

5th Floor, Block-II, Paryavas Bhawan, Bhopal M.P.-462011

(GST No. 23AAATM9054A32X)

No./14096/22/D-12/MPRRDA/2022 Bhopal, Dated : 06.10.2022

NOTICE INVITING TENDER No. 1018 UPG & DMF

Online Tenders for Construction of Rural Roads/CDs with 5 years maintenance are invited on the E-Procurement System portal <https://www.mptenders.gov.in> as detailed below :

- **Table-1: Name of work : Up-gradation (UPG)**

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (In Rs.)
1.	Balaghat	1	36922000.00

- **Table-2: Name of work : District Mining Funds (DMF)**

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (In Rs.)
1.	Waidhan	1	38090000.00

1. Tender document can be purchased and submitted only online from the above website from **10.10.2022 from 17:30 hrs.**

2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and tender document for construction & maintenance of rural roads/Bridges Sept. 2017 on the above-mentioned portal and concerned PIU.

M.P. Madhyam/106705/47635/2022

CHIEF GENERAL MANAGER (TENDER)

कार्यालय आयुक्त जनजातीय कार्य, मध्यप्रदेश

(द्वितीय मंजिल, सतपुड़ा भवन, भोपाल)

विदेश अध्ययन छात्रवृत्ति हेतु अनुसूचित जनजाति वर्ग के इच्छुक अभ्यर्थियों से आवेदन आमंत्रण की सूचना

मध्यप्रदेश शासन, जनजातीय कार्य विभाग, मंत्रालय, भोपाल के पत्र क्रमांक एफ-12-12/2013/25-2/1669, दिनांक 12.07.2013 के क्रम में संशोधित स्कीम के फलस्वरूप मध्यप्रदेश के अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थियों को विदेश में उच्च शिक्षा ग्रहण करने हेतु छात्रवृत्ति योजनांतर्गत वर्ष 2022-23 हेतु अनुसूचित जनजाति के 50 अभ्यर्थियों के लिये सम्पूर्ण वर्ष के 'प्रथम आओ प्रथम पाओ' के आधार पर निम्न उपाधि हेतु छात्रवृत्तियाँ देने के लिये आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं :-

1) उपाधि एवं पात्रता की शर्तें :-

क्र.	उपाधि	पात्रता हेतु अर्हता
अ.	शोध उपाधि उपरान्त अध्ययन हेतु	आवेदक 50 प्रतिशत अंकों के साथ द्वितीय श्रेणी एवं संबंधित क्षेत्र में अनुभव के साथ शोध उपाधि (पीएच.डी.)।
ब.	पीएच.डी. हेतु	आवेदक संबंधित स्नातकोत्तर परीक्षा में 50 प्रतिशत अंकों सहित द्वितीय श्रेणी उत्तीर्ण तथा संबंधित क्षेत्र में दो वर्ष का अध्यापन/शोध/व्यावसायिक अनुभव/एम.फिल उपाधि प्राप्त हो।
स.	स्नातकोत्तर	आवेदक स्नातक उपाधि 55 प्रतिशत अंकों सहित द्वितीय श्रेणी में उत्तीर्ण हो या उसके समतुल्य ग्रेड में उत्तीर्ण हो।

विदेश अध्ययन हेतु छात्रवृत्ति निम्न विषयों - पाठ्यक्रमों के लिये प्रदान की जावेगी -

- Bio-technology/Genetic Engineering (बायो-टेक्नोलॉजी/जेनेटिक इंजीनियरिंग)
 - Industrial Environmental Engineering (इंडस्ट्रियल एनवायरमेंटल इंजीनियरिंग)
 - Nano-technology (नैनो-टेक्नोलॉजी)
 - Marine Engineering (मरीन इंजीनियरिंग)
 - Petro-Chemical Engineering (पेट्रो-केमिकल इंजीनियरिंग)
 - Plastic Technology (प्लास्टिक टेक्नोलॉजी)
 - Cryogenic Engineering (क्राइोजेनिक इंजीनियरिंग)
 - Mechatronics (मेकाट्रॉनिक्स)
 - Automation Robotics including, Artificial Intelligence (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सहित आटोमेशन रोबोटिक्स)
 - Laser Technology (नैनो-टेक्नोलॉजी)
 - Low Temperature Thermal Dynamics (लो-टेम्परेचर थर्मल डायनामिक्स)
 - Optometry (ऑप्टोमेट्री)
 - Art Restoration Technology (आर्ट रेस्टोरेशन टेक्नोलॉजी)
 - Dock and Harbour Engineering (डॉक और हार्बर इंजीनियरिंग)
 - Imaging System technology (इमेजिंग सिस्टम टेक्नोलॉजी)
 - Composite Materials Engineering including Decentralised Power Distribution (for solar heat) System Energy Storage Engineering, Energy conservation, Energy Efficient Habitat Engineering (डिसेंट्रलाइज्ड पावर डिस्ट्रीब्यूशन (सोलरहीट के लिये) सिस्टम एनर्जी एफिशियेंट हेबिटेट इंजीनियरिंग सहित कम्पोजिट मटेरियल इंजीनियरिंग)
 - Packaging Engg./Technology (पैकेजिंग इंजीनियरिंग/टेक्नोलॉजी)
 - Nuclear Engineering (न्यूक्लीयर इंजीनियरिंग)
 - Information technology including Computer Engineering, Software, Software Quality Assurance, Networking/Connectivity Engineering Communication System under Hazardous or Post - disaster conditions, Multi-media communication (हजारों पोस्ट डिजास्टर कंडीशन के अधीन कम्प्यूटर इंजीनियरिंग सॉफ्टवेयर, सॉफ्टवेयर क्वालिटी एशोरेंस, नेटवर्किंग/कनेक्टिविटी इंजीनियरिंग, कम्प्यूटेशन सिस्टम, मल्टी मीडिया कम्प्यूटेशन)
 - Industrial Safety Engineering (इंडस्ट्रियल सेफ्टी इंजीनियरिंग)
 - Agriculture and Agro Technology (कृषि एवं कृषि टेक्नोलॉजी)
 - Agronomy (एग्रोनोमी)
 - Forestry (वानिकी)
 - Floriculture & Landscaping (पुष्प कृषि एवं लैंडस्केपिंग)
 - Food Sciences & Technology (खाद्य विज्ञान एवं तकनीकी)
 - Forestry & Natural Resources (वानिकी एवं प्राकृतिक संसाधन)
 - Horticulture (बागवानी)
 - Plant Pathology (वाद्य रोग विज्ञान)
 - Energy Studies (ऊर्जा अध्ययन)
 - Farm Power & Machinery (कृषि एवं मशीनरी)
 - Veterinary Sciences (पशु चिकित्सा विज्ञान)
 - Soils & Water management (मुद्रा एवं जल प्रबंधन)
 - Plant Breeding & Genetics (प्लांट ब्रीडिंग जेनेटिक्स)
 - Small - Scale Rural Technology (लघुग्रामीय प्रामाण तकनीकी)
 - Ocean and Atmospheric (महासागर एवं वातावरण विज्ञान)
 - Humanities (मानविकी)
 - Libral Arts
- उपरोक्त निर्धारित पाठ्यक्रमों के अलावा स्नातक पाठ्यक्रम छोड़कर, चिकित्सा विज्ञान के सभी पाठ्यक्रम, विधि (लॉ), कॉमर्स, वित्तीय प्रबंधन के सभी पाठ्यक्रम, एम.बी.ए. में अध्ययन हेतु भी आवेदन कर सकते हैं।
- आयु :- आवेदक की आयु आवेदन दिये जाने वाले वर्ष की 01 जनवरी को 35 वर्ष से कम हो। विशेष प्रकरणों में समिति द्वारा आयु 10 वर्ष तक शिथिल की जा सकेगी।
 - आय सीमा :- आवेदक की समस्त स्रोतों से कुल वार्षिक आय (माता-पिता तथा अभ्यर्थी स्वयं की पत्नी/पति सहित) राशि रुपये 10.00 लाख रुपये प्रतिवर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिये। अभ्यर्थियों के चयन में न्यूनतम आय वाले अभ्यर्थियों को प्राथमिकता दी जावेगी। मध्यप्रदेश शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के आदेश क्रमांक सी-3-7-2013-3-एक दिनांक 25.09.2014 अनुरूप आय बाबत स्व-प्रमाणित घोषणा पत्र सारे कागज पर प्रस्तुत करना होगा।
 - उन्हीं माता-पिता अथवा अभिभावक के एक से अधिक बच्चों को छात्रवृत्ति की पात्रता नहीं होगी। एक अभ्यर्थी को छात्रवृत्ति की पात्रता एक ही बार होगी।
 - आवेदन के साथ संलग्न जाति प्रमाण पत्र मध्यप्रदेश शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र क्रमांक एफ-7/2/98/आ.प्र./एक दिनांक 01.08.1996 के अनुसार जारी स्थायी जाति प्रमाण पत्र अनुविभागीय अधिकारी से कम स्तर का नहीं होना चाहिये।
 - मूल निवासी का प्रमाण पत्र सक्षम प्राधिकारी द्वारा बनाया गया हो, मान्य होगा।
 - छात्रवृत्ति अर्जनत आर्थिक सहायता :-
 - वायुयान से की गई वास्तविक यात्रा :- शैक्षणिक संस्थान के निकटतम स्थान तक वायुमार्ग से जाने एवं वापसी का लघुतम वायुमार्ग से, इकांनोंमी दर्जे का किराया उपलब्ध कराया जायेगा।
 - स्थानीय यात्रा :- उत्तरने के पत्तन (पोर्ट) से अध्ययन के स्थान तक जाने एवं वापसी यात्रा हेतु द्वितीय श्रेणी का रेल, किराया/दूरस्थ स्थानों के प्रकरण में जो कि रेल से न जुड़े हों, रहने का स्थान तक आने-जाने का बस किराया, फेरी द्वारा उतराई का वास्तविक मूल्य निकटतम रेल सह वायु स्टेशन तक का वायुमार्ग से किराया/अथवा लघुतम मार्ग से उत्तरने के पत्तन (पोर्ट) तक आने-जाने का द्वितीय श्रेणी रेल किराया देने की अनुमति होगी।
 - म.प्र. शासन द्वारा निर्दिष्ट स्थान पर आयोजित चयन साक्षात्कार देने के लिए प्रत्याशी को निवास स्थान से संबंधित शहर तक आने-जाने के लिये द्वितीय श्रेणी रेल किराया/साधारण श्रेणी का बस किराया दिया जायेगा।

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(AN AGENCY OF PANCHAYAT & RURAL DEVELOPMENT DEPARTMENT, GOVT. OF M.P.)

5th Floor, Block-II, Paryawas Bhawan, Bhopal M.P.-462011 (GST No. 23AAATM9054A3ZX)

No./14141/22/D-12/NIT-Maint./2022 Bhopal, Dated : 06.10.2022

NOTICE INVITING TENDER No. 190/MTN/2022 (Flood Damage)

Online Tenders for the following works are invited on the E-Procurement System portal <https://mptenders.gov.in> as detailed below :

- **Table-1 : Name of Work** - Special Repair of Roads/ Culverts (Flood Damage)
- **SSR Applicable** : SSR issued by M.P. Rural Road Development Authority effective from 01.09.2017 and amendments upto issue date of NIT.

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1.	Jabalpur	1	1328000.00
2.	Dhar	1	445000.00

- **Table-2 : Name of Work** - Special Repair of Bridges (Flood Damage)
- **SOR** issued by Engineer-in-Chief MPPWD Bhopal for Road and Bridge work effective from 29.08.2017 and amended upto issue date of NIT.

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1.	Gwalior	1	23694000.00

1. Tender document can be purchased only online from the above website from **10.10.2022 from 17:30 hrs.**
2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and tender document on the above-mentioned portal and concerned PIU.

CHIEF GENERAL MANAGER

M.P. Madhyam/106722/47638/2022

(TENDER)

MADHYA PRADESH INDUSTRIAL DEVELOPMENT CORPORATION LIMITED

(Government of Madhya Pradesh Undertaking)

REGIONAL OFFICE : 101, First Floor, ATULYA IT Park, Near Crystal IT Park, Khandwa Road, INDORE : 452007 (M.P.)

Ph. : (0) 2970611, 2971311, 2974363, Fax No. : 0731-2972629

E-mail : ed.roind@mpidc.co.in, Website : www.invest.mpgov.in

GSTN : 23AACCM6080D2ZT, CIN : U45203MP1981SGC001850

क्र. एमपीआयडीसी/क्षे.का.इ./लेखा/2022/6832 दिनांक : 06.10.2022

निविदा आमंत्रण सूचना

एमपीआयडीसी, क्षेत्रीय कार्यालय, इंदौर द्वारा विकसित औद्योगिक क्षेत्र एपरेल-फार्मा क्लस्टर ग्राम बिनेपुर (बेटमा) जिला इंदौर में फूडकोर्ट (कैंटीन) परिसर एवं निर्मित कॉमर्शियल कॉम्प्लेक्स में स्थित बिल्डअप स्पेस व्यवसायिक एवं औद्योगिक प्रयोजन के लिये किराये पर देने हेतु ऑनलाइन निविदा दिनांक 01.11.2022 तक आमंत्रित की जाती हैं। उक्त निविदा का निर्धारित प्रपत्र का मूल्य जीएसटी सहित रु. 2360/- (वापसी योग्य नहीं) एवं धरोहर राशि (EMD) रु. 25000/- जिसका डी.डी./एफ.डी.आर., कार्यकारी संचालक, एमपीआयडीसी, क्षेत्रीय कार्यालय, इंदौर के नाम से देय होगा। निविदा से संबंधित अन्य जानकारी ऑनलाइन वेबसाइट www.mpeproc.gov.in पर देखी जा सकती है।

म.प्र. माध्यम/106708/47636/2022

कार्यपालन यंत्री

- 7.4 निवाह भत्ता :- प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिये निवहन भत्ता अधिकतम 9000 अमरीकन डॉलर प्रतिवर्ष या उसके समतुल्य अन्य देश की करेंसी में भुगतान होगा।
- 7.5 आकस्मिकता भत्ता :- 1000 अमरीकन डॉलर, प्रतिवर्ष या उसके समतुल्य अन्य देश की करेंसी में भुगतान होगा। जो किताबें, आवश्यक उपकरण, अध्ययन यात्रा, टंकण तथा थ्रीसि जिल्दबंदी के लिये व्यय होगा।
- 7.6 बीजा शुल्क :- वास्तविक व्यय।
- 7.7 शुल्क एवं बीमा प्रीमियम :- वास्तविक व्यय।
- 7.8 शैक्षणिक शुल्क :- वास्तविक व्यय या 40000 अमरीकन डॉलर वार्षिक अधिकतम या उसके समतुल्य अन्य देश की करेंसी में भुगतान सीधे विश्वविद्यालय को देय होगा।

8) छात्रवृत्ति की अवधि

1.	पीएच.डी. उपरान्त शोध	1.5 वर्ष (डेढ़ वर्ष)
2.	पीएच.डी. हेतु	04 वर्ष
3.	स्नातकोत्तर उपाधि	02 वर्ष

संबंधित विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम पूर्ण होने की समयावधि अथवा भारत सरकार, मानव संसाधन विकास द्वारा निर्धारित समयावधि अथवा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा निर्धारित समयावधि में पाठ्यक्रम पूर्ण करना आवश्यक है। निर्धारित अवधि में पाठ्यक्रम पूर्ण न करने पर अवधि बढ़ने की स्थिति में विभाग द्वारा अतिरिक्त व्यय वहन नहीं किया जायेगा।

- 9) जिन अभ्यर्थी ने विदेश स्थित विश्वविद्यालय से ऑफर लेटर प्राप्त कर लिया है उन्हें चयन में प्राथमिकता दी जाएगी।
- 10) ऐसे अभ्यर्थी जो नियोजन में हैं, उन्हें अपने आवेदन, नियोक्ता के अनापत्ति प्रमाण-पत्र के साथ, नियोक्ता से अग्रपिंत काराकर विज्ञापन में निर्धारित तिथि तक अथवा उससे पूर्व आयुक्त, जनजातीय कार्य विभाग, मध्यप्रदेश भोपाल को प्रेषित करने होंगे।
- 11) विद्यार्थी को विदेश में शिक्षा प्राप्त करने हेतु विधि द्वारा स्थापित एवं मान्यता प्राप्त संस्थाओं का चयन स्वयं करना होगा। आवेदन पत्र में चयनित विदेशी संस्था, पाठ्यक्रम एवं देश के विवरण का स्पष्ट उल्लेख किया जाये।
- 12) अंतिम रूप से चयनित अभ्यर्थी से अपेक्षा है कि चयन आदेश दिनांक से पोस्ट ग्रेजुएट हेतु 03 वर्ष एवं शोध कार्य हेतु 02 वर्ष के भीतर प्रतिष्ठित मान्यता प्राप्त विदेश स्थित संस्थान/विश्वविद्यालय में प्रवेश प्राप्त कर लेवे अन्यथा प्रवेश निरस्त माना जावेगा।
- 13) विद्यार्थी विदेश अध्ययन योजना का आवेदन विभागीय वेबसाइट triba1.mp.gov.in/MPTAAS पर लॉग इन कर प्राप्त किया जा सकता है। किसी भी प्रकार की समस्या आने पर विभागीय हेल्पडेस्क नं. 07555-2572594 एवं ई-मेल : helpdesk.tribal@mp.gov.in पर संपर्क किया जा सकता है।

वास्तुतः आयुक्त

जनजातीय कार्य, मध्यप्रदेश

कार्यालय अतिरिक्त परियोजना संचालक लोक निर्माण विभाग पी.आई.यू. ओल्ड पलासिया इंदौर (म.प्र.)

ई-मेल - apdpiuindore@gmail.com

क्र.एफ-3/2022/सामान्य/ए.पी.डी./एनआईटी-23/5081

इंदौर, दिनांक : 4.10.2022

विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 23/2022

मध्यप्रदेश के राज्यपाल की ओर से लोक निर्माण विभाग, पी.आई.यू., परिक्षेत्र इंदौर के अंतर्गत निम्नांकित निर्माण कार्यों हेतु केन्द्रीयकृत ई-पंजीयन व्यवस्था अंतर्गत सिविल श्रेणी में पंजीयन ठेकेदार से लोक निर्माण विभाग, पी.आई.यू. म.प्र. द्वारा दिनांक 15.09.2022 से प्रभावशील एसओआर एवं निविदा सूचना प्रकाशन तिथि संशोधित, निर्धारित तिथि (key-Date) अनुसार के आधार पर ऑनलाइन निविदा आमंत्रित की जाती है। आमंत्रित निविदा शासन के पोर्टल <http://mptenders.gov.in> पर देखी जा सकती है जिसका विवरण निम्नानुसार है -

क्र.	पोर्टल टेंडर क्र.	कार्य का नाम	जिला	ठेके की अनु. राशि (पीएसी) (रु. लाख में)	अमानत राशि प्रपत्र का समय (रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	कार्य पूर्ण करने में वर्षाकाल सहित)
1.	2022_PWPIU_223534_1	लोक निर्माण विभाग पीआईयू अलीराजपुर जिले के अंतर्गत निर्माण कार्यों पर सुपरविजन क्वालिटी कंट्रोल सर्विसेस का कार्य।	अलीराजपुर	96.62	96,700	10,000	24
2.	2022_PWPIU_223999_1	खरनार जिला बुरहानपुर में सी.एम. राईज योजनान्तर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भवन का निर्माण कार्य।	बुरहानपुर	2207.74	11,03,870	50,000	18
3.	2022_PWPIU_223723_1	लोक निर्माण विभाग पीआईयू इंदौर जिले के अंतर्गत निर्माण कार्यों पर सुपरविजन क्वालिटी कंट्रोल सर्विसेस का कार्य। (द्वितीय आमंत्रण)	इंदौर	199.50	1,99,510	12,500	24
4.	2022_PWPIU_223862_1	मेघनगर, झाबुआ, जिला झाबुआ में सी.एम. राईज योजनान्तर्गत शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भवन का निर्माण कार्य।	झाबुआ	4821.35	24,10,675	50,000	18
5.	2022_PWPIU_223867_1	खवास जिला झाबुआ में सी.एम. राईज योजनान्तर्गत शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भवन का निर्माण कार्य एवं पेटलावद जिला झाबुआ में सी.एम. राईज योजनान्तर्गत शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भवन का निर्माण कार्य।	झाबुआ	4645.07	23,22,535	50,000	18
6.	2022_PWPIU_223969_1	ओमकारेश्वर जिला खण्डवा में भक्ति निवास का शेष कार्य।	खण्डवा	67.94	67,940	10,000	4
7.	2022_PWPIU_223958_1	किलौद जिला खण्डवा में 100 सीटर कन्या छात्रावास भवन का उन्नयन एवं निर्माण कार्य।	खण्डवा	72.23	72,230	10,000	8
8.	2022_PWPIU_223935_1	पटजन जिला खण्डवा में 100 सीटर कन्या छात्रावास उच्चतर माध्यमिक विद्यालय का उन्नयन एवं शेष कार्य।	खण्डवा	106.70	1,06,700	12,500	8
9.	2022_PWPIU_223948_1	हरसूद जिला खण्डवा में 100 सीटर कन्या छात्रावास उच्चतर माध्यमिक विद्यालय का उन्नयन एवं शेष कार्य।	खण्डवा	92.91	92,910	10,000	6
10.	2022_PWPIU_223917_1	पंधाना जिला खण्डवा में शासकीय नवीन 06 ट्रेड आईटीआई में मुख्य भवन, 60 सीटर बालक, 60 सीटर बालिका छात्रावास एवं 07 नग आवासगृह का निर्माण कार्य।	खण्डवा	1266.00	10,00,000	30,000	18
11.	2022_PWPIU_223619_1	खरकला जिला खण्डवा में सी.एम. राईज योजनान्तर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भवन का निर्माण कार्य।	खण्डवा	2438.00	12,19,000	50,000	18
12.	2022_PWPIU_223988_1	टेमला जिला खरगोन में सी.एम. राईज योजनान्तर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भवन का निर्माण कार्य।	खरगोन	1901.94	9,50,917	30,000	18
13.	2022_PWPIU_223957_1	बौडी जिला खरगोन में सी.एम. राईज योजनान्तर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भवन का निर्माण कार्य।	खरगोन	1855.01	9,27,505	30,000	18
14.	2022_PWPIU_223607_1	जावरा, आलोट जिला रतलाम में सी.एम. राईज योजनान्तर्गत शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भवन का निर्माण कार्य।	रतलाम	5104.89	25,52,449	50,000	18

MADHYA PRADESH JAL NIGAM MARYADIT

(A Govt. of Madhya Pradesh Undertaking)

"D" Wing, 2nd Floor, Vindhyaachal Bhawan, Bhopal-462004

Web : www.mpjalnigam.mp.gov.inE-Mail : mpjalnigam@mp.gov.in, Phone No. 0755-2579034, 0755-2579874, Fax: 0755-2579873, CIN. No. -U41000MP2012SGC028798

No. 10542/MPJNM/ESTT/2022 Bhopal, Date : 06.10.2022

Madhya Pradesh Jal Nigam Maryadit invites applications for following indicative posts from eligible candidates :-

S. No.	Name of Post & Salary	No. of Post	Remarks/Qualification/ Experience
1.	Manager (Technical) Level-12, GP-5400 (56100-177500)	Total-48 UR-13 ST-8 SC-8 OBC-12 EWS-4 PH(UR)-1 PH(ST)-1 PH(OBC)-1	Civil Engineer-48 posts 1. B.E./B. Tech. in Civil/ Electrical Engineering from AICTE Approved Institute. 2. Candidate must have qualified in any one year of GATE-2020/2021/2022 in Civil/Electrical Engineering. (60% min. for UR and 50% for SC/ST/OBC)

General Terms and Conditions :- 2. The selection will be made on the basis of any one year of GATE-2020/2021/2022 Score. 3. MD, MPJNM reserves the right to increase or decrease the positions (No. of post, based on actual position of required) advertised and to fill/not fill them from the merit/waiting list. MPJNM reserves the right not to declare any waiting list. 5. MD, MPJNM will have full right to accept or reject any or all applications without assigning any reason thereof. 6. The last date for submission of application and all details are mentioned on the Rule Books, which are also showing on www.mpjnm.gov.in 7. Candidates belongs from EWS category, should submitted self-attested Income and Property certificate issued by competent authority in a prescribed format. M.P. Madhyam/106730/2022 **MANAGING DIRECTOR**

R-47641/2022

कार्यालय मुख्य अभियंता, लो.नि.वि. सागर परिक्षेत्र सागर

फोन नं. : 07582-220840, ईमेल : cepwsagar@mp.nic.in

एनआईटी नं.-16/2022-23/केन्द्रीयकृत निविदा आमंत्रण

सागर, दिनांक : 03.10.2022

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा नवीन एकीकृत पंजीयन प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से आमंत्रण की जाती है :-

क्र.	पोर्टल टेंडर क्र.	कार्य का नाम	जिला	ठेके की अनु. राशि (पीएसी) (लाख में)	अमानत राशि (ईएमडी) (रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	कार्य पूर्ण करने का समय (माह वर्षाकाल सहित)
1.	2022_ PWDRB_ 225292	लो.नि.वि. सागर परिक्षेत्र एवं अधीक्षण यंत्रों का कम्पोजिट कार्यालय भवन का निर्माण कार्य, विद्युतीकरण कार्य एवं ऑफिस फर्नीचर सहित।	सागर	651.47	651470	20000/-	12 माह
योग			651.47				
1. निविदा से संबंधित विड डॉक्यूमेंट वेबसाइट http://mptenders.gov.in पर बिना भुगतान के देखे एवं डाउनलोड किये जा सकेंगे।							
2. निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑनलाइन पोर्टल पर क्रेडिट/डेबिट/कैशकार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकेगा।							
3. निविदा प्रपत्र केवल ऑनलाइन दिनांक 03.10.2022 समय 10.30 बजे से दिनांक 18.10.2022 समय 05.30 तक खरीदा जा सकेगा। सूचना व अन्य जानकारी वेबसाइट पर देखी जा सकती है।							
4. निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उपरोक्त वेबसाइट पर ही दर्ज किये जायेंगे, पृथक से समाचार-पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।							
जी-17883/47632/2022			मुख्य अभियंता लो.नि.वि. सागर परिक्षेत्र सागर				
15.	2022_ PWPIU_ 223531_1	पिपलौदा जिला रतलाम में सी.एम. राईज योजनान्तर्गत शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भवन का निर्माण कार्य एवं सैलाना जिला रतलाम में सी.एम. राईज योजनान्तर्गत शासकीय मॉडल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भवन का निर्माण कार्य।	रतलाम	4685.33	23,42,666	50,000	18

निविदा संबंधित तिथियां (key-Date) :-

1. प्रपत्र क्रय करने की प्रारंभिक तिथि - 22.09.2022
2. विड प्रस्तुत करने की प्रारंभिक तिथि - 23.09.2022
3. विड प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि - 14.10.2022
4. विड खोलने की तिथि - 17.10.2022

जी-17892/47633/2022

अतिरिक्त परियोजना संचालक
लोक निर्माण विभाग पी.आई.यू., इंदौर

समाज के वंचित और पिछड़े वर्ग की सेवा ही ईश्वर की आराधना

भोपाल, समाज के वंचित और पिछड़े वर्ग की सेवा में ही ईश्वर की आराधना है। सृष्टि में मानव की रचना दूसरों की मदद और सहयोग के लिए ही की गई है। यही कारण है कि मानव ही ऐसा जीव है, जिसे बुद्धि और वाणी जैसी अद्भुत शक्तियाँ मिली हैं। ये बातें राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने भोपाल में नागरिक कल्याण समिति द्वारा आयोजित विजयादशमी समारोह को संबोधित करते हुए कहीं। समारोह में चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री विश्वास सारंग, महापौर श्रीमती मालती राय, विधायक पूर्व मंत्री श्री पी.सी. शर्मा, नगर निगम के अध्यक्ष श्री किशन सूर्यवंशी, पार्षद, जन-प्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में नागरिक मौजूद थे। श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि विजयादशमी का पर्व अनीति पर नीति की विजय का पर्व है। इसीलिए प्रभु श्रीराम ने रावण का उसकी गलत नीतियों के कारण संहार किया। उन्होंने कहा कि नवरात्रों में नौ दिन देवी की आराधना के बाद विजयादशमी का पर्व नकारात्मकता को समाप्त कर, समाज में सकारात्मकता के प्रसार का पर्व है। उन्होंने नागरिकों का

आह्वान किया कि सकारात्मकता का सहयोग करें।

देश और प्रदेश के विकास में अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान दें। राज्यपाल ने भगवान श्रीराम, लक्ष्मण एवं श्री हनुमान जी को तिलक लगा कर आरती की। उन्होंने नागरिक कल्याण समिति की ओर से नगर के कला, साहित्य, संस्कृति और समाज में रचनात्मक योगदान देने वाली प्रतिभाओं श्री कैलाश चन्द्र पन्त, श्री शरद द्विवेदी, श्रीमती कुमकुम गुप्ता, श्रीमती आशा खरे, श्री भगवान सिंह और समिति के सदस्य रव. श्री राजेश वर्मा को मरणोपरान्त नागरिक सम्मान उनकी पत्नी को प्रदान किया।

प्रारंभ में समिति की ओर से अतिथियों का स्वागत किया गया। समिति के सचिव श्री मनीष व्योहार ने समिति की गतिविधियों की जानकारी देते हुए बताया कि संस्था की स्थापना वर्ष 1960 में की गई थी। वर्तमान आयोजन 63वाँ समारोह है। स्वागत उद्बोधन श्री सोनू भाभा ने दिया। अतिथियों द्वारा समिति की स्मारिका का विमोचन किया गया।

माटी कला

क्रिस्प ने दिया शिल्पकार और कारीगरों को कौशल विकास प्रशिक्षण

भोपाल, क्रिस्प द्वारा माटी कला से जुड़े शिल्पकार और कारीगरों को कौशल विकास प्रशिक्षण दिया गया। इस 15 दिवसीय रहवासी प्रशिक्षण में 30 प्रशिक्षणार्थियों को माटी कला के हुनर सिखाये गये। प्रशिक्षण के लिये सीहोर, देवास, भोपाल, राजगढ़ और सतना जिले से शिल्पकार और कारीगरों का चयन किया गया। प्रशिक्षण के दौरान शिल्पकारों को नई तकनीक जैसे स्लिप कास्टिंग, इलेक्ट्रिक चाक कौशल पर कार्य करने के साथ इलाकई मिट्टी पर नए-नए प्रयोग करना सिखाया गया। इसमें हांडी, ग्लास, कटोरी, लैप शेड, कछुआ, टेराकोटा ज्वेलरी आदि निर्माण के गुर बताये गये।

क्रिस्प के मुख्य विपणन अधिकारी श्री राजेश माधेश्वरी ने बताया कि प्रशिक्षण का समापन भोपाल हाट में राष्ट्रीय खादी उत्सव एवं राज्य स्तरीय प्रदर्शनी में हुआ। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कार्यक्रम में पहुँचकर प्रशिक्षणार्थियों को इलेक्ट्रिक चाक व्हील का वितरण किया। उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रिक चाक से आप सभी को वोल्क फॉर लोकल को और आगे बढ़ाते हुए अपने लोकल उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर तक लेकर जाना है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने प्रशिक्षणार्थियों को शुभकामनाएँ दी एवं उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

गांधी दर्शन सम्पूर्ण विश्व में सर्वाधिक प्रासंगिक है - मुख्यमंत्री

शास्त्री जी ने 'जय जवान-जय किसान' का नारा देकर देश में आशा और ऊर्जा का संचार किया



मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान भोपाल में राष्ट्रीय महात्मा गांधी सम्मान अलंकरण समारोह में पुरस्कार वितरित करते हुए।

भोपाल, गांधी दर्शन संपूर्ण विश्व में सर्वाधिक प्रासंगिक है। संपूर्ण विश्व यह कहता भी है और मानता भी है। विश्व में शांति के प्रकाश के दर्शन के लिए गांधी जी प्रकाश स्तंभ का कार्य कर रहे हैं। यह विचारणीय है कि हम गांधी जी को मानते हैं पर गांधी जी की बातों को नहीं मानते। यदि हम उनकी छोटी-छोटी बातों का अनुसरण करें, उन्हें आचरण, विचार और व्यवहार में लाएँ तो चमत्कार हो सकता है। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में आयोजित राष्ट्रीय महात्मा गांधी सम्मान अलंकरण समारोह को संबोधित करते हुए कहीं।

मुख्यमंत्री ने ग्रामीण विकास विज्ञान समिति जोधपुर के श्री रोशन लाल तथा श्री वरुण शर्मा को वर्ष 2021 का राष्ट्रीय महात्मा गांधी सम्मान प्रदान किया। सम्मान में समिति को 10 लाख रुपये की सम्मान निधि, शाल, श्रीफल और प्रशस्ति-पत्र भेंट

किया गया। मुख्यमंत्री ने दीप प्रज्ज्वलित करने के बाद राष्ट्रपिता महात्मा गांधी तथा पूर्व प्रधानमंत्री श्री लालबहादुर शास्त्री के चित्र पर माल्यार्पण किया।

श्री चौहान ने कहा कि महात्मा गांधी की स्वच्छता, नशे से दूरी, मां-बहन-बेटी का सम्मान और प्रतिदिन पेड़ लगाने जैसी बातों का निरंतर अनुसरण कर हम अपने देश, प्रदेश और समाज में बदलाव ला सकते हैं।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में स्वच्छता, जन-आंदोलन बना है। प्रधानमंत्री शांति के लिए भी विश्व स्तर पर प्रयासरत हैं। मध्यप्रदेश को स्वच्छता के क्षेत्र में देश में सर्वाधिक पुरस्कार प्राप्त हुए हैं। यह गांधी जी के दर्शन को व्यवहार में लाने का प्रयास है। हममें से प्रत्येक व्यक्ति गांधी जी के संदेशों में से किसी एक संदेश को मानने के लिए प्रतिबद्ध हो और उसका अपनाने जीवन में निरंतर पालन करें तभी हमारा

गांधी जयंती मनाना सार्थक होगा।

मुख्यमंत्री ने पूर्व प्रधानमंत्री श्री लालबहादुर शास्त्री की जयंती पर उनका स्मरण करते हुए कहा कि शास्त्री जी ने 'जय जवान-जय किसान' का नारा देकर देश में आशा और ऊर्जा का संचार किया। पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी ने 'जय विज्ञान' का नारा दिया और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 'जय अनुसंधान' का नारा देकर देश को प्रगति पथ पर अग्रसर कर रहे हैं।

प्रमुख सचिव संस्कृति श्री शिव शेखर शुक्ला ने जानकारी दी कि राज्य शासन द्वारा गांधी विचार और दर्शन के अनुरूप कार्य करने वाली संस्था को सम्मानित करने के उद्देश्य से सबसे बड़ा राष्ट्रीय महात्मा गांधी सम्मान 1995 में स्थापित किया गया। समारोह में ग्रामीण विकास विज्ञान समिति जोधपुर द्वारा संचालित गतिविधियों की जानकारी दी गई।

वरिष्ठ मतदाता सम्मान समारोह

मध्यप्रदेश का दूसरे प्रदेशों को अनुसरण करना चाहिए

भोपाल, कुछ पल तो बैठो बुजुर्गों के पास हर चीज गूगल पर नहीं मिलती। यह बात वरिष्ठ मतदाता सम्मान समारोह में नई दिल्ली से ऑनलाइन शामिल हुए मुख्य निर्वाचन आयुक्त भारत निर्वाचन आयोग राजीव कुमार ने कही।

अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर निर्वाचन सदन मध्यप्रदेश सहित प्रदेश के सभी जिलों में वरिष्ठ मतदाता सम्मान समारोह कार्यक्रम हुआ। 100 साल या इससे अधिक उम्र के वयोवृद्ध मतदाताओं को मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने शाल, श्रीफल और मुख्य निर्वाचन आयुक्त भारत निर्वाचन आयोग से प्राप्त हस्ताक्षर युक्त प्रशस्ति-पत्र भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में नई दिल्ली से मुख्य निर्वाचन आयुक्त श्री राजीव कुमार और निर्वाचन आयुक्त श्री अनुप चंद्र पांडेय भारत निर्वाचन आयोग ऑनलाइन शामिल हुए।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने शतायु मतदाताओं सहित वीएलओ से संवाद किया। वयोवृद्ध मतदाताओं ने अब तक के अपने अनुभवों को साझा किया। मुख्य निर्वाचन आयुक्त और निर्वाचन आयुक्त, भारत निर्वाचन आयोग ने कार्यक्रम से जुड़े लोगों को संबोधित किया। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने शतायु मतदाताओं को प्रणाम किया। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि किसी के घर बुजुर्ग हंसते मिलें तो समझना बहुत अमीर घर है। समीक्षा सम्मान करना हमारी संस्कृति है।

भारत निर्वाचन आयोग के निर्वाचन आयुक्त श्री पांडेय ने प्रदेश में हुए वरिष्ठ

मतदाता सम्मान कार्यक्रम की सराहना की। सीईओ मध्यप्रदेश श्री राजन एवं अधिकारी कर्मचारियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश की तरह अन्य प्रदेशों में भी वयोवृद्ध मतदाताओं के सम्मान के कार्यक्रम होना चाहिए। निर्वाचन आयुक्त श्री पांडेय ने कहा है कि उन्हें बहुत खुशी है कि शतायु वोटरों ने कहा कि मतदान एक पर्व है। हम वोटिंग घर से नहीं बूथ पर करने जाएंगे। युवा मतदाताओं को इनसे प्रेरणा लेना चाहिए। इस कार्यक्रम का उद्देश्य वरिष्ठ मतदाताओं के सम्मान के साथ युवाओं को मतदान के लिए प्रेरित करना भी है।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, मध्यप्रदेश ने बताया कि वृद्धजनों की पहचान करने 'सम्मान एप' बनाया गया है। वीएलओ से जानकारी जुटाकर 4168 वृद्धजन का सम्मान किया गया। ये वे मतदाता हैं जिन्होंने संभवतः प्रथम आम चुनाव से लेकर अब तक निरंतर मतदान किया है। पर्यवेक्षण के लिए जिला एवं तहसील स्तर पर एक हजार से ज्यादा अधिकारियों को जिम्मेदारी दी गई। साथ ही हर गांव में एक सम्मान समिति बनाई गई। इसके माध्यम से घर जाकर वृद्धजनों का सम्मान किया गया। सोशल मीडिया के माध्यम से कार्यक्रम का लाइव प्रसारण भी किया गया।

शतायु मतदाताओं को सभी 52 जिलों के एनआईसी कक्ष सहित 1911 स्थान पर सम्मानित करने का कार्यक्रम हुआ।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसर्पक विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट के निर्माण की योजना पर अमल शीघ्र - मुख्यमंत्री

जबलपुर-इन्दौर-जबलपुर और इन्दौर-ग्वालियर-इन्दौर उड़ानों का संचालन शुरू



मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान जबलपुर-इंदौर और ग्वालियर-इंदौर उड़ानों के शुभारंभ समारोह में वरुणजी शामिल हुए।

भोपाल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की वरुण उड़ानें उत्थित में केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया द्वारा एलायंस एयर कंपनी की दो उड़ानों जबलपुर-इंदौर-जबलपुर और इंदौर-ग्वालियर-इंदौर का झंडी दिखाकर शुभारंभ किया गया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश, देश के मध्य में होने से किसी भी हिस्से में तेज गति से पहुँचने की स्थिति में है। इस भौगोलिक अनुकूलता से उद्योग और पर्यटन के क्षेत्र की संभावनाओं को साकार करना आसान है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और नागरिक उड्डयन मंत्री श्री सिंधिया एयर कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने के लिए प्रयासरत हैं। प्रधानमंत्री गत 17 सितम्बर को कुनो पालपुर राष्ट्रीय उद्यान में

दूसरे महाद्वीप से लाए गए चीतों के प्रवेश का शुभ कार्य कर चुके हैं। पर्यटन विकास में इसका विशेष महत्व है। मध्यप्रदेश टाइगर और लेपर्ड स्टेट बनने के बाद चीता स्टेट भी बन गया है। मध्यप्रदेश में हवाई सेवाओं का विस्तार पर्यटन के विकास में सहायक होगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि इन्दौर के निकट देवास जिले के चावोड़ा ग्राम में ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट का निर्माण प्रस्तावित है। इसके लिए भूमि का चिन्हांकन भी हो गया है।

श्री चौहान ने कहा कि एलायंस एयर द्वारा जबलपुर-ग्वालियर और इन्दौर के निवासियों को नई विमान सेवाओं से लाभान्वित किया जा रहा है। मध्यप्रदेश सरकार एयर कनेक्टिविटी विस्तार योजनाओं में पूर्ण सहयोग देगी। मुख्यमंत्री ने नई

विमान सेवाओं की शुरुआत कर नागरिकों को बधाई दी। प्रदेश के विकास की चर्चा करते हुए श्री चौहान ने कहा कि स्वच्छता में वेस्ट ज़ोन में मध्यप्रदेश के अखिल आने, इन्दौर के निरंतर छठवीं बार देश के स्वच्छतम शहर का खिताब प्राप्त करने के साथ ही चारों दिशाओं में प्रगति के प्रयास हो रहे हैं। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि मध्यप्रदेश में प्रगति के लिए मुख्यमंत्री श्री चौहान के नेतृत्व में अनेक कार्य हो रहा है। पहली बार एक ही दिन में प्रदेश के तीन प्रमुख शहरों इन्दौर-जबलपुर और ग्वालियर को हवाई सेवाओं से जोड़ने का कार्य हो रहा है। प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में कुनो राष्ट्रीय उद्यान में चीतों का आगमन एक विशेष उपलब्धि है।

सिकलसेल एनीमिया एवं क्षय रोग के रोगियों की हो नियमित जांच



राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल झाबुआ और अलीराजपुर में सिकलसेल एनीमिया स्क्रीनिंग अभियान की समीक्षा करते हुए।

भोपाल, राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने सिकल सेल एनीमिया स्क्रीनिंग अभियान एवं राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम में अलीराजपुर एवं झाबुआ जिलों में हुए कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि सिकल सेल एनीमिया एवं क्षय रोग से पीड़ितों के चिन्हांकन, उपचार एवं नियमित फॉलोअप के लिये अधिकारी स्तर से मैदानी स्तर तक के व्यक्ति पूरी संवेदनशीलता के साथ काम करें। राज्यपाल ने कहा कि घर-घर जाकर नियमित रूप से सर्वे कार्य किया जाए। डोर-टू-डोर सर्वे और स्क्रीनिंग की क्रॉस चेकिंग भी की जाए। उन्होंने कहा कि सिकल सेल एनीमिया एवं क्षय रोग नियंत्रण हेतु जांच, दवा वितरण, मॉनीटरिंग, नियमित फॉलोअप, पीड़ित के पोषण आहार एवं पीड़ित के स्वस्थ होने तक की जानकारी संधारित करने में मांडविल तैयार करें। इसके लिए एसओपी तैयार करने के भी निर्देश दिए।

राज्यपाल अलीराजपुर में झाबुआ और अलीराजपुर के अधिकारियों के साथ सिकल

सेल एनीमिया स्क्रीनिंग अभियान और राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम की समीक्षा कर रहे थे।

राज्यपाल ने निर्देश दिए कि सिकल सेल एनीमिया एवं क्षय रोग के चिन्हांकित व्यक्तियों की नियमित प्रतिमाह जांच की जाए। आंगनवाड़ी केन्द्रों पर प्रति मंगलवार को बच्चों और गर्भवती महिलाओं की सिकल सेल जांच हो। उन्होंने कहा कि क्षय रोग चिन्हांकित व्यक्तियों के घर पर परिवारजन की जागरूकता के लिए जागरूकता सूचना लगाई जाए। ग्राम स्तर पर जिन व्यक्तियों को दायित्व सौंपे गए हैं, उनकी भी मॉनीटरिंग हो। उन्होंने निर्देश दिए कि सिकल सेल एनीमिया से बचाव एवं क्षय उन्मूलन के लिए ग्राम स्तर पर जागरूकता हेतु नुकड़ नाटक अथवा वीडियो फिल्म के माध्यम से व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए। साथ ही ग्राम सभा में भी अनिवार्य रूप से सिकल सेल एवं क्षय रोग से बचाव के लिए जागरूकता के प्रयास किये जाएं। स्कूलों एवं छात्रावासों में जागरूकता के विशेष

प्रयास किये जाएं। निक्षय मित्रों को नियमित रूप से सम्मानित किया जाए। आयुष विभाग के माध्यम से आयुर्वेद दवाएं सिकल सेल एवं क्षय रोग से पीड़ित व्यक्तियों को प्रदान की जाए। राज्यपाल ने कहा कि पूर्व में 0 से 18 वर्ष तक के व्यक्तियों की सिकल सेल जांच की जाती थी, अब इसमें 25 वर्ष तक की आयु के व्यक्तियों की जांच के लिए प्रावधान हो गए हैं।

कलेक्टर अलीराजपुर श्री राधेन्द्र सिंह ने जिले में चिन्हांकित व्यक्तियों, उनके उपचार के प्रयासों तथा जागरूकता कार्यों की जानकारी दी। कलेक्टर झाबुआ श्रीमती रजनी सिंह ने भी झाबुआ जिले में किये जा रहे कार्यों और मैदानी स्तर के प्रयासों की जानकारी दी। बैठक में सिकल सेल एवं क्षय रोग से पीड़ित रहे बच्चों कु. दिव्या डामोर, श्री शिवम चौहान एवं श्री ओमप्रकाश ने अपने अनुभव बताए। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने सिकल सेल एवं क्षय रोग से पीड़ित रहे बच्चों को दुलार दिया तथा उनका उत्साहवर्धन किया।

श्री महाकाल लोक के लोकार्पण का क्षण अदम्य एवं अविस्मरणीय होगा

उज्जैन, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान उज्जैन के दशहरा मैदान में रावण दहन के कार्यक्रम में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने कहा कि 11 अक्टूबर का दिन उज्जैन एवं समूचे प्रदेश के लिये गौरव का दिन होगा। इस दिन प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, श्री महाकाल लोक का लोकार्पण करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकार्पण का क्षण अविस्मरणीय क्षण होगा। सभी प्रदेशवासी इस गौरव के साक्षी बनें। उन्होंने प्रदेशवासियों को लोकार्पण समारोह में आने एवं सहभागी बनने का निमंत्रण दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्री महाकाल लोक सुन्दर एवं अदम्य है। इसके दर्शन से मन प्रफुल्लित हो जाता है। उन्होंने बताया कि लोकार्पण के बाद श्री महाकाल लोक का सभी प्रत्यक्ष अनुभव कर सकेंगे।

मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को दशहरे की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने परम्परा अनुसार श्रीराम, लक्ष्मण और हनुमान के किरदार निभाने वाले कलाकारों का पूजन किया। श्री चौहान ने कहा कि इस दशहरा पर्व पर हम सभी अपने अन्दर की बुराइयों को भी दहन करें। प्रदेश में नशामुक्ति के

लिये विशेष अभियान चलाया जा रहा है। सभी बुराइयों का अन्त होना चाहिये।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान उज्जैन में दशहरा पर्व पर निकलने वाली महाकाल की सवारी में शामिल होने पहुंचे। इस दौरान मुख्यमंत्री भी भक्तिपूर्वक डमरू बजाते हुए भगवान महाकाल की सवारी में शामिल हुए। सवारी जैसे ही फ्रीजिंग पहुंची हल्की बारिश प्रारम्भ हो चुकी थी। मुख्यमंत्री बारिश में भीगते हुए सवारी के साथ चले और उज्जैन की जनता का अभिवादन किया। मुख्यमंत्री बरसते पानी में महाकाल की सवारी में पैदल चले। महाकाल की सवारी दशहरा मैदान पहुंची, जहां शमी वृक्ष के समीप मुख्यमंत्री ने सपत्नीक महाकाल की पालकी की पूजा की। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों के लिये भगवान महाकाल से कामना की और श्री महाकाल लोक के सफल आयोजन के लिये प्रार्थना की। सवारी में आगामी 11 अक्टूबर को महाकाल लोक के होने वाले लोकार्पण के मंदनजर श्री महाकाल लोक की झांकी भी निकाली गई। मुख्यमंत्री ने आम जनता से श्री महाकाल लोक के लोकार्पण कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने का आह्वान किया।

ऊर्जा साक्षरता अभियान में आठ लाख से अधिक लोगों ने कराया पंजीयन

भोपाल, ऊर्जा साक्षरता अभियान में अब तक प्रदेश में 8 लाख 37 हजार से अधिक लोगों ने पंजीयन कराया है। सर्वाधिक 88 हजार 380 पंजीयन शाजापुर जिले में हुए हैं। इसके बाद 41 हजार 94 पंजीयन के साथ नरसिंहपुर जिला दूसरे, 36 हजार 266 के साथ जबलपुर तीसरे, 35 हजार 165 के साथ बालाघाट चौथे और 33 हजार 302 पंजीयन के साथ खरगोन जिला 5वें स्थान पर है।

नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री हरदीप सिंह डंग ने शाजापुर जिले में अभियान में हुए शानदार काम की प्रशंसा करते हुए

कहा कि यह जिला शुरू से ही अन्य जिलों से काफी आगे चल रहा है। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने पत 4 अगस्त को उत्कृष्ट क्रियान्वयन के लिए शाजापुर कलेक्टर श्री दिनेश जैन को सम्मानित भी किया था।

श्री डंग ने कहा कि देश में अन्तः मध्यप्रदेश का ऊर्जा साक्षरता अभियान नागरिकों को ऊर्जा के व्यव-अपव्यय से संवर्धित प्राथमिक जानकारी देने और ग्लोबल वॉर्मिंग, जल-वायु परिवर्तन आदि के प्रति जागरूक करने गत 25 नवम्बर से आरंभ किया गया है।

सर्वाधिक रक्तदान के लिए देश में प्रथम स्थान पर रहा मध्यप्रदेश

नई दिल्ली, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जन्म-दिवस पर 17 सितंबर से एक अक्टूबर 2022 तक पूरे देश में आयोजित रक्तदान अभियान में मध्यप्रदेश को रक्तदान के मामले में देश में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. मनसूख मंडाविया ने नई दिल्ली में प्रदेश के स्वास्थ्य संचालक श्री अनुराग चौधरी को रक्तदान में देश में पहले स्थान पर आने पर प्रदेश को मिला अवार्ड प्रदान किया।

संचालक स्वास्थ्य श्री चौधरी ने बताया कि पूरे देश में 17 सितंबर से शुरू हुए रक्तदान अभियान में अंतिम दिन एक अक्टूबर तक आयुषाधिक रूप से सर्वाधिक रक्तदान कर मध्यप्रदेश पूरे देश में प्रथम रहा है। प्रदेश में पहले दिन 17 सितंबर को 31 हजार 514 रक्तदाताओं ने रक्तदान कर अभूत महोत्सव में एक नया कीर्तिमान बनाया था। पूरे अभियान अवधि में कुल 903 शिविर में 36 हजार 658 रक्तदाता ने रक्तदान किया।

रक्तदान अभियान चला कर रक्तदान शिविरों का आयोजन किया गया। अभियान के पहले ही दिन प्रदेश के सभी जिलों में स्वयंसेवी संस्थाओं, एनजीओ, रेडक्रॉस सोसाइटी, अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद, विश्वविद्यालय और शैक्षणिक संस्थाओं के सहयोग से विभिन्न जिलों में रक्तदान शिविर हुए। प्रदेश में रक्तदान अभूत महोत्सव में सभी जिलों के ब्लड सेंटरों द्वारा ब्लॉक एवं ग्राम स्तर तक रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए विशेष कार्यक्रम- कार्यशाला, रैली, नुकड़ नाटक और रक्तदान शिविर हुए। इन शिविरों में जिलों के जन-प्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बड़ी संख्या में स्वयंसेवी संगठन और गणमान्य नागरिक शामिल हुए। महा अभियान में स्वेच्छिक रूप से रक्तदान के लिए इच्छुक नागरिकों का पंजीयन भी किया गया, जिससे उनके नजदीक के किसी व्यक्ति को रक्त की आवश्यकता होने पर पंजीकृत रक्तदाता से रक्त मिल सके।

नव-नियुक्त शिक्षकों के लिए स्थानांतरण नीति में शिथिलता के निर्देश जारी

भोपाल, स्कूल शिक्षा (स्वतंत्र प्रभार) और सामान्य प्रशासन राज्य मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने वर्ष 2021 एवं 2022 में नियुक्त उच्च माध्यमिक एवं माध्यमिक शिक्षकों को परिवीक्षा अवधि में स्थानांतरण नीति 2022 में केवल सत्र 2022-2023 के लिए स्थानांतरण प्रक्रिया में शिथिलता प्रदान किए जाने के निर्देश दिए हैं। ऐसे नव-नियुक्त

शिक्षकों के स्थानांतरण के लिए प्रावधानों की सुनिश्चितता तय कर दी गई है। स्थानांतरण नीति 2022 की कंडिका 3.1.2 के अनुसार वरीयता प्रदान कर स्थानांतरण किया जा सकेगा। नव-नियुक्त शिक्षकों को आपस में परस्पर स्थानांतरण की पात्रता स्थानांतरण प्रक्रिया में शिथिलता प्रदान किए जाने के निर्देश दिए हैं। ऐसे नव-नियुक्त

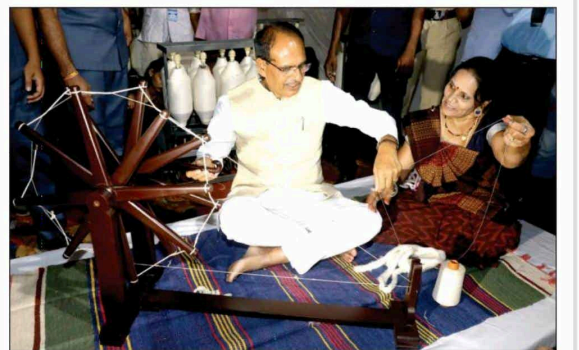
खादी को बढ़ावा देने मोपाल हाट पहुंचे मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने भोपाल हाट में खरीदे खादी के वस्त्र, चरखा भी चलाया

भोपाल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल हाट में 10 दिवसीय राष्ट्रीय खादी उत्सव और प्रदर्शनी के शुभारंभ दिवस पर पहुंच कर खादी के वस्त्र खरीदे। उन्होंने कहा कि वे खादी वस्त्र उत्पादकों को प्रोत्साहित करने के लिए भोपाल हाट आए हैं। मुख्यमंत्री ने भोपाल हाट में राष्ट्रीय खादी उत्सव एवं राज्य स्तरीय प्रदर्शनी (प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम) का अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि माटी से सामान बनाना भी एक कला है।

श्री चौहान ने खादी उत्सव और प्रदर्शनी स्थल पर गणेश प्रतिमा और गांधी जी की प्रतिमा को नमन किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने वस्त्र शिल्पियों से बातचीत करते हुए उनके कार्य के बारे में जानकारी प्राप्त की। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने भोपाल हाट परिसर में लगाए गए स्टाल देखे और बहुत से कारीगरों से चर्चा भी की। प्रमुख सचिव कुटीर एवं ग्रामोद्योग श्री मनु श्रीवास्तव और ग्रंथ संचालक खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड श्रीमती अनुभा श्रीवास्तव उपस्थित थीं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने विभागीय गतिविधियों के लिए बधाई भी दी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हस्तशिल्प से जुड़े कारीगरों और चरखा चलाने वालों को आधुनिक चरखा और बिजली से चलने वाले चरखे उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इसके लिए प्रशिक्षण भी दिलवाया गया है। यह वर्ष आजादी का अमृत महोत्सव वर्ष है। वस्त्र कारीगरों का रोजगार अच्छा चले,



मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान भोपाल स्थित भोपाल हाट में चरखा चलाने हुए।

इसके लिए सरकार प्रयासरत है।

श्री चौहान ने एक स्टॉल पर चरखा चलाकर सूत काता। उन्होंने स्टाल पर उपस्थित विक्रेताओं से उनके व्यवसाय के बारे में जानकारी प्राप्त की। मुख्यमंत्री ने कहा कि साड़ियां हों या कुर्ते पायजामे, इन्हें सुंदर रूप दिया गया है। प्रधानमंत्री श्री मोदी का कहना है कि हमारे कारीगरों को अच्छा कार्य मिले। इस कार्य से उनकी जीविका चलती है। लोकल को लोकल बनाने के लिए पूरे देश में कारीगरों को और बुनकरों को प्रोत्साहित किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि माटी से कलाकृतियां और घरेलू उपयोग की वस्तुएं तैयार करने के लिए कारीगरों को माटी

कला बोर्ड से प्रशिक्षण दिया गया है। हस्त शिल्पियों को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार ने 75 प्रतिशत सब्सिडी भी दी है। इलेक्ट्रिक चॉक प्रदान किए जा रहे हैं। मिट्टी से बर्तन और कुल्हड़ भी बनाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज यहां पहुंचकर उन्होंने कुल्हड़ बनाने का प्रयास किया है। श्री चौहान ने विद्युत चलित कुम्हारी चॉक प्रदर्शित करते हुए प्रतीक स्वरूप एक हितग्राही को प्रदान किया। यह हितग्राही माटी कला से जुड़े उद्यमी हैं, जिन्हें प्रशिक्षण कार्यक्रम का लाभ भी मिला है।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

मध्यप्रदेश के 86 प्रतिशत पशु लम्पी रोग से हुए मुक्त

भोपाल, संचालक पशुपालन एवं डेयरी डॉ. आर.के. मेहिया ने बताया कि पिछले दो माह में प्रदेश के कुल 17 हजार 553 पशु लम्पी चर्म रोग की चपेट में आये हैं। इनमें से 15 हजार 73 यानी 86 प्रतिशत इस बीमारी से स्वस्थ हो चुके हैं। वर्तमान में 2480 सक्रिय केस हैं, जिनका नियमित एवं निरंतर उपचार जारी है। लम्पी चर्म रोग का प्रकोप प्रदेश में जुलाई के अंतिम सप्ताह में शुरू हुआ था। प्रदेश के 14 जिलों में अभी तक इस रोग की पुष्टि प्रयोगशाला में हुई है। पड़ोसी राज्यों में लम्पी के फैलने के बाद ही ऐतिहासिक पशुपालन विभाग ने स्थानीय प्रशासन की मदद से सतर्कता बढ़ा दी थी। इसीलिए पशु संख्या के मुकाबले मध्यप्रदेश में लम्पी पीड़ित पशुओं की संख्या काफी कम है। प्रदेश में एक करोड़ 87 लाख गौशर और लगभग एक करोड़ भैस वंशीय पशु हैं।

विभाग द्वारा अब तक कुल 11 लाख 25 हजार पशुओं का टीकाकरण किया जा चुका है। साथ ही बीमार पशुओं का सतत उपचार किया जा रहा है, जिससे विगत 10 दिनों से प्रभावित पशुओं की संख्या एवं पशुओं की मृत्यु दर में कमी आई है। विगत एक सप्ताह से किसी नये जिले से पशुओं में बीमारी की कोई भी सूचना प्राप्त नहीं हुई है। लम्पी चर्म रोग की रोकथाम के लिये 23 लाख डोज टीका द्रव्य वर्तमान में उपलब्ध है। जिलों द्वारा प्रभावित क्षेत्रों में टीकाकरण एवं उपचार कार्य खुद स्तर पर किया जा रहा है। विभाग द्वारा बीमारी की रोकथाम के लिये प्रतिदिन डॉनोर्टरिंग की जा रही है। जिलों से प्राप्त जानकारी अनुसार बीमारी का प्रकोप विगत 10 दिन से कम होता नजर आ रहा है और पशुओं में होने वाले इस रोग की स्थिति नियंत्रण में है।

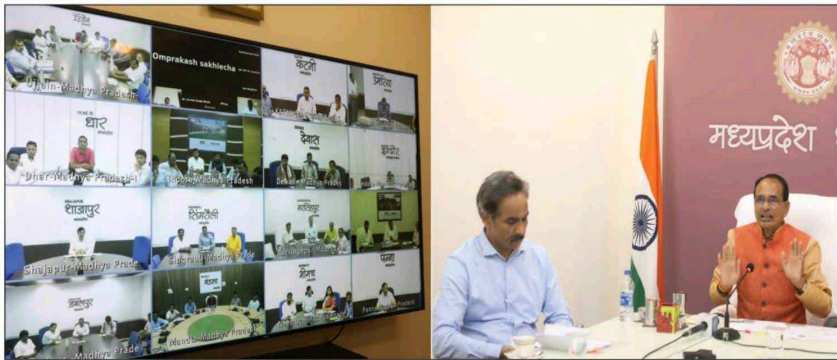
जन-जन को जोड़ें ‘श्री महाकाल लोक’ के लोकार्पण समारोह से - मुख्यमंत्री

भोपाल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि ‘श्री महाकाल लोक’ का लोकार्पण समाज को एक दिशा में ले जाने का अद्भुत समारोह होगा। इससे जन-जन को जोड़ने के लिए पूरे प्रदेश में मिलकर प्रयास करने हैं। जिलों में भी उत्साह का वातावरण बना कर नागरिकों को कार्यक्रम के सीधे प्रसारण से जोड़ कर प्रत्यक्षदर्शी बनाने के प्रयास किए जाएंगे। लोकार्पण दिवस के संध्याकाल में श्री महाकाल लोक परिसर के शिवापन के समय हर घर में दीप जलाए जाएंगे। प्रत्येक नागरिक को सहभागिता के लिए प्रेरित किया जाए।

मुख्यमंत्री 11 अक्टूबर को उज्जैन में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा किए जाने वाले लोकार्पण के संबंध में निवास कार्यालय से वीडियो कॉन्फ्रेंस द्वारा उज्जैन जिला प्रशासन और अन्य जिलों के कलेक्टर और जन-प्रतिनिधियों से चर्चा कर रहे थे। उन्होंने इस अद्भुत कार्यक्रम की तैयारियों के लिए परिश्रम के साथ प्रयास करने के निर्देश भी दिए। मुख्य सचिव श्री इकबाल सिंह बैस वरिष्ठ अधिकारियों के साथ उपस्थित थे। जिलों से मंत्रोगण और कलेक्टर वरुणल शामिल हुए।

मुख्यमंत्री ने सभी को बधाई देते हुए कहा कि श्री महाकाल लोक के लोकार्पण से सम्पूर्ण प्रदेशवासियों को वरुणल जोड़ने की व्यवस्था की जा रही है। जिलों के प्रमुख मंदिरों में टी.वी. स्क्रीन से आमजन को इस कार्यक्रम को देखने का अवसर मिलेगा। यह मध्यप्रदेश ही नहीं, संपूर्ण देशवासियों के लिए आस्था और सामाजिक एकता से जुड़ा महत्वपूर्ण कार्यक्रम है।

श्री चौहान ने कहा कि लोकार्पण समारोह की आवश्यक तैयारियों की जा रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी 11



मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए उज्जैन जिला प्रशासन और अधिकारियों को संबोधित करते हुए।

अक्टूबर की शाम 6 बजे श्री महाकाल लोक का लोकार्पण करेंगे। यह कार्यक्रम पूरे प्रदेश में मनाया जाना है। इसके लिए जिलों में ऐसा वातावरण बनाया जाए, जिससे अधिक से अधिक लोग कार्यक्रम देख सकें। ग्राम के किसी एक मंदिर में सभी ग्रामवासी एकत्र होकर समारोह के सहभागी बनेंगे। शहरी क्षेत्र में बाड़ों में भी प्रमुख मंदिरों में कार्यक्रम प्रसारण की व्यवस्था करने को कहा गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्राम स्तर पर मंदिरों में 11 अक्टूबर को विद्युत साज-सज्जा हो। बाघ यंत्र बजें, रंगोली सजाएं, पताका लहराएं और प्रसाद वितरण भी किया जाए। यह सभी व्यवस्थाएं जन-सहयोग से की जाएंगी। सभी लोग मंदिर प्रांगण में बैठ कर शंख और घण्टियां बजाते हुए उज्जैन पहुंचने वाले नागरिक अपने ग्राम, नगर से जल लाकर उज्जैन के रुद्र सागर में समर्पित कर सकते हैं। रुद्र सागर का पुनरुद्धार किया गया है और यह विकसित

भगवान पशुपतिनाथ मंदिर मंदसौर, भादवा माता मंदिर नीमच, जालपा देवी मंदिर देवास, ऑकरेश्वर ज्योतिर्लिंग खण्डवा और वैजनाथ मंदिर आगर-मालवा सहित अन्य जिलों के प्रमुख मंदिर और देव-स्थल शामिल रहेंगे। जिलों में भी जन-प्रतिनिधि सोशल मीडिया से आवश्यक प्रचार सुनिश्चित करें।

उन्होंने कहा कि निमाड़ और मालवा अंचल से शिवापन कार्यक्रम में सीधे भागीदारी कर सकते हैं। इंदौर और उज्जैन संभाग के प्रत्येक जिले के विभिन्न समाज, धर्मों के गणमान्य नागरिकों का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया जाए। जनजातीय समाज को भी इससे जोड़ा जाए। विभिन्न समाज और संस्थाओं के अध्यक्ष, पंचायत प्रतिनिधि, पार्षद, जनजातीय समाज के तड़वी, पटेल, पुजारी, पुजारा आदि को आमंत्रित किया जाए। उज्जैन पहुंचने वाले नागरिक अपने ग्राम, नगर से जल लाकर उज्जैन के रुद्र सागर में समर्पित कर सकते हैं। रुद्र सागर का पुनरुद्धार किया गया है और यह विकसित

परिसर का प्रमुख आस्था केन्द्र है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि श्री महाकाल लोक के लिए वर्ष 2017 में योजना बनी थी। वर्ष 2018 में इसे प्रशासकीय स्वीकृति दी गई। वर्ष 2019 में कार्य रुक गए थे, जिन्हें पुनः 2020 से प्रारंभ कर पूर्ण किया गया है।

परियोजना से आमजन को शिव लीला के दर्शन, मूर्तियों और म्यूरल्स से सांस्कृतिक वैभव से परिचित करवाया जा सकेगा। जिस तरह केदारनाथ में बाढ़ के बाद फिर से रचना कर सुविधाएं विकसित की गईं, काशी विश्वनाथ में कार्य हुए, उसी तरह अब श्री महाकाल लोक में परियोजना के कार्य पूरे कर लिये गये हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस लोकार्पण समारोह की अनुगूँज राष्ट्रीय स्तर पर होना चाहिए। यह समाज को जोड़ने का कार्य भी है। लोकार्पण के पूर्व स्वच्छता के लिए सभी एकजुट हों। प्रदेश में मंदिरों के परिसर स्वच्छ और आकर्षक बनाए जाएं।

मध्यप्रदेश में नशामुक्ति अभियान दो अक्टूबर से तीस नवम्बर तक

भोपाल, राज्य शासन ने प्रदेश को नशे से मुक्त करने के लिये प्रदेशव्यापी नशामुक्ति अभियान चलाने का निर्णय लिया है। अभियान का शुभारंभ मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने 2 अक्टूबर को किया। अभियान 2 अक्टूबर से 30 नवम्बर तक सतत चलेगा। इसमें शैक्षणिक, स्वयंसेवी, सामाजिक संस्थाओं और धर्मगुरुओं की सहभागिता से प्रदेश को नशामुक्त बनाने के लिये विभिन्न कार्यक्रम होंगे।

गांधी जयंती 2 अक्टूबर को नशामुक्ति अभियान के आरंभ के साथ ही जिला, अनुभाग, जनपद, नगरीय निकाय और गांवों में सभाओं का आयोजन कर नशामुक्ति की शपथ दिलाई जायेगी। अक्टूबर माह में जन-जागरूकता के कार्यक्रम चलाये जायेंगे। विद्यालय, महाविद्यालय और विश्वविद्यालय परिसर में कार्यक्रम होंगे। वॉल-पेंटिंग, रंगोली, परिचर्चा, मैराथन, नुक्कड़ नाटक, रैली और मानव श्रृंखला आदि कार्यक्रम कर नशामुक्ति के लिये जागरूकता लाई जायेगी।

नशामुक्त ग्राम पंचायतों को प्रोत्साहित एवं पुरस्कृत करने के लिये एक लाख रुपये तक की प्रोत्साहन राशि भी प्रदान की जायेगी। अभियान में परिवारों को नशामुक्त बनाने के लिये बच्चों, युवाओं और महिलाओं को सशक्त बनाने पर जोर दिया जायेगा। नशामुक्ति अभियान के लिये हॉट स्पॉट का चिह्निकरण और वॉलेंटियर्स का चयन किया गया है।

अभियान में नशे की गिरफ्त में आये लोगों की काउंसिलिंग, पुनर्वास सेवा, उपचार सुविधाओं की जानकारी, नशामुक्त हेल्पलाइन

14446, नशामुक्ति केन्द्र एवं अन्य नशामुक्ति गतिविधियों का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जायेगा। इसमें विभिन्न संस्थाओं में विशेषज्ञों के व्याख्यान, नशे की गिरफ्त से बाहर आये लोगों और प्रभावी एवं जिम्मेदार व्यक्तियों के व्याख्यान भी कराये जायेंगे। ऑटो रिक्षा, कचरा वाहन आदि द्वारा नशामुक्ति के संदेशों तथा नशामुक्ति गान का प्रसारण किया जायेगा। व्यापक स्तर पर नशामुक्ति कैम्प होंगे।

नशामुक्ति अभियान में नवम्बर माह में स्कूल-कॉलेज में 6 दिवसीय कार्यक्रम होंगे। व्याख्यान होंगे, विद्यार्थियों द्वारा ‘पाती अपने को नाम’ निबंध प्रतियोगिता, चित्रकला और वाद-विवाद प्रतियोगिता तथा नुक्कड़ नाटक, वॉल पेंटिंग, रंगोली प्रतियोगिता होंगी और छठे दिन पुरस्कार वितरण होगा।

नशामुक्ति अभियान की रूपरेखा बनाने, समीक्षा करने एवं मध्यावधि सुधार के लिये तीन स्तरों पर समितियां कार्य कर रही हैं। प्रथम समिति प्रमुख सचिव सामाजिक न्याय एवं निःशक्तजन कल्याण की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय समिति है। दूसरी कलेक्टर की अध्यक्षता में गठित जिला स्तरीय समिति एवं तीसरी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व की अध्यक्षता में गठित अनुभाग स्तरीय समिति है।

इन विभागों की रहेगी सक्रिय सहभागिता नशामुक्ति अभियान के संचालन एवं क्रियान्वयन में राज्य शासन के सभी विभाग सक्रिय सहभागिता निभायेंगे। सामाजिक संगठन, स्वयंसेवी एवं अशासकीय संस्थाएं, समस्त जन-प्रतिनिधि, सभी स्व-सहायता

समूह, ग्राम वन समितियां, जन-अभियान परिषद, नेहरू युवा केन्द्र, नगर सुरक्षा समितियां और पत्रकार सहभागिता करेंगे।

राज्य सरकार ने उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, चिकित्सा शिक्षा एवं आयुष, स्कूल शिक्षा, योजना एवं आर्थिक सांख्यिकी, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, नगरीय विकास एवं आवास, महिला एवं बाल विकास, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, गृह, आबकारी एवं जेल एवं वन विभाग जिला प्रशासन को नशामुक्ति अभियान के लिये निर्देश जारी कर दायित्व निर्धारित किये हैं।

प्रमुख सचिव नगरीय विकास ने की प्रधानमंत्री आवास योजना की समीक्षा

प्रमुख सचिव नगरीय विकास एवं आवास श्री मनीष सिंह ने प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी की प्रगति की समीक्षा की। श्री सिंह ने अफोर्डेबल हाउसिंग स्क्रीम को गति देने के निर्देश दिये। उन्होंने हितग्राहियों को जल्द से जल्द उपके आवासों का आधिपत्य देने तथा शेष कार्यों को समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिये। श्री सिंह ने विशेष रूप से नगर पालिक निगम भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर और उज्जैन में प्रधानमंत्री आवास योजना के एएचपी घटक में प्रगतिरत परियोजनाओं की समीक्षा की। आयुक्त, नगरीय प्रशासन एवं विकास श्री भरत यादव एवं अपर आयुक्त श्री सतेन्द्र सिंह भी उपस्थित थे।

एजेन्सी देना है

मध्यप्रदेश का सर्वाधिक प्रसार संख्या वाला साप्ताहिक समाचार पत्र



प्रदेश में
खरगोन, बालाघाट, नरसिंहपुर, छिन्दवाड़ा, बीना, धार
एवं **अशोकनगर** जिलों में
एजेन्सी नियुक्त करना है।

एजेन्सी संबंधित कार्य के लिए कार्यालयीन समय में संपर्क करें

0755-2760006,
9424442725, 9424444174

प्रमुख आकर्षण

- कैंटीन की खबरें
- सप्ताह की प्रमुख घटनाएं
- सम-सामयिक विषयों पर विशेषज्ञ की टिप्पणियां
- मध्यप्रदेश सरकार के निर्णयों और योजनाओं की जानकारी
- खेल जगत की उल्लेखनीय खबरें
- विज्ञान की बातें

मध्यप्रदेश माध्यम

40, प्रशासनिक क्षेत्र, अटो हिल्स, भोपाल (म.प्र.) 462011

फोन नंबर : 0755-2551330, 0755-2760006

www.mpmadhyam.in

madhyam.rojgar@gmail.com

आज ही खरीदें
प्रमुख बुक-स्टॉलें
पर उपलब्ध



पूर्व एयर चीफ मार्शल आर.के.एस. भदौरिया

डिफेंस कॉरिडोर के नोडल अधिकारी बने

पूर्व एयर चीफ मार्शल आर.के.एस. भदौरिया उत्तर प्रदेश डिफेंस कॉरिडोर के नोडल अधिकारी नियुक्त हुए हैं। भदौरिया बीते साल 30 सितंबर को रिटायर हुए थे। डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के तहत उत्तर प्रदेश में तीन स्थान पर एयरोस्पेस और रक्षा क्षेत्र में विदेशी निरभरता कम करने के लिए रक्षा उपकरण तथा उनके पुर्जे बनेंगे।

अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन

योग करने का वीडियो जारी हुआ

अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन में योग करने का वीडियो



सामने आया है। इसके स्टेशन पर मौजूद अंतरिक्ष यात्री सामंथा क्रिस्तोफोरेटी ने जारी किया है। इसमें वे गरुड़सन कर रही हैं। मोशल मोडिया पर उन्होंने लिखा कि जीरो ग्रेविटी में योग कठिन तो है, लेकिन वह बेहद अच्छा अनुभव रहा। क्रिएटिविटी ने इसे आसान बना दिया।

लेफ्टिनेंट जनरल अनिल चौहान (रिटायर्ड)

नए चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ नियुक्त हुए

बालाकोट स्ट्राइक के दौरान डाइरेक्टर जनरल ऑफ मिलिट्री ऑपरेशंस (डीजीएमओ) रहे और चीन के जानकार लेफ्टिनेंट जनरल अनिल चौहान (रिटायर्ड) को नया चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) नियुक्त किया गया है। वह रिटायर होने के बाद इस पद पर आने वाले पहले श्री-स्टार सैन्य अफसर हैं। 61 वर्षीय चौहान सैन्य मामलों के विभाग के सचिव के रूप में भी कार्य करेंगे।

जियोर्जिया मेलानी

इटली की पहली महिला प्रधानमंत्री होंगी

इटली में जियोर्जिया मेलानी के नेतृत्व में दक्षिणपंथी गठबंधन को बहुमत मिल गया है। इस गठबंधन में शामिल मेलानी की पार्टी ब्रदर्स ऑफ इटली को 26 प्रतिशत वोट मिले थे। जियोर्जिया इटली की पहली महिला प्रधानमंत्री होंगी। भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आम चुनाव जीतने पर

पिनाका रॉकेट

भारत से सैन्य सामान खरीदेगा आर्मेनिया

आर्मेनिया ने स्वदेशी पिनाका मल्टी बैरल रॉकेट लॉन्चर, अनिचिप्ट मिसाइल और गोला बारूद की खरीद के लिए भारत के साथ एक अनुबंध पर



हस्ताक्षर किए। रक्षा और सुरक्षा प्रतिष्ठान के सुओं के अनुसार सरकार से सरकार के बीच लगभग 2000 करोड़ रुपये के अनुबंध पर सितंबर माह में हस्ताक्षर किए गए थे।

प्रतीक त्रिपाठी

नासा के चंद्रमा ऑर्टमिस मिशन के लिए चयनित

ग्वालियर के बहोड़पुर निवासी प्रतीक त्रिपाठी का चयन नेशनल एरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (नासा) के चंद्रमा ऑर्टमिस मिशन के लिए हुआ है। इस वर्ष प्रोग्राम के लिए विश्वभर से 300 के अधिक आवेदन आए थे। इनमें से आईआईटी रुड़की से रिसर्च स्कॉलर प्रतीक त्रिपाठी का चयन किया गया। उनका चयन एरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन के प्रोग्राम में योगदान करने के लिए 5 प्रतिभागियों के साथ हुआ। इस प्रोग्राम का आयोजन लूनर एंड प्लेनेटरी इंस्टीट्यूट (एलपीआई) और नासा की ओर से कराया गया।

एलिस

दुनिया के पहले ऑल इलेक्ट्रिक प्लेन की सफल उड़ान

दुनिया के पहले 9 सीटर ऑल इलेक्ट्रिक प्लेन ने वाशिंगटन डीसी से उड़ान भरी और 8 मिनट की फ्लाइट के दौरान यह विमान 3,500 फीट की ऊंचाई तक गया। इसे फेमस नॉर्वेल एलिस इन वंडरलैंड के चरित्र के नाम पर नासा ने एलिस नाम दिया। ये प्लेन दो 640 किलोवाट/घंटा की इलेक्ट्रिक मोटर से चलता है। पारंपरिक प्लेन की तुलना में यह आवाज कम करता है। न्यूयॉर्क से वाशिंगटन तक का 206 किलोमीटर का सफर इससे जल्दी ही तय किया जा सकता है। कंपनी ने 3 साल पहले इसकी कीमत 33 करोड़ रुपये घोषित की थी।

सृष्टि बख्शी

भारतवंशी को मिला चेंज मेकर अवॉर्ड

भारत की महिला अधिकारी कार्यकर्ता सृष्टि बख्शी को 'चेंज मेकर अवॉर्ड' से सम्मानित किया गया है। यह संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) पुरस्कारों में से एक है। सृष्टि को यह पुरस्कार लिंग आधारित हिंसा और असमानता के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए दिया गया है।

क्राउन प्रिंस सलमान

सऊदी अरब के नए प्रधानमंत्री

सऊदी अरब के शक्तिशाली क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान को शाही फरमान द्वारा प्रधानमंत्री नामित किया गया है। किंग सलमान बिन अब्दुल अजीज अल सऊद ने कैबिनेट में फेरबदल किए हैं। प्रिंस खालिद बिन सलमान अब नए रक्षामंत्री होंगे। अब तक यह पद क्राउन प्रिंस के पास था। शाही आदेश के अनुसार किंग अभी भी कैबिनेट की बैठकों की अध्यक्षता करते रहेंगे।

म्यांमार की

सैन्य सत्ता ने सू ची को फिर दोषी ठहराया

सैन्य शासन वाले म्यांमार की एक अदालत ने नेता आंग सान सू ची को एक और आपराधिक मामले में दोषी ठहराया है। वहीं ऑस्ट्रेलियाई अर्थशास्त्री शॉन टर्नल को गोपनीयता कानून के उल्लंघन करने के मामले में सजा दी गई है। सू ची के मंत्रिमंडल के 3 सदस्यों को भी दोषी पाया गया है। उनके सहयोगी ऑस्ट्रेलिया के अर्थशास्त्री शॉन टर्नल को भी आपराधिक मामले में दोषी ठहराया गया है। टर्नल सिडनी के मैकल्यरी विश्वविद्यालय में



अर्थशास्त्र के एसोसिएट प्रोफेसर हैं और सू ची के सलाहकार भी थे। सरकारी टेलीविजन चैनल के अनुसार टर्नल के पास देश की वित्तीय प्रणाली की गोपनीय जानकारी थी और वह उसे लेकर म्यांमार से भागने वाले थे।

अधिवक्ता आर. वेंकटरमणी

देश के नए अटॉर्नी जनरल होंगे

केन्द्र सरकार ने वरिष्ठ अधिवक्ता आर. वेंकटरमणी को नया महान्यायाधीश (अटॉर्नी जनरल) नियुक्त किया है। उनकी नियुक्ति 3 साल के लिए होगी। मौजूदा अटॉर्नी जनरल के.के. वेणुगोपाल ने उम्र (91 साल) के चलते पद से हटने की इच्छा जताई थी। उनका कार्यकाल 30 सितंबर को पूरा हो गया है। वेणुगोपाल 30 जून 2017 से इस पद पर थे। इस बीच दो बार उनका कार्यकाल बढ़ाया गया था।

सिंगर मेलेक मोसो

तुर्की सिंगर ने मंच पर अपने बाल कटवाए

प्रसिद्ध तुर्की सिंगर मेलेक मोसो ने ईरान के हिजाब विरोधी प्रदर्शनों के समर्थन में मंच पर अपने बाल कटवा लिए। उन्होंने संगीत कार्यक्रम के दौरान मंच पर अपने बाल कटवाते हुए देखा गया। मोसो को महिलाओं के अधिकारों के समर्थन के लिए जाना जाता है। वर्ष 2020 में मोसो को तुर्की में दुराचारी पुलिस अधिकारी की रिहाई की आलोचना करने के लिए मंच से हटा दिया गया था।

नासा

एस्टेरॉयड से टकराया डॉर्टस्पेसक्रॉफ्ट

पृथ्वी को एस्टेरॉयड के प्रभाव से बचाने में नेशनल एयरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन यानि नासा को बड़ी सफलता मिली है। स्पेस एजेंसी का डॉर्ट मिशन सफलतापूर्वक पूरा हो गया। सुरक्षा तकनीक का पता लगाने के लिए डबल एस्टेरॉयड रीडायरेक्शन टेस्ट (डार्ट) को एस्टेरॉयड डिडिमांस के डायमोर्फोस से टकराया। दरअसल 24 हजार किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हुई इस टक्कर के जरिए इसके ऑर्बिट यानि घूमने की दिशा में बदलाव करना था।

एडवर्ड स्नोडेन

मिली रूस की नागरिकता

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने पूर्व अमेरिकी तकनीकी ठेकेदार एडवर्ड स्नोडेन को रूस की नागरिकता प्रदान कर दी है। जारी आदेश के अनुसार स्नोडेन उन 75 विदेशी नागरिकों में शामिल हैं जिन्हें रूस की नागरिकता प्रदान की गई है। यह आदेश रूस की सरकार की वेबसाइट पर साझा किया गया है। ज्ञात रहे कि अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी के पूर्व ठेकेदार स्नोडेन अमेरिका में अभियोजन का सामना करने से बचने के लिए 2013 से रूस में रह रहे हैं। स्नोडेन पर अमेरिका के सरकारी निगरानी कार्यक्रमों के विवरण वाले दस्तावेजों को लीक करने का आरोप है।

थार्डलैंड में

प्रयुध बने रह सकते हैं प्रधानमंत्री

थार्डलैंड की संवैधानिक अदालत ने फैसला सुनाया है कि प्रधानमंत्री प्रयुध चान-ओआ अपने पद पर बने रह सकते हैं और उन्होंने अपने पद पर आठ साल तक सीमित रखने वाले संवैधानिक प्रावधान का उल्लंघन नहीं किया। ज्ञात रहे कि विपक्षी सांसदों ने अपनी इस दलील पर फैसला करने के लिए अदालत में याचिका दायर की थी कि 2014 के तख्तापलट में सेना कमांडर के रूप में सत्ता संभालने वाले प्रयुध ने प्रधानमंत्रियों के लिए आठ साल की सीमा उल्लंघन किया था।



मेसी का ऐलान

खेलेंगे अंतिम विश्वकप

अर्जेंटीना के कप्तान लियोनल मेसी ने ऐलान किया है कि कतर में साल के अंत में होने वाला फुटबॉल विश्वकप उनके करियर का आखिरी एवं 5वां विश्वकप होगा। 35 साल के मेसी ने एक इंटरव्यू में कहा, निश्चित रूप से यह मेरा आखिरी विश्वकप होगा, मैंने पहले ही फैसला ले लिया है।

मुझे थोड़ी चिंता भी है कि आगे क्या होगा।

दिव्या नेन्तिमी ने

एक अरब का हेज फंड किया शुरू

भारतीय मूल की 26 वर्षीय दिव्या नेन्तिमी ने एक अरब डॉलर से अधिक का अपना हेज फंड शुरू किया है। वह दुनिया की पहली महिला हैं, जिन्होंने इतने बड़े फंड के साथ अवला ग्लोबल फर्म की शुरुआत की है। इसमें वह कंज्यूमर, टेक्नोलॉजी, बिजनेस-सर्विस और टेलीकॉम सेक्टर में निवेश करेंगी। इससे पहले वह वाइकिंग ग्लोबल इन्वेस्टर्स में 4 अरब डॉलर के फंड मैनेजर कर चुकी हैं।

अवीर अल-सहलानी

ईरानी महिलाओं के समर्थन में स्वीडन की नेता ने काटे बाल

इराक़ी मूल की स्वीडिश नेता अवीर अल-सहलानी ने ईरान में इस कोट का विरोध कर रही महिलाओं का समर्थन किया है। उन्होंने ईरान में सरकारी विरोधी प्रदर्शनों के साथ एकजुटता दिखाते हुये यूरोपीय संसद में बहस के दौरान अपने बाल काट लिये। फ्रांस के स्टार्सवर्ग में संसद में उन्होंने कहा, 'जब तक ईरान की महिलाएं आजाद नहीं होंगी। हम आपके साथ खड़े रहेंगे।' ईरान ने देश में चल रहे विरोध प्रदर्शनों के बीच जासूसी करने के आरोप को कबूल करते गिरफ्तार किये गये दो फ्रांसीसी नागरिकों के वीडियो जारी किये हैं।



स्मृति शेष

ग्रेमी विजेता रैपर

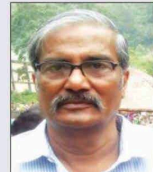
कूलियो का निधन

ग्रेमी विजेता रैपर कूलियो का 59 वर्ष की उम्र में लॉस एंजिल्स में निधन हो गया है। उनको 'गैंगस्टा के ओराडाइज' और 'फैंटास्टिक बॉयेज' के उकृष्ट संगीत के लिए दुनियाभर में सराहा गया था। आर्टिस लियोन इवे उनका असली नाम था लेकिन संगीत की दुनिया में उन्हें रैपर कूलियो के नाम से जाना जाता था।

पूर्व फीफा रेफरी

सुमंत घोष का निधन

इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ एसोसिएशन फुटबॉल (फीफा) के पूर्व रेफरी सुमंत घोष का 70 वर्ष की उम्र में कोलकाता में निधन हो गया। वह 1990 से प्रोफाइल मैचों के जुझारू संचालन के लिए जाते थे। वे 1990 में फीफा रेफरी बने और 1997 में सेवानिवृत्त हो गये थे। उन्होंने अपने करियर में प्री-विश्वकप, प्री-ऑलिंपिक, एएफसी क्लब चैंपियनशिप, सैफकप, जवाहरलाल नेहरू कप जैसे शीर्ष आयोजन में भाग लिया था।



(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

कोरोना को मारने के तीन हथियार, हाथ धुलायी, मास्क और वैक्सीन का वार।

समूह-5 के अंतर्गत सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारी, स्टाफ नर्स, प्रयोगशाला तकनीशियन व अन्य पदों की सीधी भर्ती व बैकलॉग-सीधी भर्ती हेतु संयुक्त भर्ती परीक्षा-2022 के संबंध में

आवेदन पत्र भरने की तिथि : 14 अक्टूबर 2022 से 28 अक्टूबर 2022 तक

आवेदन पत्र में संशोधन करने की तिथि 14 अक्टूबर 2022 से 02 नवम्बर 2022 तक

ऑनलाइन परीक्षा पद्धति समय सारणी

परीक्षा दिनांक एवं दिन	परीक्षा की पाली	अभ्यर्थियों के लिए रिपोर्टिंग समय	महत्वपूर्ण निर्देश पढ़ने का समय	उत्तर अंकित का समय
25 नवम्बर 2022	प्रथम	प्रातः 07:00 से प्रातः 08:00 बजे तक	प्रातः 08:50 से प्रातः 09:00 बजे तक (10 मिनट)	प्रातः 09:00 से दोपहर 11:00 बजे तक (2:00 घंटे)
शुक्रवार से प्रारंभ	द्वितीय	दोपहर 01:00 से दोपहर 02:00 बजे तक	दोपहर 02:50 से दोपहर 03:00 बजे तक (10 मिनट)	दोपहर 03:00 से शाम 05:00 बजे तक (2:00 घंटे)

परीक्षा शहर :- भोपाल, इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर, उज्जैन, नीमच, रतलमा, रीवा, सागर, सतना, दमोह, सीधी आवेदन पत्र भरने की प्रक्रिया एवं महत्वपूर्ण निर्देश :-

- परीक्षा की विस्तृत नियमपुस्तिका बोर्ड की वेबसाइट www.peb.mp.gov.in पर उपलब्ध है, जिसमें उल्लेखित समस्त नियमों/जानकारी का अध्ययन करके ही आवेदन पत्र भरा जावे।
- वेबसाइट www.peb.mponline.gov.in के माध्यम से आवेदन पत्र भरा जा सकता है।

3. परीक्षा शुल्क	
अनारक्षित अभ्यर्थियों के लिए	रु. 500/- (प्रति प्रश्न-पत्र)
अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग/दिव्यांग अभ्यर्थियों के लिए (केवल मध्यप्रदेश के मूल निवासियों के लिए)	रु. 250/- (प्रति प्रश्न-पत्र)
ऑनलाइन आवेदन - किराया के माध्यम से ऑनलाइन भरने वाले अभ्यर्थियों हेतु एम.पी. ऑनलाइन का पोर्टल शुल्क	रु. 60/-
अतिरिक्त रजिस्टर्ड सिटीजन यूजर के माध्यम से लागिन कर फार्म भरने पर पोर्टल शुल्क	रु. 20/-
सीधी भर्ती - बैकलॉग	कोई शुल्क नहीं

- विशेष निर्देश :**
- अभ्यर्थी का आधार पंजीयन अनिवार्य है।
 - बोर्ड द्वारा आयोजित परीक्षाओं में मूल फोटोयुक्त पहचान पत्र लाना अनिवार्य होगा। मूल फोटोयुक्त पहचान पत्र के रूप में अभ्यर्थी मतदाता पहचान पत्र, पैनकार्ड, ड्राइविंग लायसंस, आधार कार्ड तथा पासपोर्ट में से कोई एक को चयनित कर सकता है। यू.आई.डी.ए.आई. (UIDAI) के द्वारा सत्यापित (verify) होने पर ही ई-आधार मान्य होगा। मूल फोटोयुक्त पहचान पत्र के अभाव में परीक्षार्थी को परीक्षा में सम्मिलित होने से वंचित किया जाएगा।
 - अभ्यर्थी को नियम पुस्तिका में विनिश्चित मूल परिचय पत्र के अतिरिक्त अपना आधार कार्ड/ई-आधार कार्ड की छायाप्रति/आधार नंबर/आधार VID की जानकारी लाना अनिवार्य है।
 - परीक्षा में प्रवेश के समय एवं परीक्षा के दौरान बहुस्तरीय बायोमेट्रिक सत्यापन अनिवार्य है। अतः जिन अभ्यर्थियों का आधार नंबर लॉक है वह परीक्षा दिनांक को परीक्षा केंद्र पर उपस्थिति के पूर्व आधार अनलॉक करवाना सुनिश्चित करें।
 - परीक्षार्थियों को परीक्षा में रिपोर्टिंग समय तक परीक्षा केंद्र में प्रवेश की अनुमति होगी। इसके पश्चात विलम्ब से आने पर अभ्यर्थियों को प्रवेश की पात्रता नहीं होगी।
 - परीक्षा कक्ष में इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस यथा मोबाइल फोन, कैलकुलेटर, लॉग टेबल्स एवं नकल पत्रा आदि का उपयोग पूर्णतः वर्जित है।
 - ऑनलाइन आवेदन-पत्र क्रमांक के द्वारा ही ऑनलाइन परीक्षा हेतु अभ्यर्थी अपना प्रवेश-पत्र प्राप्त कर सकते हैं। अतः आवेदन-पत्र क्रमांक आवश्यक रूप से संभाल कर रखें, जिसकी समस्त जिम्मेदारी आवेदक की ही होगी।
 - परीक्षा केंद्र पर आवेदक को काला बाल प्लाईड पेन तथा परीक्षा हॉल में प्रवेश हेतु पीईवी की वेबसाइट से डाउनलोड किये गये प्रवेश-पत्र साथ लाना अनिवार्य है।
 - किसी भी परीक्षार्थी को परीक्षा प्रारंभ होने के पश्चात परीक्षा समाप्ति तक परीक्षा कक्ष छोड़ने की अनुमति नहीं होगी।
 - आवेदन-पत्र भरते समय उम्मीदवारों के किसी भी प्रमाण पत्र का परीक्षण पी.ई.वी. द्वारा नहीं किया जाकर नियुक्ति प्रक्रिया के दौरान संबंधित विभाग द्वारा किया जाता है। अतः कंप्यूटर आधारित Online परीक्षा में उम्मीदवारों की पात्रता (Eligibility) पूर्णतः प्रावधिक (Provisional) होगी।
 - उपरोक्त सभी पदों के लिये अभ्यर्थी का मध्यप्रदेश राज्य के रोजगार कार्यालय में जीवित पंजीयन होना अनिवार्य होगा।
 - मध्यप्रदेश के विशेष आदिम जनजाति समुदाय जैसे बैगा, सहारिया/सहारिया एवं भारिया अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थियों को अकायंपालिक पदों के लिए अपने आवेदन पत्र समस्त आवश्यक प्रमाण-पत्र संलग्न करते हुये हार्डकापी में निर्धारित आवेदन-पत्र भरने की अंतिम तिथि तक पी.ई.वी. को न भेजते हुये सीधे संबंधित विभाग को पृथक-पृथक पद अनुसार पृथक-पृथक आवेदन प्रेषित करना होगा। पी.ई.वी. को प्रेषित आवेदन पत्र अमान्य माना जायेगा।
 - कुछ विभाग के पद कार्यपालिक होने की स्थिति में भर्ती हेतु आदिम जनजाति (बैगा, सहारिया/सहारिया एवं भारिया) के अभ्यर्थियों को परीक्षा से छूट का प्रावधान नहीं होगा। वे अभ्यर्थी अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थी के रूप में परीक्षा हेतु ऑनलाइन आवेदन करें (ऐसी स्थिति में नियम पुस्तिका की बैगा, सहारिया एवं भारिया से सम्बंधित सभी कण्टिकार्य विलोपित मान्य होंगे)।
 - कोविड-19 महामारी के परिप्रेक्ष्य में शासन द्वारा जारी निर्देशों का पालन करना अनिवार्य होगा।

विशेष नोट : बोर्ड अपनी सुविधानुसार परीक्षा तिथि/परीक्षा पाली/ शहरों/केंद्रों एवं अन्य विन्दुओं में परिवर्तन कर सकता है।

विज्ञापन क्र. 25/2022

संचालक



प्रोफेशनल एग्जामिनेशन बोर्ड

'चयन भवन' मेन रोड नं. 1, चिनार पार्क (ईस्ट), भोपाल 462011
फोन नं. : +91-755-2578801-02, Fax : +91-755-2550498
Website : www.peb.mp.gov.in

M.P. Madhyam/106721/47637/2022

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने वायु सेना में स्वदेशी हेलीकॉप्टर प्रचण्ड को शामिल करने पर दी बधाई

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भारतीय वायु सेना में विकसित स्वदेशी लाइट कॉम्पैक्ट हेलीकॉप्टर प्रचण्ड को शामिल किए जाने पर भारतीय वायु सेना और हेलीकॉप्टर का उत्पादन करने वाले विशेषज्ञों को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।

बधाई देते हुए मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आत्म-निर्भर भारत की पहल में एलसीएच को वायु सेना में शामिल किया जाना मील का पत्थर सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि भारतीय वायु सेना अपने अदम्य साहस, शौर्य और पराक्रम का इसी मनवृत्ति के साथ देश की शक्ति को बढ़ाने में योगदान देती रहेगी। एलसीएच आकाश, बहुत ऊंचाई और हर मौसम में मुकाबला करने की क्षमता से लैस है।



मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

कार्यालय परियोजना बंजी, ग्वालियर संभाग क्र. 02, मकान नं. सी-31, कुलपति निवास के सामने, गोविन्दपुरी चौराहा, सचिन तेन्दुलकर रोड, सिटी सेंटर, ग्वालियर पिन-474011

निविदा आमंत्रण सूचना-14/2022-23

कार्यालय मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम संभाग, ग्वालियर क्र. 2 द्वारा निर्माण कार्य हेतु निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 14/2022-23 के अन्तर्गत ऑनलाइन निविदा को कार्यवाही की गई है। जिसका ऑनलाइन निविदा क्र. 2022_MPPHC_226170_1 है। निविदा प्रपत्र दिनांक 17.10.2022 तक खरीदे जा सकते हैं। जिसकी विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण Portal : <https://www.mptenders.gov.in> पर देखी जा सकती है।

म.प्र. माध्यम/106738/47642/2022

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिये महत्वपूर्ण प्रश्न

सामान्य ज्ञान - खेल

- वर्ल्ड एथलेटिक्स चैम्पियनशिप-2022 में भाला फेंक स्पर्धा के स्वर्ण पदक विजेता हैं।
(अ) नीरज चोपड़ा (ब) अरशद नदीम (स) एंडरसन पीटर्स (द) जोहानेस बेटर
- सूर्य कुमार यादव ने टी-20 क्रिकेट में किस देश के खिलाफ शतक बनाया है?
(अ) अफगानिस्तान (ब) इंग्लैंड (स) जिम्बाब्वे (द) पाकिस्तान
- वर्ष 2023 में चीन के किस शहर में एशियाई खेल आयोजित होंगे?
(अ) हांगझोउ (ब) शंघाई (स) ग्वांगझोउ (द) बीजिंग
- होपमैन कप किस खेल की एक लोकप्रिय प्रतियोगिता है?
(अ) बैडमिंटन (ब) टेबल टेनिस (स) स्क्वाश (द) टेनिस
- इस वर्ष क्रिकेट एशिया कप किस देश में आयोजित किया गया था?
(अ) यूएई (ब) बांग्लादेश (स) हांगकांग (द) मलेशिया
- वॉशिंगटन ओपन-2022 का खिताब किस खिलाड़ी ने जीता है?
(अ) केई निशिकोरी (ब) निक किर्गियॉस (स) मिलोस राओनिक (द) जेनिक सिमर
- एफआईएच हॉकी वर्ल्डकप-2018 में किस सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया था?
(अ) विवेक सागर प्रसाद (ब) ब्लैक गोवर्स (स) आर्थर वान डोरन (द) इनमें से कोई नहीं
- कैम्पर रूड किस देश के प्रसिद्ध टेनिस खिलाड़ी हैं?
(अ) युकेन (ब) नॉर्वे (स) चेक रिपब्लिक (द) ब्रिटेन
- ग्रीको रोमन किस खेल की एक स्पर्धा है?
(अ) कबड्डी (ब) तैराकी (स) कुश्ती (द) वास्केटबॉल
- सौरव गांगुली ने किस देश के खिलाफ अपने टेस्ट पदार्पण मैच में शतक बनाया था?
(अ) दक्षिण अफ्रीका (ब) वेस्ट इंडीज (स) श्रीलंका (द) इंग्लैंड
- इस वर्ष इंडोनेशिया ओपन में महिला एकल वर्ग की चैम्पियन बनी हैं।
(अ) ताई जू यिंग (ब) आन से यंग (स) ली जुरूई (द) अकाने यामागुची
- हायना एशर स्मिथ किस देश की दिग्गज महिला फर्राट धाविका हैं?
(अ) अमेरिका (ब) ब्रिटेन (स) जमैका (द) दक्षिण अफ्रीका
- इस वर्ष वर्ल्ड एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में पुरुष डेकाथलॉन स्पर्धा में चैम्पियन बने हैं।
(अ) पियर्स लिपेज (ब) काइल गारलैंड (स) केविन मायर (द) इनमें से कोई नहीं
- वर्ष 2021 में किस खिलाड़ी ने पेरिस मास्टर्स में पुरुष एकल खिताब जीता था?
(अ) राफेल नडाल (ब) नोवाक जाकोविच (स) केविन मायर (द) डेनिल मेदवेदेव
- भारतीय महिला क्रिकेट टीम की वर्तमान कप्तान हैं।
(अ) हरमनप्रीत कौर (ब) स्मृति मंधाना (स) शोफाली वर्मा (द) तानिया भाटिया
- ओलंपिक खेलों की शुरुआत किस वर्ष में हुई थी?
(अ) वर्ष 1890 (ब) वर्ष 1892 (स) वर्ष 1896 (द) वर्ष 1898
- इस वर्ष किस खिलाड़ी ने यूएस ओपन का खिताब जीता है?
(अ) राफेल नडाल (ब) कार्लोस अल्कराज (स) डेनिल मेदवेदेव (द) इनमें से कोई नहीं
- इनमें से कौन भारतीय क्रिकेट टीम के पहले कप्तान थे?
(अ) सी.के. नायडू (ब) लाला अमरनाथ (स) विशन सिंह वेदी (द) वीनू मांकड़
- वर्ष 2021 में इटैलियन ग्रैंड प्री फॉर्मूला-वन रेस के विजेता बने थे।
(अ) मैक्स वेस्टर्पन (ब) लुईस हैमिल्टन (स) वाल्टेरी बोटास (द) डेनियल रिकियाडॉ
- इनमें से कौन भारतीय खिलाड़ी टेनिस से संबंधित नहीं हैं?
(अ) महेश भूपति (ब) लिण्डर पेस (स) पुल्लेला गोपीचंद (द) रोहन बोपन्ना
- एंड्री रॉडिक किस देश के टेनिस स्टार रह चुके हैं?
(अ) ब्रिटेन (ब) अमेरिका (स) मिलास (द) एस्टोनिया
- वर्ष 2019 में फीफा महिला वर्ल्डकप किस देश में आयोजित किया गया था?
(अ) फ्रांस (ब) कनाडा (स) जर्मनी (द) अमेरिका
- अमेरिका के महान खिलाड़ी मोहम्मद अली किस खेल से संबंधित हैं?
(अ) टेनिस (ब) कुश्ती (स) एथलेटिक्स (द) मुक्केबाजी
- इस वर्ष वर्ल्ड जूनियर कुश्ती चैम्पियनशिप किस देश में आयोजित की गई थी?
(अ) फिनलैंड (ब) जापान (स) बुल्गारिया (द) क्रोएशिया
- वन-डे अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे बड़ी पारी खेलने वाले बल्लेबाज हैं?
(अ) मार्टिन गुप्टिल (ब) ब्रायन लारा (स) वीरेन्द्र सहवाग (द) रोहित शर्मा

उत्तर

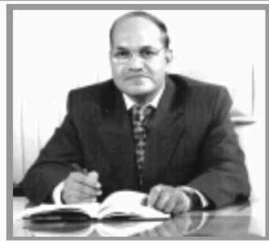
- (स), 2. (ब), 3. (अ), 4. (द), 5. (अ), 6. (ब), 7. (स), 8. (ब), 9. (स), 10. (द), 11. (अ), 12. (ब), 13. (स), 14. (ब), 15. (अ), 16. (स), 17. (ब), 18. (अ), 19. (द), 20. (स), 21. (ब), 22. (अ), 23. (द), 24. (स), 25. (द)

- पुष्पेंद्र कुमार सविता

(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी वाले विषयों पर लेखन करते हैं।)

प्रकृति से लगाव है, तो बनाएं वन्य जीव संरक्षण में कैरियर

‘रोज़गार और निर्माण’ के पाठकों के लिये ‘कैरियर की राहें’ नाम से उपयोगी स्तंभ लगातार प्रकाशित किया जा रहा है। अच्छे कैरियर के लिये जरूरी है कि युवा कैरियर की विभिन्न विधाओं से परिचित हों और अपनी रुचि, योग्यता और क्षमताओं के अनुरूप अपने लिये उपयुक्त कैरियर का निर्धारण करें। पिछले 40 वर्षों से नई पीढ़ी के लिये कैरियर संबंधी विषयों पर नियमित लेखन कर रहे, डॉ. जयंतीलाल भंडारी युवाओं को कैरियर के विभिन्न अवसरों से परिचित कराते हुये आगे बढ़ने का मार्गदर्शन दे रहे हैं।



यकीनन हमारे देश में जैसे-जैसे वन्य जीवों के संरक्षण के लिए सरकार के कदम आगे बढ़ रहे हैं, वैसे-वैसे प्रकृति से लगाव रखने वाले युवाओं के लिए कैरियर के मौके बढ़ते जा रहे हैं। गौरतलब है कि विगत 17 सितंबर 2022 को मध्यप्रदेश के श्योपुर स्थित कूनों राष्ट्रीय पार्क में नामीबिया से आए 8 चीतों को छोड़ने के बाद पीएम नरेन्द्र मोदी ने कहा कि इन चीतों के जरिए हमारे जंगल का एक बड़ा शुन्य भर रहा है। उन्होंने कहा कि आज हम पूरे दुनिया को संदेश दे रहे हैं कि हम दुनिया की सबसे बड़ी पांचवीं अर्थव्यवस्था के साथ वन्य जीवों के संरक्षण और पर्यावरण के साथ विकास की डगर को तेजी से आगे बढ़ा रहे हैं।

प्राथमिकता की वजह से बड़े

रोज़गार के मौके

गौरतलब है हमारे देश में वन्य जीव संरक्षण का लगातार प्रोत्साहन दिया जा रहा है। वस्तुतः भारत दुनिया के बारह मंगा जैव विविधता संपन्न देशों में शामिल है। हमारे देश का वन्य जीव पूर्वोत्तर भारत के सदाबहार वनों से लेकर हिमालय के हरे-भरे जंगलों तथा पश्चिमी घाटों तक फैला हुआ है। इसे देखते हुए वन्य जीव संरक्षण विज्ञान (वाइल्ड लाइफ कंजर्वेशन साइंस) में कैरियर की उजली संभावनाएं निर्मित हो गई हैं। वन्य जीव के अंतर्गत ऐसे प्राणी या जलीय जीव आते हैं जो किसी तरह के प्राकृतिक अधिवास में रहते हैं। वर्तमान समय में वन्य जीव तथा वन्य जीवन के लिए भारी खतरा उत्पन्न हो गया है। इनमें प्रमुख हैं- वन्य जीवों का शिकार,

उनकी शरणस्थली का नष्ट होना, दुर्घटनाएं तथा वन्य जीवों की स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां हैं। इसे देखते हुए इन सभी परेशानियों को वैज्ञानिक ढंग से हल करना बहुत आवश्यक हो गया है। इसी के चलते वन्य जीव संरक्षण विज्ञान का विकास हुआ है। अभी हमारे देश में पांच प्रतिशत एरिया ही संरक्षित है, जिसमें दो प्रतिशत ही बहुत अच्छा है।

स्थिति यह है कि देश में जंगल लगातार



कम हो रहे हैं। जंगल कम होने से वन्य जीवों की संख्या भी लगातार कम हो रही है। ऐसे में इन्हें बचाये रखने की आवश्यकता लगातार महसूस की जा रही है। जंगलों का क्षेत्रफल घटने से इसका असर पर्यावरण पर पड़ रहा है, अतएव वाइल्डलाइफ और जंगलों के संरक्षण/रखरखाव पर अधिक जोर दिया जा रहा है।

वन्य जीव संरक्षण में कैरियर की स्किल्स

वन्य जीव संरक्षण विज्ञान में अच्छा कैरियर बनाने के लिए वन्य जीवों के प्रति लगाव, प्रकृति में गहरी रुचि, धैर्य, पूर्ण समर्पण तथा साहसिक कार्यों के लिए सक्षम

होना अति आवश्यक है। वन्य जीव संरक्षण विज्ञान पाठ्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य ऐसे वन्य जीव संरक्षण विशेषज्ञ तैयार करना है जो कि वन्य जीवों और उनके आवासों के संरक्षण तथा उन्नयन को वैज्ञानिक ढंग से अंजाम दे सकें।

वन्य जीव संरक्षण के क्षेत्र में प्रमुख कैरियर विकल्प

वन्य जीव संरक्षण के क्षेत्र में विभिन्न प्रकार के कैरियर विकल्प उपलब्ध हैं। वन्य जीव संरक्षण प्राकृतिक संसाधनों को उन सिद्धांतों के साथ जोड़कर कार्य करते हैं जिससे उनके उच्चतम सामाजिक तथा आर्थिक लाभ सुनिश्चित हो सकें। आप यूपीएससी द्वारा आयोजित आईएफएस (इंडियन फॉरेस्ट सर्विस) और राज्य सरकारों के द्वारा आयोजित वन सेवा परीक्षा से वन संरक्षक अफसर बन सकते हैं। वन्य जीव संरक्षण से संबंधित शैक्षणिक संस्थाओं में अध्यापन कर सकते हैं। इस विषय से संबंधित रिसर्च के बाद में अच्छा कैरियर बना सकते हैं। अपनी ऐसी अच्छी प्रोफाइल से अपनी योग्यतानुसार वन्य जीव संरक्षण से संबंधित सरकारी विभागों/संस्थानों में नौकरी पा सकते हैं।

यह महत्वपूर्ण है कि वन्य जीव वैज्ञानिक बनकर वन्य जीव वैज्ञानिक पारिस्थितिकी, गणना, व्यवहार और शरीर विज्ञान, वन्य जीवों के रोगों, वन्य जीव बंदी और रोकथाम, पशु आवास, प्रजनन, पुनर्वास, फॉरेस्टिक, संरक्षण और प्रबंधन से जुड़े पहलुओं का अध्ययन और नई-नई खोज करने का काम किया जा सकता है। वन्य जीव प्रबंधक

बनकर वन्य जीवों और उनके आवासों पर वैज्ञानिक और तकनीकी सिद्धांतों का अनुप्रयोग करके वन्य जीवों की संख्या को



वन्य क्षेत्र एवं वैज्ञानिक उद्देश्यों के लिए बरकरार रखे जाने का काम किया जा सकता है। यह महत्वपूर्ण है कि वर्ल्ड वाइल्डलाइफ फंड, पीपल्स फॉर एथिकल ट्रीटमेंट ऑफ एनिमल्स आदि कई संगठन भारतीय वन्य जीव संरक्षण क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों को अमेरिका, वियतनाम, दक्षिण अफ्रीका आदि अन्य देशों में कार्य के लिए नियुक्त करते हैं। वन्य जीव संरक्षण के लिए कार्यरत विभिन्न सरकारी तथा गैर सरकारी संगठनों में रोजगार के व्यापक अवसर हैं। स्वरोजगार के तौर पर वाइल्डलाइफ सेक्टर में नेचर गाइड बनकर, अपना एनजीओ या क्लब/ग्रुप आदि शुरू करके भी अच्छा कैरियर बना सकते हैं। इसके अलावा, वाइल्डलाइफ फोटोग्राफी भी एक अच्छा विकल्प है।

वन्य जीव संरक्षण संबंधी विभिन्न कोर्स

वर्तमान समय में देश में वन्य जीव संरक्षण के तहत विशेषज्ञ तैयार करने के

लिए विशिष्ट डिग्री पाठ्यक्रम भी संचालित किए जा रहे हैं। वन्य जीव संरक्षण विज्ञान में कैरियर बनाने हेतु वन्य जीव संरक्षण विज्ञान का कोर्स करना जरूरी है। इस हेतु जीव विज्ञान (बायोलॉजी) समूह या फोरेस्ट्री में स्नातक या समकक्ष योग्यता होना आवश्यक है। कई यूनिवर्सिटीज में एमएससी एनवायरनमेंटल साइंस, एमएससी वाइल्डलाइफ जैसे कोर्स कराये जा रहे हैं। यह बैसिक डिग्री कोर्स है, जिसे करके रिसर्च में आ सकते हैं। कुछ संस्थानों द्वारा वन्य जीवों के विभिन्न पहलुओं से जुड़े अन्य पाठ्यक्रम जैसे स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम भी उपलब्ध हैं। अधिकतर विश्वविद्यालयों/संस्थानों के पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया के तहत लिखित परीक्षा आयोजित की जाती है जिसमें सफल उम्मीदवारों को साक्षात्कार में सम्मिलित होना होता है जिसमें सफल होकर वन्य जीव संरक्षण विज्ञान के पाठ्यक्रम में प्रवेश लिया जा सकता है।

उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश सहित संपूर्ण देश में वन्य जीव संरक्षण विज्ञान का कोर्स कराने वाले कई संस्थान कार्यरत हैं। इनमें पोस्ट ग्रेजुएशन, ग्रेजुएशन, डिप्लोमा और सर्टिफिकेट के कई कोर्स उपलब्ध हैं। स्टूडेंट्स अपनी रुचि, योग्यता और क्षमता के अनुरूप वन्य जीव संरक्षण से संबंधित उपयुक्त संस्थान और उपयुक्त कोर्स का चयन करके कैरियर की डगर पर आगे बढ़ सकते हैं।

- डॉ. जयंतीलाल भंडारी

(लेखक कैरियर मार्गदर्शन के लिये लिफ्टा बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में प्रतिष्ठित हैं।)

संजय-दुबरी टाइगर रिजर्व और सोन घड़ियाल हैं सीधी की पहचान

सीधी, मध्यप्रदेश के रीवा संभाग का एक जिला है। जिले का गठन 01 नवंबर 1956 को मध्यप्रदेश के पुनर्गठन के साथ ही किया गया था। यह जिला राज्य के गौरवपूर्ण इतिहास का प्रतिबिंब है, यह राज्य की उत्तर-पूर्वी सीमा बनाता है। इस जिले के उत्तर में रीवा जिला, दक्षिण में छत्तीसगढ़ राज्य, पूर्व में सिंगरौली और पश्चिम में शहडोल एवं सतना जिला स्थित है।

सीधी जिला प्राकृतिक, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक इतिहास का भंडार है। यह जिला कलकत्ता बहने वाली सोन नदी के आसपास बनते शानदार प्राकृतिक परिवेश और संसाधनों के लिए जाना जाता है। यह जिला महान संस्कृत कवि बाणभट्ट और अकबर के नौ रत्नों में से एक बीरबल की जन्म स्थली भी है। क्षेत्र में स्थित संजय-दुबरी राष्ट्रीय उद्यान और टाइगर रिजर्व एवं सोन घड़ियाल अभ्यारण्य वन्य प्राणियों की विविधता के लिए देशभर में जाने जाते हैं।

इतिहास

सीधी जिला छठवीं शताब्दी तक प्रतिहारों के प्रभुत्व में रहा है। सातवीं शताब्दी के अंत में कन्नुरियों का प्रभाव स्थापित हुआ। 16वीं शताब्दी में यह बघेलों के अधिपत्य में चला गया। 18वीं सदी में, सीधी के तीन अलग-अलग शासक थे, जो क्षेत्र के तीन हिस्सों पर शासन करते थे। इस जिले के सिहावल एवं बघोर क्षेत्र में खुदाई से उच्च पुरापाषाणकाल से संबंधित अनेक औजारों के अवशेष प्राप्त हुए हैं।

सोन घाटी का यह क्षेत्र पुरातात्विक शोध के क्षेत्र में अपना अलग महत्व रखता है। जिले के रामपुर नैकिन में चंद्रह ग्राम में 972 ई. में निर्मित प्राचीन शैव मंदिर एवं मठ स्थित हैं। यह मंदिर चेदि शासकों के गुरु प्रबोध शिव, जो मत्त-मथुर नामक प्रसिद्ध शैव संप्रदाय से संबंधित थे, ने साधना एवं शैव सिद्धांत के प्रचार हेतु स्थापित किया था। मंदिर से जुड़ी हुई संरचना बालुका पत्थर से निर्मित एक मठ है जिसमें इसके निर्माणकाल से संबंधित दो प्राचीन संस्कृत शिला लेख लगे हैं। इस संप्रदाय द्वारा अनेक मंदिर स्थापित किये गये। जिनमें कदवाहा मंदिर, अशोकनगर एवं सुरवाया मंदिर, शिवपुरी प्रमुख हैं। चंद्रह शैव मंदिर सोन एवं बनास नदी के संगम के निकट स्थित है, वर्तमान में यह भारतीय पुरातात्विक सर्वेक्षण द्वारा संधारित है।

अर्थव्यवस्था

सीधी जिले में लाल और काली मिट्टी पाई जाती है। यहां मुख्य रूप से गेहूँ, चावल, तिल और अरहर दाल की खेती की जाती है। जिले में स्थित कोयले की प्रसिद्ध खदानें भी हैं। क्षेत्र में सिंचाई का प्रमुख स्रोत बरचर बांध है। संजय टाइगर रिजर्व के बकर जोन में स्थित इस बांध में मछली पालन भी किया जाता है। सीधी जिले में मध्यप्रदेश का सबसे अच्छी गुणवत्ता का कोरंडम (एल्यूमीनियम का अयस्क) पाया जाता है। यहां बड़ी मात्रा में कोयला, बेराइट्स और चूना पत्थर भी मिलता है।

सीधी, पारंपरिक पंजा दरी और कालीन बुनकरों का घर है। उच्च गुणवत्ता, सुंदर डिजाइनों, जीवंत रंग, समृद्ध परंपरा के कारण यहां की दरियां और कालीन सीधी की पहचान बन चुके हैं। सीधी के सिहावल ब्लॉक में कलस्टर में लगभग 40 पंजा दरी और कालीन बुनाई इकाइयां हैं।

अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर लगने वाले मेलों के माध्यम से यह कला दूर-दूर तक प्रसिद्ध हो गई है।

सीधी जिला प्रमुख तथ्य

1. जिले का गठन - 01 नवम्बर 1956
2. संभाग - रीवा
3. जिला मुख्यालय - सीधी
4. क्षेत्रफल - 4851 वर्ग किलोमीटर
5. जनसंख्या - 1127033 (पुरुष- 575912, महिलाएं 551121)
6. लिंग अनुपात - 957
7. जनसंख्या घनत्व - 232 प्रति वर्ग किलोमीटर
8. साक्षरता - 64.43%
9. तहसीलें - 7 (कुसमी, चुरहट, मझौली, रामपुर नैकिन, गोपद बनास, सिहावल एवं बहरी)
10. विकासखंड - 5
11. पटवारी हलकों की संख्या - 411
12. ग्राम - 1092
13. जनपद पंचायत संख्या - 5
14. नगर पालिका - 1 (सीधी)
15. विधानसभा क्षेत्र - 4 (चुरहट, सीधी सिहावल, धौहरी)

16. लोकसभा क्षेत्र - 1 (सीधी)
17. भाषा एवं बोली - हिन्दी, बघेली, गोंडी (सभी आंकड़े 2011 की जनगणना के अनुसार)

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

- सीधी जिले के जैव-विविधतापूर्ण वन क्षेत्र को संरक्षित करने की दृष्टि से वर्ष 1975 में संजय-दुबरी राष्ट्रीय उद्यान एवं टाइगर रिजर्व की स्थापना की गई थी। सदाबहार साल वनों का यह क्षेत्र विविध प्रजातियों के वन्य जीवों, विशेषकर बाघों का आश्रयस्थल है। 831 वर्ग किमी. से अधिक क्षेत्रफल में फैला यह क्षेत्र अपनी समृद्ध जैव विविधता के लिए प्रसिद्ध है।
- सीधी जिले का सोन घड़ियाल अभ्यारण्य प्रोजेक्ट क्रोकोडाइल के अंतर्गत घड़ियाल संरक्षण एवं जनसंख्या वृद्धि हेतु स्थापित किया गया है। सोन नदी का 161 किमी. बनास नदी का 23 किमी. और गोपद नदी का 26 किमी. का क्षेत्र मिलाकर कुल 210 किमी. क्षेत्र को 1981 में अभ्यारण्य बनाया गया था।
- यहां के रेतीले पर्यावास (जैसे रेतीले तट, नदी द्वीप आदि) अनेक संकटग्रस्त जीवों जैसे घड़ियाल, नर्म खोल वाले भारतीय कछुए, भारतीय स्किमर आदि के लिए प्रमुख आश्रय स्थान हैं। सोन अभ्यारण्य में दर्ज लगभग 101 पक्षियों

की प्रजातियां इसे जलीय एवं पक्षी जैवविविधता से भरपूर बनाती हैं।

- सीधी जिला मुख्यालय से करीब 60 किमी. दूर मझौली विकासखंड में बनास नदी के तट पर स्थित परसिली रिसॉर्ट, रेतीले तटों और हरियाली के लिए प्रसिद्ध है। संजय राष्ट्रीय उद्यान एवं टाइगर रिजर्व के ग्राम्भ बिंदु पर स्थित यह क्षेत्र सफारी और पक्षी दर्शन के लिए भी जाना जाता है। बगदरा अभ्यारण्य, भंवर सेन संगम स्थल, बरदी का किला एवं तुरा जलप्रपात जिले के एक अन्य रमणीय पर्यटन स्थल हैं।
- सीधी जिले से मुख्य रूप से सोन व बनास नदियां निकलती हैं। बनास आगे सोन नदी में जाकर मिल जाती है। सोन नदी पर निर्मित बाण सागर परियोजना से सीधी, रीवा, शहडोल एवं आसपास के जिले लाभान्वित हैं। जिले की गुलाब सागर (महान नहर) परियोजना महान नदी पर स्थित है।
- सीधी जिले के गोपद बनास तहसील क्षेत्र में स्थित घोघरा एक प्रमुख धार्मिक और ऐतिहासिक स्थल है। यहां हर साल मार्च-अप्रैल के महीने में चंडी देवी का मेला (मठ घोघरा मेला) लगता है। माँ चंडीदेवी को पार्वती का अवतार माना जाता है।

रीता मोदी

(लेखिका, समसामयिक विषय पर लेखन कार्य करती हैं।)

नर्सिंग प्रवेश चयन परीक्षा के लिए महत्वपूर्ण प्रश्न

भौतिकी

- (1) ताप-वैद्युत युग्म का उदासीन ताप 170°C तथा ठण्डी संधि का ताप 20°C है। इसके व्युत्क्रमण ताप का मान होगा :
(A) 540°C (B) 520°C
(C) 560°C (D) 250°C
उत्तर - (A) 520°C है।
यहां $T_1 = 2T_2 - T_c$
 $= 540 - 20 = 520^{\circ}\text{C}$ है।
- (2) दो विद्युत बलों के प्रतिरोधों का अनुपात 1:1 है। इन्हें समान्तर क्रम में एक नियत वोल्टेज के साथ जोड़ा गया है। इनमें व्यक्ति शक्ति का अनुपात होगा :
(A) 1:1 (B) 4:1
(C) 2:1 (D) 1:4
उत्तर - (C) 2:1 है।
यहां $\frac{P_1}{P_2} = \frac{R_2}{R_1} = \frac{2}{1}$ है।
- (3) एक फ्यूज तार का प्रतिरोध R तथा गलनांक M है। तार के लिए सही कथन है :
(A) R अधिक तथा M अल्प
(B) R तथा M दोनों अधिक
(C) R तथा M दोनों अल्प
(D) R अल्प तथा M अधिक
उत्तर - (A) R अधिक तथा M अल्प है।
- (4) प्रेरकत्व का मात्रक है :
(A) वोल्ट $\times$ सेकण्ड
(B) वोल्ट $\times$ एम्पीयर सेकण्ड
(C) वोल्ट $\times$ सेकण्ड एम्पीयर
(D) एम्पीयर $\times$ सेकण्ड
उत्तर - (C) वोल्ट $\times$ सेकण्ड एम्पीयर है।
यहां $X_L = 2\pi fL$ से $L = \frac{X_L}{f}$
है। अतः $L = R \times T = \frac{VT}{I}$
होगा।
- (5) दो प्रेरकत्वों को समान्तर क्रम में जोड़ने पर तुल्य प्रेरकत्व 2.4 हेनरी तथा श्रेणी क्रम में जोड़ने पर 10 हेनरी है। इन प्रेरकत्वों में अन्तर है :
(A) 6 हेनरी (B) 4 हेनरी
(C) 3 हेनरी (D) 2 हेनरी
उत्तर - (D) 2 हेनरी है।
यहां $L_s = L_1 + L_2 = 10$ तथा
 $L_p = \frac{L_1 L_2}{L_1 + L_2}$ है। अतः
 $2.4 = \frac{L_1 L_2}{10}$ से $L_1 L_2 = 24$
होगा। अतः $4 = 6$ तथा $L_1 = 6$ है।
- (6) क्षेत्रफल A की एक कुण्डली चुम्बकीय क्षेत्र में रखी है। यदि समय t में चुम्बकीय क्षेत्र का मान B_0 से $4B_0$ हो जाता है, तो कुण्डली में प्रेरित विभवांतर बल का मान होगा :
(A) $\frac{3B_0 A}{t}$
(B) $\frac{4AB_0}{t}$
(C) $\frac{4B_0}{At}$
(D) $\frac{3At}{B_0}$
उत्तर - (A) $\frac{3B_0 A}{t}$ है। यहां
 $\mathcal{E} = -\frac{d\phi}{dt} = \frac{4B_0 A - B_0 A}{t}$ है।
- (7) एक 50 mH की कुण्डली में 2 एम्पीयर की धारा प्रवाहित की जाती है। इसमें संचित ऊर्जा होगी :
(A) 1.0 जूल (B) 0.5 जूल
(C) 0.1 जूल (D) 1.5 जूल
उत्तर - (A) 1.0 जूल है। यहां
 $W = \frac{LI^2}{2} = \frac{50 \times 10^{-3} \times 4}{2} = 0.1$ है।
- (8) 200 फेरों वाली कुण्डली में 1.5 एम्पीयर धारा प्रवाहित करने पर उससे सम्बद्ध चुम्बकीय फ्लक्स का मान 1.5×10^{-5} वेबर है। कुण्डली का स्वप्रेरकत्व होगा :
(A) 10^{-2} हेनरी
(B) 10^{-4} हेनरी
(C) 1.0 हेनरी
(D) 10^{-5} हेनरी
उत्तर - (D) 10^{-5} हेनरी है।
यहां $\phi = LI$ से
 $L = \frac{\phi}{I} = \frac{1.5 \times 10^{-5}}{1.5}$ है।
- (9) एक क्षयहीन ट्रांसफार्मर की प्राथमिक कुण्डली में 500 फेरे तथा द्वितीयक कुण्डली में 2500 फेरे हैं। यदि द्वितीयक कुण्डली के सिरों पर विभवान्तर 200 वोल्ट हो, तो प्राथमिक कुण्डली के सिरों पर निवेशी विभव होगा :
(A) 80 वोल्ट
(B) 20 वोल्ट
(C) 40 वोल्ट
(D) 100 वोल्ट
उत्तर - (C) 40 वोल्ट है। यहां
 $\frac{V_s}{V_p} = \frac{N_s}{N_p}$ से $\frac{200}{V_p} = \frac{2500}{500}$
होगा।
- (10) एक RL परिपथ में V विभवान्तर का प्रत्यावर्ती धारा स्रोत लगाया गया है। यदि $V_R = 200$ वोल्ट तथा $V_L = 150$ वोल्ट हों, तो V का मान होगा :
(A) 100 वोल्ट
(B) 250 वोल्ट
(C) 220 वोल्ट
(D) 300 वोल्ट
उत्तर - (B) 250 वोल्ट है। यहां
 $V^2 = V_R^2 + V_L^2$
 $= (200)^2 + (150)^2$ से
 $V = 250$ है।
- (11) एक 4000 हर्ट्ज आवृत्ति के प्रत्यावर्ती धारा स्रोत को $25\mu\text{F}$ धारिता के संधारित्र के साथ जोड़ा गया है। संधारित्र की प्रतिघात होगी :
(A) $\frac{5}{\pi}$ (B) $\frac{5}{2\pi}$
(C) $\frac{10}{\pi}$ (D) 100 π
उत्तर - (A) $\frac{5}{\pi}$ है।
यहां प्रतिघात $X_C = \frac{1}{2\pi fC}$
 $= \frac{1}{2\pi \times 4000 \times 25 \times 10^{-6}}$
 $= \frac{5}{\pi}$ है।
- (12) एक विद्युत मोटर पर 200 वोल्ट का विभव लगाने पर 160 वोल्ट प्रतिक्ल विभवांतर बल उत्पन्न होता है। मोटर की दक्षता है :
(A) 40% (B) 60%
(C) 80% (D) 50%
उत्तर - (C) 80% है। यहां दक्षता
 $\eta = \frac{e \times 100}{E} = \frac{160 \times 100}{200} = 80$ है।
- (13) एक प्रकाश विद्युत पदार्थ पर v आवृत्ति का प्रकाश आपतित होता है। यदि पदार्थ की दहली आवृत्ति v_0 हो, तो इसका कार्य फलन होगा :
(A) $h(v - v_0)$ (B) $h v_0$
(C) $h(v + v_0)$ (D) $\frac{h v_0}{v}$
उत्तर - (B) $h v_0$ है।
- (14) m द्रव्यमान तथा q आवेश वाले कण को V विभवान्तर से त्वरित किया गया है। इस कण की डी-ब्रोग्ली तरंगदैर्घ्य के लिए सही कथन है :
(A) $\lambda \propto v$
(B) $\lambda \propto m, \lambda \propto \frac{1}{v}$
(C) $\lambda \propto \frac{1}{\sqrt{m}}, \lambda \propto v$
(D) $\lambda \propto \frac{1}{\sqrt{m}}, \lambda \propto \frac{1}{\sqrt{v}}$
उत्तर - (D) $\lambda \propto \frac{1}{\sqrt{m}}, \lambda \propto \frac{1}{\sqrt{v}}$ है।
यहां $\lambda = \frac{h}{\sqrt{2mgv}}$ है।
- (15) जर्मनियम तथा सिलिकॉन अर्धचालक हैं। वजित ऊर्जा अन्तराल के मान हैं, क्रमशः
(A) 0.7 eV, 1.1 eV
(B) 1.8 eV, 0.7 eV
(C) 0.9 eV, 0.5 eV
(D) 1.0 eV, 0.3 eV
उत्तर - (A) 0.7 eV, 1.1 eV है।
- (16) किसी अर्धचालक डायोड में अप्रगामी विभव का मान दुगुना कर दिया जाये, तो अवक्षय पत की मोटाई हो जायेगी :
(A) दोगुनी (B) चार गुनी
(C) 1/4 गुनी (D) आधी
उत्तर - (D) आधी।
- (17) प्रत्यावर्ती धारा के द्विष्टकरण के लिए प्रयुक्त करते हैं :
(A) संधारित्र (B) ट्रायोड
(C) डायोड (D) ट्रांसफार्मर
उत्तर - (C) डायोड।
- (18) एक फोटॉन की तरंगदैर्घ्य 5000 Å है। इसकी ऊर्जा होगी :
(A) 4×10^{-15} जूल
(B) 4×10^{-19} जूल
(C) 5×10^{-17} जूल
(D) 5×10^{-19} जूल
उत्तर - (B) 4×10^{-19} जूल है।
यहां ऊर्जा $E = \frac{hc}{\lambda}$ से
 $E = \frac{6.63 \times 10^{-34} \times 3 \times 10^8}{5000 \times 10^{-10}} = 4 \times 10^{-19}$ जूल है।
- (19) L_1 तथा L_2 स्वप्रेरकत्व वाली कुण्डलियों के बीच अन्योन्य प्रेरकत्व का मान होगा :
(A) $L_1 L_2$ (B) $\sqrt{\frac{L_1}{L_2}}$
(C) $\sqrt{L_1 L_2}$ (D) $\frac{L_2}{L_1}$
उत्तर - (C) $\sqrt{L_1 L_2}$ है।
- (20) तांबे के दो तारों की लम्बाई समान है। इनके व्यास का अनुपात 1:2 है। इन्हें श्रेणीक्रम में जोड़ने तथा स्थाई धारा प्रवाहित करने पर इनमें उत्पन्न ऊष्माओं का अनुपात होगा :
(A) 1:2 (B) 1:3
(C) 4:1 (D) 1:5
- उत्तर - (C) 4:1 है।
यहां $H = \frac{I^2 R t}{J}$ से
 $\frac{H_1}{H_2} = \frac{R_1}{R_2} = \frac{r_2^2}{r_1^2}$ है।
अतः $\frac{H_1}{H_2} = \left(\frac{2}{1}\right)^2 = 4$ है।
- (21) एक कुण्डली में व्यास के मान में 0.1 सेकण्ड में 5.0 एम्पीयर का परिवर्तन होता है। इसके कारण समीप रखी दूसरी कुण्डली में 5 मिली वोल्ट का प्रेरित विभवांतर बल उत्पन्न होता है। अतः कुण्डलियों के मध्य अन्योन्य प्रेरकत्व का मान होगा :
(A) 1.0 हेनरी
(B) 1.5 हेनरी
(C) 0.5 हेनरी
(D) 0.1 मिली हेनरी
उत्तर - (D) 0.1 मिली हेनरी।
यहां $\mathcal{E} = -M \frac{dI}{dt}$ से
 $5 \times 10^{-3} = M \times \frac{5}{0.1}$ होगा।
- (22) एक कण की गतिज ऊर्जा K तथा डी-ब्रोग्ली तरंगदैर्घ्य λ है। यदि गतिज ऊर्जा $\frac{K}{4}$ हो, तो इसकी तरंगदैर्घ्य होगी :
(A) 2 λ (B) $\frac{\lambda}{2}$
(C) 4 λ (D) $\sqrt{2} \lambda$
उत्तर - (A) 2 λ है। यहां
 $\lambda = \frac{h}{\sqrt{2mk}}$ से $\frac{\lambda_1}{\lambda_2} = \sqrt{\frac{K_2}{K_1}}$
होगा। अतः $\frac{\lambda_1}{\lambda_2} = \sqrt{\frac{K}{4 \times K}}$ से
 $\lambda_2 = 2 \lambda$ है।
- (23) एक फोटॉन की ऊर्जा E तथा संवेग P है। फोटॉन का वेग होगा।
(A) E P (B) $\frac{E}{P}$
(C) $\frac{P}{E}$ (D) $E P^2$
उत्तर - (B) $\frac{E}{P}$ है। यहां $E = mc^2$
तथा $P = mc$ से $\frac{E}{P} = C$ है।
- (24) निम्न परिपथों में किस में डायोड अग्र अभिनति में है :
(A) 1.0 v 2.0 v
(B) 0 v -3 v
(C) -2 v 0 v
(D) 2 v 4 v
उत्तर - (B) 0 v -3 v है।
- (25) एक विद्युत्प्रेरक पदार्थ में वर्णित ऊर्जा अन्तराल का मान होता है :
(A) 1.1 eV (B) 0.7 eV
(C) 5.0 eV (D) 0.9 eV
उत्तर - (C) 5.0 eV है।
- (26) आइन्सटीन का प्रकाश वैद्युत समीकरण है :
(A) $h v = \frac{m v^2}{2} + h v_0$
(B) $h v = m v^2 + h v_0$
(C) $h v = \frac{m v^2}{2} - h v_0$
(D) $\frac{m v^2}{2} = h(v + v_0)$
उत्तर - (A) $h v = \frac{m v^2}{2} + h v_0$ है।
- डॉ. एस.एस. पालीवाल
(लेखक, भौतिकी के अवकाश प्राप्त प्राध्यापक हैं)

अमरकंटक में किसानों को औषधीय पौधों की खेती के लिये किया जा रहा है प्रोत्साहित

भोपाल, अमरकंटक परिक्षेत्र के जनजातीय किसानों को औषधीय पौधों की खेती के लिये प्रोत्साहित किया जा रहा है। किसानों को तकनीकी परामर्श, सहयोग, प्रशिक्षण और मार्केट लिंकेज के लिये अनुपपुर जिला प्रशासन ने इंदिरा गांधी राष्ट्रीय द्रव्यबल विश्वविद्यालय एवं अन्य राष्ट्रीय संस्थाओं के साथ एमओयू साइन किये हैं। जिला प्रशासन ने आयुष विभाग के

सहयोग से 200 किसानों को औषधीय पौधों की खेती के लिये प्रशिक्षण दिलाया है। साथ ही अंतर्राष्ट्रीय कंपनी द्वारा क्षेत्र में औषधीय उत्पाद खरीदने के लिये अनुबंध भी किया गया है। वन विभाग द्वारा 60 हेक्टेयर पर स्थानीय एवं औषधीय प्रजाति के करीब 5 हजार औषधीय पौधों का रोपण किया गया है। सर्वेक्षण में अमरकंटक क्षेत्र लेमन ग्रास, पामा रोजा और स्टिविया औषधीय पौधों की पैदावार के लिये अनुकूल पाया गया है।

करंज, पीपल और गुलमोहर के लगाए पौधे - मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने स्मार्ट सिटी उद्यान में 6 वर्षीय बेटे रिद्धि और जय श्री कल्याण वेलफेयर एजुकेशन सोसायटी के सदस्यों के साथ करंज, पीपल और गुलमोहर के पौधे लगाए। सोसायटी के सदस्य सर्वश्री यशवंत

सिंह राजपूत, योगेश सिंह राजपूत, राहुल गजभिरे, टिकू लाल मंडर्राई, मुनंदा सिंह और संतोष ब्रह्मभट्ट पौध-रोपण में शामिल हुए। सोसायटी, समाज-कल्याण के कार्यों के साथ धार्मिक और सांस्कृतिक गतिविधियों में सक्रिय है।

मध्यप्रदेश को रक्त संग्रहण में प्रथम स्थान प्राप्त होने पर बधाई - मुख्यमंत्री

भोपाल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जन्म-दिवस पर पूरे देश में हुए रक्तदान अमृत महोत्सव में मध्यप्रदेश को रक्त संग्रहण में प्रथम स्थान प्राप्त होने पर प्रदेशवासियों को बधाई दी है। केन्द्र सरकार के स्वास्थ्य विभाग द्वारा प्रधानमंत्री श्री मोदी के जन्म-दिवस पर 17 सितम्बर से एक अक्टूबर 2022 तक देश भर में रक्तदान

अमृत महोत्सव का आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि ऐसे पुण्य प्रयासों से ही जीवन समृद्ध और सार्थक होता है। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री मोदी की प्रेरणा से 'सेवा परमो धर्मः' को आत्म-सात कर मानवता की सेवा के पुनीत कार्य रक्तदान में अग्रतिम योगदान देने के लिए सभी रक्तदाता भाई-बहनों के प्रति आभार व्यक्त किया है।

भारतीय इस्पात प्राधिकरण लिमिटेड (SAIL)

भारत की शीर्ष कंपनियों में शामिल सेल ने किया रिकॉर्ड उत्पादन

देश की सार्वजनिक क्षेत्र की महारत्न स्टील उत्पादक कंपनी भारतीय इस्पात प्राधिकरण लिमिटेड (सेल) इस साल 2022 में अपनी स्थापना के 50वें साल का उत्सव मना रही है। सेल की स्थापना 24 जनवरी, 1973 हुई थी। अपने गठन के बाद से ही सेल देश में औद्योगिक विकास के लिए एक सुदृढ़ आधार तैयार करने में सहायक सिद्ध हुई है। इसके अतिरिक्त इसने तकनीकी तथा प्रबंधकीय विशेषज्ञता के विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है। सेल ने उपभोग करने वाले उद्योगों को निरन्तर कच्चा माल उपलब्ध करा कर आर्थिक विकास की अनेक प्रक्रियाएं प्रारम्भ की हैं। हाल ही में सेल की 50वीं वार्षिक आम बैठक में यह बताया गया कि वित्त वर्ष 2022 के दौरान सेल ने 18,733 मिलियन टन हॉट मेटल और 17,37 मिलियन टन कच्चे इस्पात का उत्पादन किया, जो अब तक का सर्वाधिक है। इसके साथ ही इस कंपनी ने पहली बार एक लाख करोड़ रुपये से अधिक के कारोबार वाली भारतीय कंपनियों के शीर्ष समूह में प्रवेश किया है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान 1.03 लाख करोड़ रुपए का कारोबार किया है, जोकि पिछले वित्त वर्ष (2020-21) के दौरान किए गए 68452 करोड़ रुपए के कारोबार की तुलना में 50 प्रतिशत अधिक है। पिछले तीन वर्षों के कारोबार में लगातार वृद्धि के साथ सेल एक लाख करोड़ रुपए से अधिक कारोबार वाली भारतीय कंपनियों के शीर्ष समूह में शामिल हो गई है।

‘आत्मनिर्भर भारत मिशन’ में है सेल का महत्वपूर्ण योगदान

सेल ने राष्ट्रीय महत्व की विभिन्न परियोजनाओं जैसे सेंट्रल विस्टा दिल्ली, मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल, दिल्ली-मेरठ आरआरटीएस, पोलावरम सिंचाई परियोजना, कालेश्वरम सिंचाई परियोजना, पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे, देशभर में कई मेट्रो रेल परियोजनाओं आदि के लिए स्टील की आपूर्ति की है। सेल ने 1.3 लाख टन से अधिक

लिक्विड मेटिकल ऑक्सीजन की आपूर्ति की है, मुख्य रूप से कोविड-19 की दूसरी लहर के दौरान इस कंपनी ने ऑक्सीजन आपूर्ति में काफी मदद की थी। सेल संयंत्रों ने अलग जंको कोविड केयर फेसिलिटी की स्थापना की थी, जिससे कोविड 19 डेडीकेटेड बेड्स की संख्या में वृद्धि हुई। सेल वैश्विक मानकों को पूरा करने के लिए कार्बन उत्सर्जन को कम करने के दिशा में कई कार्य कर रही है।

सेल ने भारत के स्वदेशी नौसैन्य युद्धपोतों आईएनएस ‘उदयगिरी’ और आईएनएस ‘युरत’ के लिए 4300 टन विशेष स्टील की आपूर्ति की है। सेल द्वारा आपूर्ति किए जाने वाले स्टील में डीएमआर 249-A ग्रेड प्लेट्स और एचआर शीट्स शामिल हैं। स्टील की पूरी मात्रा सेल के बोकारो, भिलाई और राउरकेला स्टील प्लांट्स से सप्लाई की गई है। यह भारत के ‘आत्मनिर्भर भारत मिशन’ में महत्वपूर्ण योगदान देने और आयात को प्रतिस्थापित करने की दिशा में, देश के प्रयासों को मजबूत करने के सेल के निरंतर प्रयासों की दिशा में एक और कदम है। सेल ने इससे पहले आईएनएस कमोर्ट सहित भारत की विभिन्न रक्षा परियोजनाओं के लिए विशेष गुणवत्ता वाले स्टील की आपूर्ति की है। सेल ने देश के पहले स्वदेशी रूप से निर्मित एयरक्राफ्ट कैरियर आईएनएस विक्रांत के लिए सारी डीएमआर ग्रेड स्पेशियलिटी स्टील की आपूर्ति की है। भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम चंद्रयान एवं मंगलयान के लिए भी सेल के इस्पात का उपयोग हुआ है।

वर्ष 2030 तक दुनिया की अग्रणी कंपनी बनने की है योजना

वर्ष 2022 देश के लिए एक ऐतिहासिक वर्ष है, आजादी के 75 गौरवशाली वर्षों में सेल का देश की तरक्की में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। आधुनिक भारत की यात्रा में सेल ने कई आसाधरण आयाम स्थापित किए हैं। इसने वर्ष 2030 तक स्टील उत्पादन के क्षेत्र में दुनिया की



अग्रणी कंपनी बनने की योजना तैयार कर ली है।

स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) और राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आरआईएनएल) के लिए इस्पात संयंत्रों के आधुनिकीकरण और विस्तार का पिछला चरण 2006-07 से 2018-19 के दौरान शुरू किया गया था। इससे कच्चे इस्पात की उत्पादन क्षमता 15.8 मिलियन टन प्रति वर्ष (एमटीपीए) से बढ़कर 26.9 एमटीपीए हो गई। इसके अलावा, राष्ट्रीय इस्पात नीति (एनएसपी) 2017 के 300 एमटीपीए इस्पात उत्पादन क्षमता के लक्ष्य के अनुसार 2030 तक सेल के कच्चे इस्पात उत्पादन की क्षमता को मौजूदा 20.63 एमटीपीए से बढ़ाकर 35.8 एमटीपीए करने के लिए आधुनिकीकरण और विस्तार की योजना तैयार की गई है। देश की मौजूदा वार्षिक कच्चे इस्पात उत्पादन की क्षमता 154.27 एमटी है। वर्ष 2030-31 तक एनएसपी के लक्ष्य के अनुसार इसे 300 एमटी तक पहुंचाने की परिकल्पना की गई है।

सार्वजनिक क्षेत्र की सबसे बड़ी 10 कंपनियों में से एक है सेल

स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) भारत में इस्पात निर्माण में लगी एक प्रमुख कंपनी है। यह पूर्णतः एकीकृत लोहे और इस्पात का सामान तैयार करती है। कंपनी में घरेलू निर्माण, इंजीनियरी, बिजली, रेलवे, मोटरगाड़ी और सुरक्षा उद्योगों तथा निर्यात वाजार में विक्री के लिए मूल्य

तथा विशेष, दोनों तरह के इस्पात तैयार किए जाते हैं। कारोबार के हिसाब से सेल देश में सार्वजनिक क्षेत्र की सबसे बड़ी 10 कंपनियों में से एक है। सेल अनेक प्रकार के इस्पात के सामान का उत्पादन और उनकी विक्री करती है। इनमें हॉट तथा कोल्ड रोल्ड शीट और कॉयल, जस्ता चढ़ी शीट, वैयुत शीट, संरचनाएं, रेलवे उत्पाद, प्लेट वार और रॉड, स्टेनलेस स्टील तथा अन्य मिश्र धातु इस्पात शामिल हैं। सेल अपने पांच एकीकृत इस्पात कारखानों और तीन विशेष इस्पात कारखानों में लोहे और इस्पात का उत्पादन करती है। कंपनी को भारत का दूसरा सबसे बड़ा लोह अयस्क उत्पादक होने का श्रेय भी प्राप्त है। इसके पास देश में दूसरा सबसे बड़ा खानों का जाल है। कंपनी के पास अपने लोह अयस्क, चूना-पत्थर और डोलोमाइट खानें हैं जो इस्पात निर्माण के लिए महत्वपूर्ण कच्चे माल हैं। सेल का अंतर्राष्ट्रीय व्यापार डिवीजन आईएसओ 9001: 2000 से प्रमाणित है। इसका कार्यालय नई दिल्ली में है।

सेल के एकीकृत इस्पात कारखानों की बात करें तो वे इस प्रकार हैं :- भिलाई इस्पात कारखाना (बीएसपी) छत्तीसगढ़ में, दुर्गापुर इस्पात कारखाना (डीएसपी) पश्चिम बंगाल में, राउरकेला इस्पात कारखाना (आरएसपी) ओडिशा में, बोकारो इस्पात कारखाना (बीएसएल) झारखण्ड में और इस्को स्टील प्लांट (आईएसपी) पश्चिम बंगाल में। वहीं विशेष इस्पात कारखाने इन जगहों पर मौजूद हैं :- मिश्र इस्पात कारखाना (एएसपी) पश्चिम बंगाल में, सेलम स्टील प्लांट (एसएसपी) तमिलनाडु में और विश्वेश्वरैया आयनर एंड स्टील प्लांट (वीआईएसएल) कर्नाटक में।

रांची में सेल का लोहे और इस्पात के लिए अनुसंधान एवं विकास केन्द्र (आरडीसीआईएस) है। यह केन्द्र इस्पात लोहे और इस्पात के नई तकनीक के विकास तथा इस्पात की गुणवत्ता में सुधार में मदद दे रहा है। इसके अलावा सेल का एक अपना इंजीनियरी तथा तकनीकी केन्द्र (सेल),

एक प्रबंध प्रशिक्षण संस्थान (एमटीआई) तथा सुरक्षा संगठन भी है। इनके कार्यालय रांची स्थित हैं। कोलकाता स्थित कच्चा माल डिवीजन सेल की निजी खानों का नियंत्रण करता है। सेल के पर्यावरण प्रबंधन डिवीजन और विकास डिवीजन के मुख्यालय कोलकाता में हैं। सेल के लगभग सभी इस्पात कारखाने और प्रमुख यूनिटें आईएसओ प्रमाणित हैं।

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

- 19 जनवरी, 1954 को हिन्दुस्तान स्टील प्रा. लि. की स्थापना की गई थी। हिन्दुस्तान स्टील का पंजीकृत कार्यालय आरम्भ में नई दिल्ली में था। 1956 में इसे कलकत्ता और 1959 में रांची ले जाया गया।
- 1973 में स्टील अथॉरिटी ऑफ इण्डिया लिमिटेड का गठन किया गया। 1978 में सेल का पुनर्गठन किया गया और इसे एक परिचालन कंपनी बनाया गया।
- सेल को इंस्टीट्यूट ऑफ डायरेक्टर्स द्वारा इस्पात क्षेत्र में वर्ष 2021 के लिए प्रतिष्ठित स्वर्ण मयूर (गोल्डन पीकोक) पर्यावरण प्रबंधन पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। सेल ने लगातार तीन वर्षों से इस पुरस्कार पर कब्जा जमाया था।
- इस समय श्रीमती सोमा मंडल सेल की अध्यक्ष हैं। इन्होंने 1 जनवरी, 2021 को पदभार ग्रहण किया था। श्रीमती सोमा मंडल को न केवल सेल की पहली महिला कार्यात्मक निदेशक होने का गौरव प्राप्त है, बल्कि वह कंपनी की पहली महिला अध्यक्ष भी हैं। श्रीमती सोमा मंडल ने वर्ष 2021-2023 के लिए स्कॉप के अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभाला है। वह स्कॉप की पहली महिला अध्यक्ष हैं।

- रश्मि रंजन

(लेखिका, समसामयिक मुर्वा पर लेखन करती हैं।)

मध्यप्रदेश बना देश का सबसे स्वच्छ राज्य

स्वच्छ शहर की उपलब्धियां गर्व का विषय - मुख्यमंत्री

नई दिल्ली, भारत सरकार द्वारा करवाये गये स्वच्छ सर्वेक्षण-2022 में हर साल की तरह मध्यप्रदेश ने एक बार फिर स्वच्छता के कीर्तिमान स्थापित किये। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने नई दिल्ली में आयोजित गरिमामय समारोह में मध्यप्रदेश को 100 से अधिक शहरों वाले राज्यों की श्रेणी में सबसे स्वच्छ राज्य और इंदौर को देश के स्वच्छतम शहर का अवॉर्ड प्रदान किया। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मू ने इस उपलब्धि पर मध्यप्रदेश को बधाई दी। उन्होंने इंदौर को छठवीं बार स्वच्छतम शहर का अवॉर्ड मिलने पर कहा कि इंदौर शहर के जन-भागीदारी के प्रयासों को सभी को अपनाया चाहिये। सबसे स्वच्छ शहर का अवॉर्ड इंदौर सांसद श्री शंकरलाल लालवानी और नगर निगम इंदौर की टीम तथा सबसे स्वच्छ प्रदेश का अवॉर्ड प्रमुख विधायक नगरीय विकास एवं आवास श्री मनीष सिंह एवं उनकी टीम ने प्राप्त किया।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने इस उपलब्धि पर कहा कि प्रदेशवासियों के लिये यह गर्व का विषय है। उन्होंने नागरिकों का अभिप्रेत करते हुए बधाई दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का भी आभार मानते हैं, जिन्होंने स्वच्छता के संकल्प पर निरंतर मार्गदर्शन प्रदान किया।

नगरीय विकास एवं आवास मंत्री

श्री भूपेन्द्र सिंह ने इस उपलब्धि पर नागरिकों, जन-प्रतिनिधियों और नगरीय निकायों के पूरे स्टाफ को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि मुख्यमंत्री के कुशल नेतृत्व के कारण मिली है। उन्होंने कहा कि पूरा विश्वास है कि प्रधानमंत्री के कुशल नेतृत्व और श्री चौहान के कुशल मार्गदर्शन में हम सब मिल कर आगे भी इस तरह की उपलब्धियां हासिल करते रहेंगे। श्री सिंह ने नागरिकों से अपील की है कि इस उपलब्धि पर संकल्प लें कि आगे भी अपने शहर को स्वच्छ रखेंगे।

स्वच्छ भारत मिशन में प्रदेश की उपलब्धियां

- प्रदेश के शत-प्रतिशत नगरीय क्षेत्रों में कचरा संग्रहण किया जा रहा है। इसके लिये नगरीय निकायों को 5 हजार 423 से अधिक मोटराइज्ड वाहन उपलब्ध कराये गये हैं। इन वाहनों में जीपीएस और पीए सिस्टम लगाये गये हैं।
- गीले कचरे के प्रसंस्करण और निष्पादन के लिये होम कम्पोस्टिंग को प्रोत्साहित किया जा रहा है। निकायों की केंद्रीयकृत कम्पोस्टिंग इकाइयों में संग्रहीत गीले कचरे की कम्पोस्ट बनाई जाती है। यह कम्पोस्ट नगरीय क्षेत्रों से लगे ग्रामीण क्षेत्रों में खाद के रूप में उपयोग की जाती है।
- सूखे कचरे के प्रसंस्करण के लिये 256 नगरीय निकायों में 275 मटेरियल

रिकवरी फेसिलिटी इकाइयों का निर्माण किया गया है।

- निकायों में लीगेसी अपशिष्ट को पूरी तरह समाप्त करने का लक्ष्य है। अब तक 50 निकायों के शत-प्रतिशत लीगेसी अपशिष्ट का प्रसंस्करण कर दिया गया है।
- प्रदेश में तहत 60 नगरीय निकायों को 5 एकीकृत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन क्लस्टर के कवर किया गया है। इसके अलावा 316 नगरीय निकायों में स्टैंड अलोन परियोजनाओं के क्रियान्वयन को लिये कार्यवाही की जा रही है।
- फीकल स्लज के निष्पादन को प्राथमिकता में शामिल करते हुए 354 एफएमटीपी और 18 निकायों में 51 एसटीपी संचालित हैं।

भोपाल को देश की स्वच्छ संवहनीय राजधानी का अवॉर्ड

स्वच्छ सर्वेक्षण-2022 में प्रदेश को 16 राष्ट्रीय अवॉर्ड मिले हैं। प्रदेश के 99 नगरीय निकायों को स्टार रेटिंग मिली है। वर्ष 2021 में 27 शहरों को मिली थी स्टार रेटिंग।

भोपाल को 5 स्टार मिले और देश की स्वच्छ संवहनीय राजधानी का अवॉर्ड भी मिला। इंदौर प्रथम 7 स्टार रेटिंग प्रमाणित शहर बना। उज्जैन को एक लाख से अधिक जनसंख्या श्रेणी के शहरों में सर्वश्रेष्ठ नागरिक सहायिता का सम्मान मिला। एक लाख से 3

लाख जनसंख्या के शहरों में देश का सिटीजन फीडबैक का अवॉर्ड छिंदवाड़ा को, 15 हजार से 25 हजार जनसंख्या श्रेणी में स्व-संवहनीय शहर का सम्मान पश्चिम जोन में मुंगवली को, पश्चिम जोन के 50 से एक लाख जनसंख्या श्रेणी के शहरों में स्व-संवहनीय शहर का अवॉर्ड खुरई और देश के तीसरे सबसे स्वच्छ कैट का अवॉर्ड महु कैट को मिला है। इसी तरह पश्चिम जोन में 15 हजार से 25 हजार जनसंख्या श्रेणी में सबसे तेज बढ़ते शहर का अवॉर्ड ओवेदुल्लागंज, 15 हजार से कम जनसंख्या श्रेणी में सबसे तेजी से आगे

बढ़ते शहर का अवॉर्ड फूफकला, 15 हजार से 25 हजार जनसंख्या श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ नवाचार का अवॉर्ड पेंतालाद और एक लाख से कम जनसंख्या के शहरों में देश में सबसे अधिक नागरिक सहायिता का अवॉर्ड बड़ौनी को मिला है।

इण्डियन स्वच्छता लीग में उत्तम प्रदर्शन के लिये उज्जैन और खजुराहो को नेशनल अवॉर्ड मिला है। अवॉर्ड समारोह में केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य मंत्री श्री हरदीप सिंह पुरी और राज्य मंत्री श्री कौशल किशोर सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

अमरकंटक में

किसानों को औषधीय पौधों की खेती के लिये किया जा रहा है प्रोत्साहित

भोपाल, अमरकंटक परिक्षेत्र के जनजातीय किसानों को औषधीय पौधों की खेती के लिये प्रोत्साहित किया जा रहा है। किसानों को तकनीकी परामर्श, सहयोग, प्रशिक्षण और मार्केट लिंकेज के लिये अनुपूरु जिला प्रशासन ने इंदिरा गांधी राष्ट्रीय द्रव्यव विधिविधालय एवं अन्य राष्ट्रीय संस्थाओं के साथ एमओयू साइन किये हैं।

जिला प्रशासन ने आयुष विभाग के सहयोग से 200 किसानों को औषधीय पौधों

की खेती के लिये प्रशिक्षण दिलाया है। साथ ही अंतर्राष्ट्रीय कंपनी द्वारा क्षेत्र में औषधीय उत्पाद खरीदने के लिये अनुबंध भी किया गया है। वन विभाग द्वारा 60 हेक्टेयर पर स्थानीय एवं औषधीय प्रजाति के करीब 5 हजार औषधीय पौधों का रोपण किया गया है। सर्वेक्षण में अमरकंटक क्षेत्र लेमन ग्रास, पामा रोजा और स्टीविया औषधीय पौधों की पैदावार के लिये अनुकूल पाया गया है।



फीफा ने सुनील छेत्री के सम्मान में जारी की सीरीज

मुम्बई. विश्व फुटबॉल की सबसे बड़ी संस्था फीफा ने भारतीय फुटबॉल टीम के कप्तान सुनील छेत्री को उनके जीवन और कैरियर पर तीन एपिसोड की एक सीरीज जारी कर सम्मानित किया है। फीफा ने सुनील को कैप्टन फैंटास्टिक बताते हुए एक ट्वीट किया कि आपको क्रिस्टियानो रोनाल्डो और लियोनल मेसी के बारे में सब पता है, अब तीसरे सबसे अधिक गोल करने वाले अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी की कहानी भी जान लें। सुनील छेत्री, कप्तान फैंटास्टिक अब उपलब्ध हैं। फीफा ने कहा कि सुनील छेत्री पर आधारित तीन एपिसोड की सीरीज फीफा के स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म फीफा प्लस पर उपलब्ध होगी। सुनील छेत्री ने अंतर्राष्ट्रीय फुटबॉल में 84 गोल किए हैं। वह सक्रिय खिलाड़ियों में सबसे ज्यादा गोल करने के मामले में रोनाल्डो (117) और मेसी (90) के बाद तीसरे सबसे ज्यादा गोल करने वाले फुटबॉलर हैं।

एफआईएच पुरुष हॉकी विश्वकप का शेड्यूल जारी

भुवनेश्वर, अंतर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) ने अगले वर्ष भारत में खेले जाने वाले एफआईएच हॉकी विश्वकप का शेड्यूल जारी कर दिया है। विश्वकप का आगाज 13 जनवरी को होगा वहीं फाइनल मुकाबला 29 जनवरी को खेला जायेगा। टूर्नामेंट में विश्व की 16 टीमों हिस्सा लेंगी। टूर्नामेंट के मेजबान भारत को ग्रुप-डी में इंग्लैंड, स्पेन और वेल्स के साथ रखा गया है। भारत विश्वकप में अपने अभियान का आगाज 13 जनवरी को स्पेन के खिलाफ करेगा। भारत 15 जनवरी को इंग्लैंड तथा 19 जनवरी को वेल्स के खिलाफ मैदान में उतरेगा।

आईसीसी ट्वेंटी-20 विश्वकप से बाहर हुए जसप्रीत बुमराह

मुंबई, ऑस्ट्रेलिया में आयोजित होने वाले आईसीसी ट्वेंटी-20 विश्वकप से पहले भारतीय क्रिकेट टीम को बड़ा झटका लगा है। भारत के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह चोट के चलते विश्वकप से बाहर हो गए हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने कहा कि बुमराह ने अभ्यास सत्र के दौरान पीठ में दर्द की शिकायत की। बीसीसीआई ने कहा कि बुमराह की चोट काफी गंभीर है, उन्हें ठीक होने में 4 से 6 महीने लग सकते हैं। चोट की स्थिति को देखते हुए बुमराह ट्वेंटी-20 विश्वकप से बाहर हो गए हैं। बीसीसीआई ने बताया कि बुमराह पहले भी चोट के चलते टीम से बाहर रहे थे। बुमराह ने फिटनेस टेस्ट पास कर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ट्वेंटी-20 सीरीज में वापसी की थी, बाद में बुमराह को विश्वकप के लिए घोषित टीम में जगह दी गई थी।

भाला फेंक एथलीट शिवपाल पर लगा प्रतिबंध

नई दिल्ली, भारत के फेंक भाला फेंक खिलाड़ी शिवपाल सिंह डोप टेस्ट में फेल हो गए हैं, जिसके चलते शिवपाल पर चार वर्ष का प्रतिबंध लगाया गया है। राष्ट्रीय डॉपिंग रोधी एजेंसी नाडा के एंटी डॉपिंग अनुशासनात्मक पैनल ने शिवपाल का डोप टेस्ट किया था। नाडा ने कहा कि शिवपाल के डोप सैमपल में प्रतिबंधित पदार्थ मेटानडियोन पाया गया था। इसके बाद शिवपाल पर चार वर्ष का अस्थायी प्रतिबंध लगाया गया है। शिवपाल का प्रतिबंध 21 अक्टूबर 2021 से शुरू हो गया है।

भारत-दक्षिण अफ्रीका ट्वेंटी-20 सीरीज

भारत ने 2-1 से जीती ट्वेंटी-20 सीरीज

इंदौर, भारतीय क्रिकेट टीम ने आईसीसी ट्वेंटी-20 विश्वकप से पहले अपनी तैयारियों को पूरना करते हुए दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेली गई ट्वेंटी-20 सीरीज को 2-1 से जीता है। हालांकि सीरीज के तीसरे और आखिरी मैच में भारतीय टीम को 49 रन से हार का सामना करना पड़ा। इससे सीरीज के परिणाम पर कोई असर नहीं पड़ा क्योंकि भारतीय टीम ने सीरीज का पहला मैच 8 विकेट से तथा दूसरा मैच 16 रन से जीतकर पहले ही सीरीज पर कब्जा कर लिया था।

तीसरे मैच में भारत ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया। तेज गेंदबाज उमेश यादव ने मैच के पांचवें ओवर में दक्षिण अफ्रीका के सलामी बल्लेबाज टेम्बा बावुमा (3) को आउट कर भारत को जल्द सफलता दिलाई।

इसके बाद ब्रिंटन डिकॉक और रिली रोसो ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए दूसरे विकेट के लिए 8 ओवरों में 90 रनों की साझेदारी की। डिकॉक 68 रन बनाकर आउट हुए जबकि रिली रोसो ने अपने ट्वेंटी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट कैरियर का पहला शतक जमाया। रोसो ने नाबाद 100 रनों की पारी खेली। इनके अलावा ट्रिस्टन स्ट्यूक (23) और डेविड मिलर (19) ने भी उपयोगी पारियां खेलीं, जिसकी मदद से दक्षिण अफ्रीका ने 20 ओवरों में 3 विकेट खोकर 227 रन बनाये। भारत के लिए उमेश यादव और दीपक चाहर ने 1-1



- भारत ने पहली बार अपने घर में दक्षिण अफ्रीका को ट्वेंटी-20 सीरीज में हराया है।
- दोनों देशों के बीच भारत में अब तक चार ट्वेंटी-20 सीरीज खेली गई हैं।
- इनमें से भारत और दक्षिण अफ्रीका ने एक-एक सीरीज जीती है, वहीं दो सीरीज बराबर रही हैं।
- इंदौर के होल्कर स्टेडियम में भारतीय टीम को ट्वेंटी-20 क्रिकेट में पहली बार हार का सामना करना पड़ा।

विकेट लिया।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। टीम के कप्तान और सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा पहले ओवर में ही बिना खाता खोले आउट हो गए। विराट कोहली की गैर मौजूदगी में खेल रहे श्रेयस अय्यर भी महज 1 रन बनाकर लवेलियन लौट गए। इसके बाद ऋषभ पंत और दिनेश कार्तिक ने पारी को आगे बढ़ाया। पंत ने 14 गेंदों में

27 तथा कार्तिक ने 21 गेंदों में 46 रनों की पारी खेली।

इन दोनों बल्लेबाजों के आउट होने के बाद भारत की पारी बिखर गई। भारत ने अपने 120 रन के स्कोर तक अपने 8 विकेट गवां दिए थे, लेकिन अंतिम ओवरों में दीपक चाहर ने 31 तथा उमेश यादव ने 20 रनों की पारी खेल भारत को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। भारतीय टीम की पारी 18.3 ओवरों में 178 रन पर सिमट गई।

इंग्लैंड ने पाकिस्तान को ट्वेंटी-20 सीरीज में 4-3 से हराया

लाहौर, इंग्लैंड ने पाकिस्तान को उसी के घर में ट्वेंटी-20 सीरीज में धूल चटाई है। इंग्लैंड ने सात मैचों की सीरीज 4-3 से जीती। सीरीज के सातवें और अंतिम मुकाबले में इंग्लैंड ने पाकिस्तान को 67 रनों के विशाल अंतर से हराया।

मैच में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लिश टीम को सलामी बल्लेबाज फिल साल्ट (20) और एलेक्स हेल्स (18) ने तेज शुरुआत दिलाते हुए पहले विकेट के लिए 39 रन जोड़े, लेकिन यह दोनों बल्लेबाज अपनी पारी को लंबा नहीं खींच पाये। इनके बाद बल्लेबाजी करने आये डेविड मलान ने पहले वैन ड्रकेट (30) और फिर रैबी ब्रूक्स (46) के साथ मिलकर जल्द रन बटोरें। मलान ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए 47 गेंदों में 78 रनों की तेज तर्रार पारी खेली। इंग्लैंड ने निर्धारित 20 ओवरों में 3 विकेट खोकर 209 रन



बनाये। जीत के लिए मिले 210 रनों के विशाल लक्ष्य के जवाब में पाकिस्तान की शुरुआत खराब रही। पाकिस्तान के दोनों सलामी बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान और बाबर आजम महज 5 रन के स्कोर पर पवेलियन लौट गए। इसके बाद शान मसूद (56) ने इफ्तिखार अहमद (19) और खुशदिल शाह (27) के साथ मिलकर पारी को संभाला, लेकिन इनके आउट होने के बाद पाकिस्तान के बल्लेबाज एक बार फिर धराशायी हो गए। पाकिस्तान की टीम 142 रन ही बना सकी।

आईसीसी ने

ट्वेंटी-20 विश्वकप की इनामी राशि की घोषित

दुबई, अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद् (आईसीसी) ने ऑस्ट्रेलिया में आयोजित होने वाले आईसीसी ट्वेंटी-20 विश्वकप की इनामी राशि की घोषणा की है। आईसीसी ने टूर्नामेंट की इनामी राशि में कोई बदलाव नहीं किया है। पिछले ट्वेंटी-20 विश्वकप की तरह ही इस बार भी इनामी राशि तय की गई है। इस टूर्नामेंट में विश्व की 16 टीमों हिस्सा लेंगी।

आईसीसी ने बताया कि आईसीसी पुरुष ट्वेंटी-20 विश्वकप में कुल 5.6 मिलियन डॉलर (लगभग 45 करोड़ रुपये) की इनामी राशि वितरित की जायेगी। विश्वकप की विजेता टीम को 1.6 मिलियन डॉलर (लगभग 13 करोड़ रुपये) पुरस्कार स्वरूप मिलेंगे, वहीं उपविजेता टीम को 8 लाख डॉलर (लगभग 6 करोड़ रुपये) की इनामी राशि मिलेगी। टूर्नामेंट में सेमीफाइनल में हारने वाली दोनों टीमों को 4.4 लाख डॉलर (लगभग 3.3 करोड़ रुपये) वतौर



इनामी राशि मिलेगी।

आईसीसी ने बताया कि टूर्नामेंट के राउंड वन में बाहर होने वाली चार टीमों को 40-40 हजार डॉलर (लगभग तीस लाख रुपये) का पुरस्कार मिलेगा। पहले राउंड में प्रत्येक मैच जीतने वाली टीम को 40 हजार डॉलर (लगभग 52 लाख रुपये) मिलेंगे। वहीं सुपर-12 राउंड में बाहर होने वाली प्रत्येक टीम को 70-70 हजार डॉलर (लगभग तीस लाख रुपये) मिलेंगे। सुपर-12 राउंड में प्रत्येक मैच के विजेता को 40 हजार डॉलर (लगभग तीस लाख रुपये) की पुरस्कार राशि मिलेगी।

नोवाक जोकोविच ने जीता

तेल अवीव ओपन का खिताब

बोपन्ना पुरुष युगल वर्ग में बने चैम्पियन

टूर्नामेंट में पुरुष युगल वर्ग का खिताब भारत के रोहन बोपन्ना और नीदरलैंड्स के मेट्टे मिडलकूप की जोड़ी ने जीता। बोपन्ना और मिडलकूप की जोड़ी ने पुरुष युगल वर्ग के फाइनल में मैक्सिको सैंटियागो और अर्जेंटीना के आंद्रेस मोल्टेनी को जोड़ी को 6-2, 6-4 से हराया।

- नोवाक जोकोविच ने पहली बार तेल अवीव ओपन टूर्नामेंट जीता है।
- यह जोकोविच के टेनिस कैरियर का 89वां एंटीपी खिताब है।
- जोकोविच ने इस वर्ष तीन खिताब जीते हैं।
- जोकोविच एक सत्र में हार्ड, क्ले और ग्रास कोर्ट पर खिताब जीतने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं।

इंडिया लीजेंड्स ने जीती रोड सेफ्टी वर्ल्ड सीरीज

रायपुर, इंडिया लीजेंड्स ने एक बार फिर रोड सेफ्टी वर्ल्ड सीरीज का खिताब अपने नाम किया है। इंडिया लीजेंड्स ने टूर्नामेंट के फाइनल में श्रीलंका लीजेंड्स को 33 रन से हराकर खिताब जीता। मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए इंडिया लीजेंड्स ने निर्धारित 20 ओवरों में 6 विकेट खोकर 195 रन बनाये। इंडिया लीजेंड्स के लिए सलामी बल्लेबाज नमन ओझा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 71 गेंदों में 108 रनों की शतकीय पारी खेली। नमन का विनय कुमार ने बढ़िया साथ निभाया और 36 रन बनाये। बड़े लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका लीजेंड्स की शुरुआत खराब रही। टीम के 4 विकेट 41 रन के स्कोर पर गिर गये। इसके बाद ईशान जयरत्ने (51) और महेला उदावत्ते (26) ने श्रीलंका की पारी को संभाला। श्रीलंका की टीम 18.5 ओवरों में 162 रन बनाकर ऑल आउट हो गई।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : युगल से साभार)



छठवीं इंडिया मोबाइल कांग्रेस में 5जी सेवाओं का शुभारंभ

तेज इंटरनेट एक्सेस 5जी टेक्नोलॉजी में जीवन बदलने की क्षमता है : प्रधानमंत्री



- 5जी तकनीक आम लोगों को व्यापक लाभ प्रदान करेगी। यह निर्बाध कवरज, उच्च डेटा दर, कम विलंबता और अत्यधिक विश्वसनीय संचार प्रदान करने में मदद करेगी।
- यह ऊर्जा की खपत में कमी, स्पेक्ट्रम दक्षता और नेटवर्क दक्षता में वृद्धि करेगी।
- 5जी तकनीक अरबों की संख्या में इंटरनेट ऑफ थिंग्स उपकरणों को जोड़ने में मदद करेगी, उच्च गति पर गतिशीलता के साथ उच्च गुणवत्ता वाली वीडियो सेवाओं की अनुमति देगी, और अन्य लोगों के बीच टेलीसर्जरी और ऑटोमेटिक कारों जैसी महत्वपूर्ण सेवाओं की डिलीवरी करेगी।
- 5जी आपदाओं की तत्काल निगरानी, सटीक कृषि, और खतरनाक औद्योगिक कार्यों जैसे कि गहरी खदानों, अपतटीय गतिविधियों आदि में मनुष्यों की भूमिका को कम करने में मदद करेगी।
- मौजूदा मोबाइल संचार नेटवर्क के विपरीत, 5जी नेटवर्क एक ही नेटवर्क के भीतर ये अलग-अलग उपयोग के संदर्भ में प्रत्येक के लिए आवश्यकताओं को आसानी से पूरा करेगी।

टेलीकॉम टेक्नोलॉजी में 'ग्लोबल स्टैंडर्ड' तय कर रहा है।

डिजिटल इंडिया के लिए एक समग्र दृष्टिकोण की आवश्यकता पर ध्यान केंद्रित

करते हुए, प्रधानमंत्री ने बताया कि 'हमने 4 पिलर्स पर, चार दिशाओं में एक साथ फोकस किया। पहला - डिवाइस की कीमत, दूसरा - डिजिटल कनेक्टिविटी, तीसरा -

डेटा की कीमत, चौथा और सबसे जरूरी - 'डिजिटल फर्स्ट की सोच'।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज हमारे छोटे व्यापारी हों, छोटे उद्यमी हों, लोकल कलाकार और कारीगर हों, डिजिटल इंडिया ने सबको मंच दिया है, वाजार दिया है। श्री मोदी ने कहा, 'आज आप किसी लोकल मार्केट में या सच्ची मंडी में जाकर देखिए, रेहड़ी-पटरी वाला छोटा दुकानदार भी आपसे कहेंगे, केश नहीं 'घूपीआई' कर दीजिए।' प्रधानमंत्री ने कहा, 'यह दिखाता है कि जब कोई सुविधा उपलब्ध होती है, तो सोच भी बढ़ जाती है।' प्रधानमंत्री ने कहा कि जब सरकार साफ नीयत से काम करती है तो नागरिकों के इरादे भी बदल जाते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारे देश में डेटा की लागत दुनिया में सबसे कम है। यह 300 रुपये प्रति जीबी से घटकर करीब 10 रुपये प्रति जीबी हो गई है। सरकार के उपभोक्ता केंद्रित प्रयासों के बारे में चर्चा करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार के प्रयासों से भारत में डेटा की कीमत बहुत कम बनी हुई है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि 5जी तकनीक का इस्तेमाल तेज इंटरनेट एक्सेस तक सीमित नहीं होगा, बल्कि यह लोगों की जिंदगी बदलने की क्षमता रखता है। उन्होंने कहा कि हम अपने जीवनकाल में प्रौद्योगिकी के बावों को साकार होते देखेंगे। प्रधानमंत्री ने सभी को आश्वासन दिया कि भविष्य का भारत आगामी प्रौद्योगिकी क्षेत्र में दुनिया का मार्गदर्शन करेगा और भारत को विश्वगुरु बनाएगा।

ब्रिटेन ने यूक्रेन मामले में रूस पर सेवा संबंधी प्रतिबंध लगाए

ब्रिटेन ने "जनमत संग्रह" के बाद यूक्रेन के चार क्षेत्रों के "अवैध विलय" के खिलाफ रूस पर नई सेवाओं और माल के निर्यात पर



प्रतिबंध लगा दिया। सेवा प्रतिबंध रूसी अर्थव्यवस्था के कमजोर क्षेत्रों को लक्षित करने के लिए तैयार किए गए हैं, जिनमें आईटी परामर्श, वास्तुशिल्प सेवाएं, इंजीनियरिंग सेवाएं और कुछ व्यावसायिक गतिविधियों के लिए लेने-देने संबंधी कानूनी सलाहकार सेवाएं शामिल हैं। ब्रिटेन के विदेश मंत्री ने कहा कि यूक्रेन के दोनेत्स्क, लुहान्स्क, खेरसॉन और जॉर्जिया क्षेत्र में रूसी कार्रवाई के खिलाफ "कठोरतम शब्दों" में विरोध जताने के लिये रूसी राजदूत एंड्रे केलेन को विदेश, राष्ट्रमंडल और विकास कार्यालय (एफसीडीओ) में तलब किया जाए। ब्रिटेन के विदेश मंत्री जेम्स क्लेवरली ने कहा, "ब्रिटेन पूरी तरह से रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की, यूक्रेनी क्षेत्र के अवैध कब्जे की घोषणा की निंदा करता है। हम इन दिशावटी जनमत संग्रह या यूक्रेनी क्षेत्र के किसी भी विलय के परिणामों को कभी मान्यता नहीं देंगे।"

प्रधानमंत्री ने कहा, नया भारत, टेक्नोलॉजी का सिर्फ कंजुमर बनकर नहीं रहेगा, बल्कि भारत उस टेक्नोलॉजी के विकास में, उसके इन्फ्लेमेटेशन में एक्टिव भूमिका निभाएगा। भविष्य की वायरलस टेक्नोलॉजी को डिजाइन करने में, उससे जुड़ी मैनुफैक्चरिंग में भारत की बड़ी भूमिका होगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि 2जी, 3जी, 4जी के समय भारत टेक्नोलॉजी के लिए दूसरे देशों पर निर्भर रहा। लेकिन 5जी के साथ भारत ने नया इतिहास रच दिया है। 5जी के साथ भारत पहली बार

बुर्किना फासो में दूसरी बार सैन्य तख्तापलट

बुर्किना फासो में बीते 9 महीने में दूसरी बार तख्तापलट हुआ है। सैनिकों ने सरकारी प्रसारणकर्ता को अपने नियंत्रण में ले लिया। उन्होंने सैन्य तख्तापलट कर राष्ट्रपति लेफ्टिनेंट कर्नल पॉल हेनरी सैंडाओगो डामिबा को सत्ता से बंदखल कर दिया। सैन्य प्रवक्ता ने कहा कि कैप्टन इब्राहिम त्राओरे इस्लामिक चरमपंथ से जुड़ा रहे पश्चिमी अफ्रीकी देश के नए राष्ट्रपति हैं।

बता दें डामिबा और उनके सहयोगियों ने महज 9 महीने पहले ही लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित राष्ट्रपति को सत्ता से बाहर कर दिया था। वह देश को अधिक सुरक्षित बनाने का वादा

करके सत्ता में आए थे। हालांकि, हिंसा का दौर जारी रहा। हाल के महीनों में उनके नेतृत्व को लेकर असंतोष की आवाज बुलंद होने लगी थी। प्रवक्ता कैप्टन किस्वेंदसिदा फाउक अजोरिया सौरधो की ओर से पढ़े गए बयान में कहा गया है, 'विगड़ते सुरक्षा हालात के मद्देनजर हमने सुरक्षा मुद्दों पर बदलाव पर ध्यान केंद्रित करने का बार-बार प्रयास किया है।' सैनिकों ने अंतर्राष्ट्रीय समुदाय से वादा किया कि वे अपनी प्रतिवद्धताओं का सम्मान करेंगे। उन्होंने क्षेत्र के निवासियों के लिए 'जे-अलर्ट' जारी किया है। 2017 के बाद पहली बार ऐसा

जापान के ऊपर से दागी बैलिस्टिक मिसाइल

उत्तर कोरिया ने मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल दागी, जो जापान के ऊपर से गुजरते हुए प्रशांत महासागर में जा

- जापान कैबिनेट के मुख्य सचिव हिरोकाजु मात्सुनो ने कहा कि उत्तर कोरिया के मिसाइल परीक्षण के बाद किसी तरह के नुकसान की तत्काल कोई खबर नहीं मिली है।
- उन्होंने कहा कि मिसाइल 22 मिनट तक हवा में रहने के बाद देश के विशेष आर्थिक क्षेत्र के बाहर समुद्र में गिरी।

गिरी। जापान के अधिकारियों ने आसपास की इमारतों को खाली करने के लिए पूर्वोत्तर क्षेत्र के निवासियों के लिए 'जे-अलर्ट' जारी किया है। 2017 के बाद पहली बार ऐसा



'अलर्ट' जारी किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, वॉरिंग के सायरन बजते ही लोग सुरक्षित जगहों पर छिपने लगे। ऐसा माना जा रहा है कि उत्तर कोरिया ने क्षेत्र में अमेरिकी सहयोगियों को निशाना बनाने वाले हथियारों का परीक्षण तेज कर दिया है। जापान के प्रधानमंत्री कार्यालय ने बताया कि उत्तर कोरिया की ओर से एक

मिसाइल दागी गई, जिसके जापान के ऊपर से गुजरते हुए प्रशांत महासागर में गिरने की आशंका है। देश के होकरादो और आओमोरी क्षेत्र में ट्रेन सेवाएं कुछ समय के लिए निलंबित की गई थीं, जो अब बहाल कर दी गई हैं। प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा ने कहा, 'उत्तर कोरिया की ओर से हाल ही में किए गए परीक्षण की कड़ी निंदा करता हूं। मैं मौजूदा स्थिति को लेकर राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के साथ बातचीत करूंगा।'

वहीं, दक्षिण कोरिया के 'ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ' ने कहा कि उन्हें उत्तर के उत्तरी अंतर्देशीय क्षेत्र से दागी गई बैलिस्टिक मिसाइल के बारे में पता चला है। उन्होंने कहा कि दक्षिण कोरिया की सेना ने निगरानी बढ़ा दी है और अमेरिका के साथ निकट समन्वय बनाए हुए है।

चिकित्सा, भौतिकी, रसायन, साहित्य के पुरस्कार घोषित

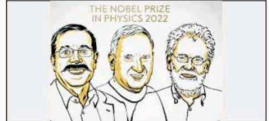
नोबेल पुरस्कार 2022 की घोषणा

स्वांते पाबो को मिला मेडिसिन का नोबेल



मेडिसिन/फिजियोलॉजी के क्षेत्र में दिए जाने वाले नोबेल पुरस्कार की घोषणा हो गई है। साल 2022 के लिए यह पुरस्कार स्वीडन के वैज्ञानिक स्वांते पाबो को दिया गया है। स्वांते स्वीडन के एक जेनेटिस्ट हैं। वह विकासवादी अनुवांशिकी के स्पेशलिस्ट हैं। पाबो को यह नोबेल प्राइज विलुप्त होमिनिन और मानव विकास के जीनोम से संबंधित खोजों के लिए दिया गया है।

क्वांटम साइंस में तीन विज्ञानियों को भौतिकी का नोबेल



क्वांटम इन्फॉर्मेशन साइंस में विशिष्ट योगदान के लिए फ्रांस के एलेन आस्पेक्ट, अमेरिका के जान एफ क्लॉजर और आस्ट्रिया के एंटोन जैलिंगर ने संयुक्त रूप से इस साल भौतिकी का नोबेल पुरस्कार जीता है। क्वांटम भौतिकी के क्षेत्र में इनके शोध ने डाटा एनक्रिप्शन, सुरक्षित तरीके से इन्फॉर्मेशन ट्रांसफर व क्वांटम कंप्यूटिंग के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया है।

अणुओं के विखंडन पर 3 वैज्ञानिकों को केमिस्ट्री का नोबेल



तीन वैज्ञानिकों को रासायन विज्ञान का नोबेल दिया गया है। इनमें अमेरिका के स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी की कैरोलिन बर्टोज्जी, डेनमार्क के कोपेनहेगन यूनिवर्सिटी के मोर्टन मेल्डल और अमेरिका के कैलिफोर्निया के स्क्रिप्स रिसर्च से संबद्ध बैरी शार्पलेस शामिल हैं। तीनों ने 'अणुओं के एक साथ विखंडन' का तरीका विकसित किया।

फ्रेंच राइटर एनी को मिला लिटरेचर का नोबेल



इस साल साहित्य यानी लिटरेचर का पुरस्कार फ्रांस की लेखिका एनी एर्नाक्स को देने का ऐलान किया गया है। उनके लेखन में साहस के साथ संवेदना भी नज़ आती है। उन्होंने हर वर्ग और तबके को अपने लेखन में समेटा। स्वीडन की राजधानी स्टॉकहोम में नोबेल प्राइज वीक 2022 के चौथे दिन इस प्राइज का ऐलान किया गया। 82 साल की एनी ने करीब 40 किताबें लिखी हैं।

अमेरिका में तूफान 'इयान' ने मचाई तबाही

अमेरिका के फ्लोरिडा और उत्तरी कैरोलिना में इयान तूफान से मरने वालों की संख्या 70 से ज्यादा हो चुकी है। इनमें से अकेले फ्लोरिडा में करीब 45 संदिग्ध की मौत होने की सूचना है। इयान तूफान ने फ्लोरिडा में तबाही मचाने के बाद अमेरिकी राज्य दक्षिण कैरोलिना में दस्तक दी। इसके बाद यह दक्षिण मध्य वर्जीनिया चला गया। एनबीसी न्यूज ने अधिकारिक आंकड़ों और अपनी रिपोर्टों के आधार पर यह जानकारी दी। एनबीसी ने कहा कि इस तूफान से मरने वालों की संख्या 77 हो चुकी है और यह आंकड़ा बढ़ सकता है।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साधार)